रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित

₹71500 10 ग्राम

₹94000 01 किलो

सेंसेक्स 81,709.12 -56.74

डॉलर 84.668 -0.021

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष 09, संवत 2081 | रांची, सोमवार, 09 दिसंबर 2024, वर्ष-25, अंक- 304, पृष्ठ-12 ₹3.00 रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

पेज-10 अगले 2 से 3 वर्षों में देश में तेजी से...

एक नजर

सीएम ने पूर्व स्पीकर रवींद्र नाथ महतो के पिता के निधन पर जताया शोक

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पूर्व स्पीकर रवींद्र नाथ महतो के पिता के निधन पर शोक जताया है। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर रविवार को ट्वीट कर कहा है कि झामुमो के वरिष्ठ नेता और नाला से विधायक रवींद्रनाथ महतो के पिता गोलक बिहारी महतो के निधन की दुःखद सूचना मिली। मरांग बुरु दिवगंत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुःख की यह विषम घड़ी सहन करने की शक्ति और साहस दें।

फडणवीस सरकार आज साबित करेगी बहुमत

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा के तीन दिवसीय विशेष सत्र के आखिरी दिन सोमवार को देवेंद्र फडणवीस सरकार अपना बहुमत साबित करेगी। यह महज औपचारिकता होगी क्योंकि विधानसभा चुनाव में महायुति को भारी बहुमत मिला है। विधानसभा के विशेष सत्र के दूसरे दिन रविवार को 105 विधायकों ने शपथ ली। विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के विधायकों ने ईवीएम के मुद्दे पर शनिवार को शपथ ग्रहण से इनकार करते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया था। विशेष सत्र के पहले दिन शनिवार को 173 विधायकों ने सदन की सदस्यता की शपथ ली थी। शेष विधायक सोमवार को शपथ लेंगे।

बिहार में 4 करोड़ का नशीला पदार्थ जब्त

मोतिहारी। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के लखौरा थाना क्षेत्र में पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी की बड़ी योजना को विफल कर दिया। इस दौरान पुलिस ने रविवार को 11.2 किलोग्राम ब्राउन शुगर और 6.10 किलोग्राम चरस सहित बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त किए हैं। बरामद मादक पदार्थों की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में चार करोड़ रुपए से ज्यादा आंकी जा रही है। पूर्वी चंपारण के एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि नेपाल के रास्ते मादक पदार्थों की तस्करी कर भारत में लाया जा रहा है। इस सूचना के आधार पर सदर-2 के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी जितेश पांडेय के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। इसके बाद टीम ने लखौरा थाना क्षेत्र के छोटा पकड़ी गांव में छापेमारी कर एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया।

जरूरी सूचना

सुझाव, शिकायत और समाचारों का स्वागत समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए सप्रमाण समाचारों का स्वागत है। आप सुझाव या शिकायत भी भेज सकते हैं। संपर्क/व्हाट्सएप 82925 53444 विज्ञापन देने या अखबार प्राप्त करने के लिए संपर्क +91 82923 73444 कार्यकारी संपादक।

बेटी के बॉयफ्रेंड को फंसाने के लिए पिता ने रची थी साजिश, गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ को 50 लाख की रंगदारी देने नहीं तो तीन दिनों के अंदर जान से मारने की धमकी मामले का पुलिस ने रविवार को खुलासा करते हुए आरोपी मिनाजुल को गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस ने रांची पुलिस के सहयोग से यह सफलता पाई। मामले की जांच के दौरान खुलासा हुआ कि कांके थाना क्षेत्र स्थित रहने वाला मिनाजुल नाम के व्यक्ति ने अपने बेटी के बॉयफ्रेंड मोईज को फंसाने के लिए मोईज के नाम से इश्यू सिमकार्ड से मंत्री संजय सेठ के मोबाइल पर धमकी वाला मैसेज भेजा था। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक मिनाजुल की बेटी का मोईज नाम के लड़के से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस वजह से मिनाजुल मोईज से नाराज रहता था। मोईज ने लड़की को एक मोबाइल और अपने नाम से जारी एक सिमकार्ड भी दिया था। इसी दौरान मिनाजुल ने मोईज को फंसाने के नियत से अपनी बेटी के मोबाइल से सांसद को धमकी वाला मैसेज भेज दिया।

मंत्री संजय सेठ धमकी मामले का खुलासा

दिल्ली पुलिस जांच के लिए पहुंची रांची

शुक्रवार शाम चार बजे के करीब रक्षा राज्यमंत्री के मोबाइल पर ये धमकी वाला मैसेज आया। उस समय मंत्री संसद के शीतकालीन सत्र में भाग लेने नई दिल्ली में थे। मंत्री ने तुरंत मामले की जानकारी दिल्ली पुलिस को दी साथ ही झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता को भी उन्होंने इसकी सूचना दे दी। मामले को गंभीरता से लेते हुए दिल्ली पुलिस ने जांच शुरू कर दी। इसमें पता चला कि धमकी वाला मैसेज रांची के कांके स्थित होचर से आया है। इसके बाद दिल्ली पुलिस की टीम जांच के लिए शनिवार को रांची पहुंची। शनिवार को रांची पहुंचने के बाद दिल्ली पुलिस की टीम कांके थाना क्षेत्र स्थित होचर गई। फोन नंबर के लोकेशन के आधार पर पुलिस ने मिनाजुल को हिरासत में लेकर पूछताछ की। इसीक्रम में पूरे मामले का रविवार को खुलासा हुआ। उसके बाद मिनाजुल को गिरफ्तार कर लिया गया। झारखंड पुलिस भी इस पूरे मामले में सक्रिय रही और डीजीपी स्वयं इसकी मानिटरिंग करते रहे।

कई माइनों में अलग होगा इस बार झारखंड विधानसभा का स्वरूप

बाबूलाल मरांडी भी नेता प्रतिपक्ष मुद्दे पर खुलकर बोलने से बचते रहे

झारखंड विधानसभा का पहला सत्र आज से

बिना नेता प्रतिपक्ष **चलेगा सदन**

नवीन मेल डेस्क

रांची। झारखंड की छठी विधानसभा का पहला सत्र सोमवार (9 दिसंबर) से शुरू हो रहा है। 12 दिसंबर तक चलने वाले इस सत्र की तस्वीर कई मायनों में पहले से अलग होगी। सत्र के पहले दो दिन के कार्य दिवस में नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी। विधानसभा के पहले सत्र में नेता प्रतिपक्ष भी संभवतः नहीं होगा, क्योंकि प्रमुख विपक्षी पार्टी भाजपा ने विधायक दल के नेता का चुनाव नहीं किया है। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में बैठक के पहले भी नेताओं ने स्पष्ट नहीं किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी भी इस मुद्दे पर कुछ खुलकर बोलने से बचते रहे। विधानसभा की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस के विधायक भी फिलहाल बगैर नेता हैं लेकिन उम्मीद जताई जा रही है कि सत्र शुरू होने से पहले ये मामला सुलझा लिया जाएगा।

प्रोटेम स्पीकर स्टीफन मरांडी विधायकों को दिलाएंगे शपथ

12 दिसंबर तक चलने वाले इस सत्र के पहले दो दिन के कार्यदिवस में नवनिर्वाचित विधायकों का शपथ ग्रहण होगा। इन्हें प्रोटेम स्पीकर स्टीफन मरांडी शपथ दिलाएंगे। दूसरे दिन 10 दिसंबर को विधायकों के शपथ ग्रहण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद विधानसभा के नए अध्यक्ष का चुनाव होगा।

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर पेश करेंगे अनुपूरक बजट

संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने 11 दिसंबर को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार का अभिभाषण होगा। इसके बाद सरकार की ओर से वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर चालू वित्तीय वर्ष के लिए द्वितीय अनुपूरक बजट पेश करेंगे। सत्र के अंतिम कार्यदिवस में 12 दिसंबर को राज्यपाल के अभिभाषण को लेकर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा और अनुपूरक बजट पर वाद-विवाद होगा।

नहीं दिखेंगे एंग्लो इंडियन समुदाय के प्रतिनिधि

इस बार सदन में सदस्यों की संख्या 82 की बजाय 81 होगी। इसकी वजह यह है कि विधानसभा में 82वें विधायक के रूप में एंग्लो इंडियन समुदाय के किसी व्यक्ति को मनोनीत करने की संवैधानिक व्यवस्था अब समाप्त हो गई है। जनवरी, 2020 में संसद में पारित 126वें संविधान संशोधन के जरिए संसद और देश के 13 राज्यों की विधानसभाओं में एंग्लो इंडियन समुदाय के मनोनयन की व्यवस्था समाप्त कर दी गई थी।

20 विधायक पहली बार पहुंचे हैं विधानसभा

बेरमो के विधायक अनूप सिंह ने कहा कि पहली बार विधायक बने नेताओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा और संसदीय कार्यप्रणाली के बारे में बताया जाएगा। संभवतः मुख्यमंत्री स्वयं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष के नाम का प्रस्ताव पेश करेंगे। इस बार यह पहली विधानसभा है, जब सत्ता पक्ष के सदस्यों की संख्या सदन की कुल संख्या की दो तिहाई होगी। सदन में 20 यानी करीब एक चौथाई विधायक ऐसे होंगे, जो पिछली विधानसभा का हिस्सा नहीं थे। विधानसभा में चार पार्टियों का एकल प्रतिनिधित्व होगा। जदयू, लोजपा (आर), आजसू पार्टी और जेएलकेम के एक-एक विधायक जीतकर सदन में पहुंचे हैं।

विस सत्र के पूर्व सीएम आवास पर मंत्री और विधायकों की हुई बैठक

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में रांची के कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास में रविवार को सत्ता पक्ष के मंत्रियों और विधायक दल की बैठक संपन्न हुई। बैठक में नौ दिसंबर से 12 दिसंबर तक आहूत षष्ठम विधानसभा के प्रथम सत्र के संबंध में सत्ता पक्ष की तैयारियों पर विचार-विमर्श किया गया।

पुलिसकर्मियों के व्यवहार में सुधार लाने के लिए दिशा-निर्देश

जनता से अच्छा व्यवहार करें : डीजीपी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता ने सभी जिलों के एसएसपी और एसपी को उनके अधीन थानों में समय पर एफआईआर दर्ज करने और जनता के साथ अच्छा व्यवहार करने का निर्देश दिया है। डीजीपी ने आम जनता के प्रति पुलिसकर्मियों के व्यवहार में सुधार लाने के लिए दिशा निर्देश जारी किए हैं।

डीजीपी ने साइबर अपराध, एसटी-एससी, ह्यूमन ट्रैफिकिंग एवं महिला अपराध से संबंधित भुक्तभोगी के आवेदन पर आवेदित थाने में ही एफआईआर दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई किए जाने के लिए निर्देश दिया है। उन्होंने किसी भी पीड़ित महिला के आवेदन पर क्षेत्र के संबंध में विचार किए बिना अविलंब आवेदित थाने में एफआईआर दर्ज किए जाने के लिए निर्देश दिया है। साथ ही, सभी क्षेत्रीय पुलिस उप-महानिरीक्षक एवं सभी पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया कि अपने-अपने जिलों और क्षेत्र में ऐसी व्यवस्था कायम करें कि यदि थाना प्रभारियों के जरिये आम जनता के आवेदन पर आवश्यक कार्रवाई नहीं की जाती है, तो वे अपनी शिकायतों को वरीय अधिकारियों (आईजी, डीआईजी, एसपी) के पास दर्ज करा सकें।

▸ सभी एसएसपी और एसपी को जारी किया गया है निर्देश

डीजीपी ने पुलिस अधीक्षक और क्षेत्रीय पुलिस उप-महानिरीक्षक को भ्रमण के दौरान थानेदारों और थाने पर पदस्थापित मुंशी और अन्य कर्मियों को आम जनता के प्रति अच्छा व्यवहार करने के लिए प्रेरित करने का भी निर्देश दिया। डीजीपी ने इस संबंध में सीआईडी के आईजी और स्पेशल ब्रांच को निर्देश दिया कि प्रत्येक जिले में उनके इकाई से प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारियों और पुलिसकर्मियों को निर्देश दें कि वे जनता के साथ दुर्व्यवहार करने वाले पुलिसकर्मियों पर निगाह रखें। यदि इस तरह कोई दृष्टांत प्रकाश में आता है तो यथाशीघ्र वरीय अधिकारियों को अवगत कराएंगे, ताकि उनके स्तर से दुर्व्यवहार करने वाले पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कड़ी अनुशासनिक कार्रवाई की जा सके।

सत्र के पहले कांग्रेस को मिल जाएगा विधायक दल का नेता

नवीन मेल डेस्क

3 विधायकों के नाम पर हो रही है चर्चा

रांची। झारखंड विधानसभा सत्र की शुरूआत से पहले झारखंड प्रदेश कांग्रेस को विधायक दल का नेता मिल जाएगा। विधायक दल की बैठक पहले ही हो चुकी है और इस पद के लिए केंद्रीय नेतृत्व को अधिकृत कर दिया गया है। माना जा रहा है कि रविवार की रात अथवा सोमवार की सुबह तक विधायक दल के नेता का चयन कर लिया जाएगा। विधानसभा सत्र के पहले सीएम आवास में सत्ताधारी विधायकों की बैठक बुलाई गई है। वहीं दूसरी ओर भाजपा भी सत्र की रणनीति बनाने में जुट गई है।

कांग्रेस के विधायक दल के नेता के लिए प्रमुख तौर पर तीन लोगों के नाम चल रहे हैं, जिसमें प्रदीप यादव, डॉ. रामेश्वर उरांव और नमन विक्सल कोंगाड़ी के नाम शामिल हैं। प्रदीप यादव का लंबा अनुभव देखते हुए उन्हें विधायक दल का नेता बनाया जा सकता है। ऐसी स्थिति में कोंगाड़ी को विधायक दल का उप नेता बनाने की भी चर्चा है। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार इस पद के लिए प्रबल दावेदार पूर्व वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव भी हैं। उरांव को अभी कैबिनेट से मुक्त कर दिया गया है और इस कारण से उनकी नाराजगी भी संभव है। यही कारण है कि उन्हें विधायक दल का नेता बनाकर भरपाई की जा सकती है। जो भी हो, सोमवार तक परिणाम आने की पूरी संभावना है।

चाईबासा में नक्सलियों के खिलाफ ग्रामीणों ने छेड़ी जंग

कमांडर सहित 2 नक्सलियों की पीट-पीट कर हत्या

नवीन मेल संवाददाता

चाईबासा। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के गुदड़ी प्रखंड में प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स लिबरेशन फेडरेशन ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के एरिया कमांडर मोटा टाइगर और उसके एक साथी को स्थानीय ग्रामीणों ने पीट-पीटकर मार डाला है। इन दोनों के शव गुदड़ी थाना क्षेत्र के टोडेल-कोमाय जंगल के पास पड़े होने की सूचना है। घटना शुक्रवार शाम की है, लेकिन रविवार दिन 11 बजे तक इनके शव बरामद नहीं किए गए हैं।

▸ हथियारों से लैस 50 गांवों के लोग पीएलएफआई नक्सलियों की तलाश में जुटे

▸ नक्सलियों ने हाल के दिनों में गांवों में कई निर्दोष लोगों को निशाना बनाया था

शेष पेज 11 पर

नक्सलियों के आतंक से त्रस्त थे ग्रामीण

पीएलएफआई के नक्सलियों ने हाल के दिनों में गांवों में कई निर्दोष लोगों को निशाना बनाया था। 24 नवंबर को गिरू गांव में रवि तांती और सनसा टोपनो की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई थी। परिवार के अन्य सदस्यों ने भाग कर जान बचायी थी। इस घटना को अंजाम देने वालों में पीएलएफआई कमांडर मोटा टाइगर और गोमिया का नाम सामने आया था। इसी तरह 27 नवंबर की शाम को अज्ञात अपराधियों ने गोइलकेरा भरडीहा बाजार में सेरेंगदा गांव के युवक नमन लोमगा की पीट-पीट कर हत्या कर दी थी। गोइलकेरा थाना क्षेत्र सारुडा गांव से पिछले कई दिनों से लापता एक व्यक्ति की भी नक्सलियों द्वारा हत्या की आशंका जताई जा रही है। इन घटनाओं से आक्रोशित करीब 30 गांवों के लोगों ने दो दिन पहले एकजुट होकर बैठक की और नक्सलियों का मुकाबला करने का निर्णय लिया।

शेष पेज 11 पर

इंडिया

प्रशासनिक अधिकारियों के दिशानिर्देश से बदलेगी शिक्षा

आदिवासी बहुल गुमला जिले में भौगोलिक और अन्य कारणों से शिक्षा की स्थिति बहुत बहुत अच्छी नहीं है।

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

इस ज़िले में कार्यरत कई युवा या उत्साही उपायुक्तों ने पूर्व में विकास की गति तेज करने से लेकर पर्यटन विकास या सौंदर्यीकरण के लिए कई कार्य किए पर अभी एक अनूठा प्रयास किया जा रहा है ताकि बच्चों में शिक्षा के प्रति रुझान बढ़े। उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। 10वीं-12वीं बोर्ड के रिजल्ट में सुधार हो। इसके लिए अधिकारियों ने एक अच्छी शुरुआत की है।उपायुक्त से लेकर अंचल अधिकारीए रैंक के 96 अधिकारी गुमला के 140 स्कूलों में 10वीं-12वीं बोर्ड के बच्चों की सप्ताह में दो क्लास लेंगे। इसकी शुरुआत भी कर दी गई है। अधिकारियों के इस पहल से छात्र और उनके पैरेंट्स भी काफी उत्साहित हैं।डीसी कर्ण सत्यार्थी के नेतृत्व में 'सिकछा कर भेंट' (शिक्षा की भेंट) अभियान चलाया गया है। अभियान को लेकर बच्चे, अभिभावक और शिक्षक उत्साहित हैं। वे बोर्ड परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन की कोशिश में जुट गए हैं। जिले में अभियान का अच्छा रिजल्ट देखा जा रहा है। छात्रों के परीक्षा परिणाम में सुधार करने और उनकी शैक्षणिक क्षमता विकसित करने में यह सहायक और कारगर साबित हो रहा है।अधिकारियों के अनुसार 140 सरकारी स्कूल, अल्पसंख्यक व अनुदानित विद्यालय और इंटर कॉलेज में शिक्षा दी जा रही है। शिक्षा को प्रभावी बनाने की जिम्मेवारी डीसी, एसपी, डीडीसी सहित जिला व प्रखंड के पुलिस-प्रशासन के 96 अधिकारियों को सौंपी गई है। अधिकारी रूटीन के अनुसार अपने क्षेत्र के स्कूलों में जाते हैं। वे छात्रों का मार्गदर्शन करते हैं। 2025 की बोर्ड की परीक्षा में शत-प्रतिशत बच्चे सफल रहें इसकी तैयारी कराई जा रही है।डीसी कर्ण सत्यार्थी खुद स्कूलों का निरीक्षण कर छात्रों से बात कर उन्हें मिलने वाली सुविधाओं का जायजा ले रहे हैं। छात्रों को लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। डीसी ने कहा कि जिला प्रशासन 10वीं और 12वीं परीक्षा के परिणाम को लेकर गंभीर है। 'सिकछा कर भेंट' अभियान बच्चों के सुनहरे भविष्य निर्माण के लिए सार्थक प्रयास है।इससे स्कूलों में गुणात्मक शिक्षा सुनिश्चित की जा रही है। अभियान को सफल और प्रभावी बनाने और परीक्षा में बच्चों के बेहतर प्रदर्शन के लिए नियमित समीक्षा की जा रही है। वैसे स्कूलों को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है, जिनका परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन होगा। जहां बच्चे शत-प्रतिशत सफल होंगे। ऐसे स्कूलों को प्राथमिकता के आधार पर विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जाएगा।भारत के साथ झारखंड में शिक्षा के क्षेत्र में अनेक प्रयास हुए पर उनमें एक कमी रही कि शिक्षकों की गुणवत्ता में लगातार गिरावट आती गई क्योंकि अंक के आधार पर शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में नामांकन के बाद या पैरवी के आधार पर शिक्षक बने लोगों में वो प्रेरणा के तत्व नहीं थे जो आज के बच्चों को स्वप्नद्रष्टा बना सके जबकि प्रशासनिक सेवाओं की पृष्ठभूमि से आए युवा अधिकारी अपनी ऊर्जा और बौद्धिकता से यह बखूबी कर सकते हैं । यह प्रयोग सफल रहा तो एक मॉडल बन सकता है और इससे शिक्षक भी उत्साहित हो सकते हैं जो सचमुच कुछ करना चाहते हैं या शौक से शिक्षक के सम्मानित पेशे में आए हैं ।

केरल के पादरी जॉर्ज जैकब कूवाकड बने कार्डिनल, प्रधानमंत्री ने दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 51 वर्षीय पादरी जॉर्ज जैकब कूवाकड को पोप फ्रांसिस द्वारा कार्डिनल बनाए जाने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने इस संबंध में अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर पोस्ट किया। अपने पोस्ट में उन्होंने कहा, यह भारत के लिए बड़े गर्व और खुशी की बात है। उन्होंने अपने पोस्ट में आगे कहा, पोप फ्रांसिस द्वारा जॉर्ज जैकब कूवाकाड को पवित्र रोमन कैथोलिक चर्च का कार्डिनल बनाए जाने पर प्रसन्नता हुई।

शेष पेज 11 पर

सीएम ने पूर्व स्पीकर रवींद्र नाथ के पिता के निधन पर जताया शोक

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सीएम ने पूर्व स्पीकर रवींद्र नाथ महतो के पिता के निधन पर शोक जताया है। सीएम ने अपने सोशल मीडिया 'एक्स' पर रविवार को ट्वीट कर कहा है कि झामुमो के वरिष्ठ नेता और नाला से विधायक रवींद्र नाथ महतो के पिता गोलक बिहारी महतो के निधन की दुःखद सूचना मिली। मरांगबुरु दिवगंत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुःख की यह विषम घड़ी सहन करने की शक्ति और साहस दें।

विस सत्र के दौरान सुरक्षा के रहेंगे पुख्ता इंतजाम

नवीन मेल संवाददाता

रांची। विधानसभा सत्र नौ दिसंबर से शुरू हो रहा है, जो 12 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की चूक ना हो, इसको लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था में चार आईपीएस, 12 से अधिक डीएसपी रैंक के अधिकारी सहित 2000 अतिरिक्त पुलिस जवान की तैनाती की गई है।

ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए हर ट्रैफिक पोस्ट पर भी अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है, जिससे आवागमन में लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने रविवार को बताया कि विधानसभा सत्र को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है।

उल्लेखनीय है कि गत 6 दिसंबर को प्रोटेम स्पीकर स्टीफन मरांडी ने अपने कार्यालय कक्ष में विधानसभा सत्र को लेकर विभागों के वरीय पदाधिकारी के साथ उच्च स्तरीय बैठक की थी। प्रोटेम स्पीकर ने राज्य के मुख्य सचिव सहित अन्य विभागों के संबंधित पदाधिकारियों को कई दिशा-निर्देश दिए थे।

विस परिसर के 200 मीटर परिधि में रहेगी निषेधाज्ञा

षष्ठम झारखंड विस का प्रथम सत्र 9 से 12 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान रांची डीसी और एसएसपी के संयुक्तादेश पर विस परिसर के 200 मीटर के दायरे में किसी तरह के जुलूस, रैली, प्रदर्शन और घेराव आदि आयोजित नहीं किए जा सकेंगे। सुरक्षा के दृष्टिकोण से सदर एसडीओ ने बीएनएसएस की धारा-163 के तहत झारखंड विधानसभा परिसर के 200 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा जारी की है। यह निषेधाज्ञा 9 दिसंबर की सुबह 08:00 बजे से 12 दिसंबर की रात 10:00 बजे तक के लिए लागू रहेगा। इस दौरान उस क्षेत्र में पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों का एक जगह जमा होने, किसी प्रकार का अस्त्र-शस्त्र जैसे- बंदूक, राइफल, रिवाल्वर, पिस्टल, बम, बारूद आदि लेकर निकलने, किसी प्रकार का धरना-प्रदर्शन, घेराव, जुलूस, रैली या आमसभा का आयोजन करने के साथ किसी प्रकार का ध्वनि विस्तारक यंत्र का व्यवहार करना वर्जित रहेगा।

न्यूज बॉक्स

झारखंड सरकार के मंत्री ने राजद अध्यक्ष लालू से की मुलाकात

रांची। झारखंड के श्रम और उद्योग विभाग के मंत्री संजय प्रसाद यादव ने पदभार संभालने के बाद रविवार को राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव से मुलाकात की। साथ ही, मंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और बिहार में विपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव से भी मुलाकात कर आशीर्वाद लिया और विचार-विमर्श किया। लालू परिवार के नेताओं ने संजय प्रसाद यादव को राज्य हित और जनहित में काम करने की नसीहत देते हुए कहा कि निष्ठा और ईमानदारी पूर्वक गरीबों के उत्थान के लिए काम करें। गांव-गांव जाकर गरीबों के दुख-दर्द को समझें और उनकी समस्याओं का तुरंत समाधान करें। उन्होंने कहा कि राज्य, समाज और देश के विकास के लिए हमेशा अग्रसर रहना होगा एवं काम के माध्यम से विरोधियों को जबाव देना होगा। संजय प्रसाद यादव के साथ राजद के मुख्य प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार ने भी मुलाकात कर मार्गदर्शन प्राप्त किया।

राज्य के विकास लिए अंतिम व्यक्ति तक राजनीतिक चेतना जरूरी : राजेंद्र

रांची। रांची स्थित ग्रैंड अकेजन बैंक्वेट हॉल में रविवार को राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व सदस्य राजेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं प्रशासनिक कार्य को लेकर बैठक हुई। बैठक में विभिन्न जिलों के प्रतिनिधि शामिल हुए। राजेंद्र प्रसाद ने किसी भी समाज के विकास के लिए अंतिम व्यक्ति तक राजनीतिक चेतना पहुंचे, यह प्रयास सभी से करने को कहा। प्रसाद ने कहा कि बहुत जल्द राज्य भर से समाजिक चेतना को लेकर रांची में एक विचार गोष्ठी आयोजित किया जाएगा। समाज के प्रबुद्ध जन एकत्रित हुए विभिन्न मुद्दों पर परिचर्चा हुई। बालेश्वर साहू ने सामाजिक कल्याण के लिए इस बैठक के आयोजन पर प्रकाश डाला। परिचर्चा में विभिन्न जिलों से प्रतिनिधि उपस्थित हुए। इसमें बालेश्वर साहू, शेखर गुप्ता, विजय साहू, रौशन साहू, रामबालक साहु, पंकज कुमार कश्यप, प्रकाश साहु, शेखर कुमार, धर्मेंद्र कुमार, पीयूष कुमार सहित कई गण्यमान्य लोग शामिल हुए। बैठक में भविष्य में एक राज्य स्तरीय सामाजिक महासम्मेलन करने पर विचार पर विमर्श किया गया। बैठक में हजारीबाग, जमशेदपुर, लातेहार, चतरा, धनबाद, सिमडेगा, रांची एवं रामगढ़ जिले के लोग मौजूद थे।

बैंक ऑफ इंडिया ऑफिसर्स एसोसिएशन ने बैंकों के निजीकरण का किया विरोध

रांची। बैंक ऑफ इंडिया ऑफिसर्स एसोसिएशन, झारखंड राज्य इकाई का 20वां वार्षिक अधिवेशन रविवार को रांची के बरियातू स्थित रिम्स ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। इसकी अध्यक्षता अमित कुमार ने की। महासचिव प्रकाश उरांव ने देश के कोने-कोने से आए बैंक ऑफ इंडिया ऑफिसर्स एसोसिएशन के शीर्ष नेताओं का स्वागत किया। उन्होंने सभी साथियों से एकजुटता की अपील की। इस अधिवेशन में फेडरेशन ऑफ बैंक ऑफ इंडिया ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नागेवर ने वर्तमान में बैंकिंग माहौल में हो रहे तकनीकी बदलावों के बारे में बताया। उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण के बारे में सरकार की नीति का विरोध किया। बैंक ऑफ इंडिया ऑफिसर्स एसोसिएशन, बिहार राज्य इकाई के महासचिव नीलेश पवार ने पांच दिवसीय बैंकिंग और कार्य-जीवन संतुलन तथा बैंक ऑफ इंडिया द्वारा अपने अधिकारियों को दी जा रही सुविधाओं के बारे में बात की। मौके पर गणेश पांडे, महासचिव, बैंक ऑफ इंडिया ऑफिसर्स एसोसिएशन, ओडिशा राज्य इकाई कमलजीत महापात्रा, अध्यक्ष, बैंक ऑफ इंडिया ऑफिसर्स एसोसिएशन, झारखंड राज्य इकाई ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

हम जनता के हक के लिए संघर्ष जारी रखेंगे : सुदेश महतो

रांची। आजसू पार्टी के अध्यक्ष सुदेश महतो ने रविवार को कहा कि हम जनादेश का सम्मान करते हैं। परिणाम भले हमारे पक्ष में नहीं रहे, लेकिन हम जनता के हक, अधिकार और स्वाभिमान की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेंगे। महतो हरमू स्थित केंद्रीय कार्यालय में आयोजित झारखंड विधानसभा चुनाव-2024 के परिणाम की समीक्षा बैठक के दौरान बोल रहे थे। बैठक में पार्टी के संसदीय बोर्ड के सदस्य और विधानसभा चुनाव के प्रत्याशियों को संबोधित करते हुए सुदेश महतो ने कहा कि जनहित से जुड़े सकारात्मक मुद्दों में हम सरकार के साथ खड़े रहेंगे, लेकिन जहां भी जनविरोधी निर्णय आएंगे, वहां हम धारदार विपक्ष की भूमिका निभाएंगे। यह चुनाव इंडी गठबंधन ने विकास के आधार पर नहीं, बल्कि जातीय ध्रुवीकरण के आधार पर लड़ा है। जातीय ध्रुवीकरण ही इस गठबंधन का आधार है। हमारे गठबंधन के साथियों के साथ समन्वय स्थापित न होना भी इस अप्रत्याशित परिणाम का कारण रहा। महतो ने कहा कि आजसू के सभी कार्यकर्ता पूर्व की तरह जनता के बीच जाएंगे। उनके बीच उनके लिए काम करेंगे और यदि सरकार अपने वादों पर पिछड़ों को 27 प्रतिशत आरक्षण तथा 1932 के खतियान आधारित स्थानीय नीति, युवाओं के लिए रोजगार, विधवा पेंशन और दिव्यांग यक्तियों के लिए वित्तीय सहायता बढ़ाकर 2500 करने तथा जातीय जनगणना के मुद्दे पर प्रभावी ढंग से आगे बढ़ते नहीं दिखेगी, तो हम इन मुद्दों का जनता को फिर से गोलबंद करेंगे तथा मूलवासी, झारखंडी एवं पिछड़ों के हित में सामाजिक एवं राजनीतिक लड़ाई को अपने मुकाम तक पहुंचाएगी।

झारखंड में 22 दिसंबर से शुरू होगा भाजपा का सदस्यता अभियान, बोलीं डी पुरंदेश्वरी

भाजपा सदस्यता अभियान नहीं, संगठन पर्व है

- *15 और 16 दिसंबर को सभी जिलों में होगी जिला स्तरीय कार्यशाला*
- *18 और 19 दिसंबर को सभी मंडल भी करेंगे कार्यशाला आयोजित*
- *25 दिसंबर को वाजपेयी की जयंती पर होगा विशेष सदस्यता कार्यक्रम*

नवीन मेल संवाददाता

रांची। विधानसभा चुनाव के कारण झारखंड में स्थगित पार्टी का सदस्यता संगठन महापर्व अब 22 दिसंबर से विधिवत प्रारंभ होगा। इसके पूर्व पार्टी ने रविवार को नगड़ी रांची स्थित स्वर्णरेखा बैंक्वेट हॉल में प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें पार्टी के प्रदेश संगठन प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी, प्रदेश सदस्यता अभियान की प्रभारी सांसद डी पुरंदेश्वरी, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी सहित प्रदेश पदाधिकारी, सांसद, विधायक, प्रमंडल प्रभारी, सदस्यता महापर्व की प्रदेश टोली, सभी सात मोर्चों के प्रदेश पदाधिकारी, जिला प्रभारी, जिलाध्यक्ष, सदस्यता महापर्व की जिला टोली, जिला सदस्यता प्रभारीगण शामिल हुए।

कार्यशाला में पीपीटी के माध्यम से सदस्यता दिलाने की चरणबद्ध तरीकों को समझाया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह ने और धन्यवाद ज्ञान सदस्यता महापर्व के प्रदेश संयोजक राकेश प्रसाद ने किया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए झारखंड की सदस्यता प्रभारी एवं आंध्र प्रदेश की प्रदेश अध्यक्ष सांसद डी पुरंदेश्वरी ने कहा कि भाजपा का सदस्यता कार्यक्रम अभियान नहीं, बल्कि संगठन महापर्व है। भाजपा यह संगठन महापर्व अन्य पर्व की तरह अपने विशाल परिवार के साथ मनाती है। उन्होंने कहा कि आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। पार्टी ने वर्ष 2014 में ऑनलाइन के माध्यम से सदस्यता कार्यक्रम को प्रारंभ किया था, जिसमें पूरे देश में 9 करोड़ सदस्य बने थे। आज चार राज्यों जम्मू कश्मीर, महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड को छोड़कर, जिसमें विधानसभा चुनाव के कारण सदस्यता कार्यक्रम स्थगित था, के बावजूद पार्टी ने अबतक देश भर में 11 करोड़ के लक्ष्य को पार करते हुए 11.35 करोड़ सदस्य बना लिए हैं। उन्होंने कहा कि चार राज्यों में सदस्यता अभियान पूरा होने के बाद यह संख्या 14 करोड़ तक जा सकती है।

पुरंदेश्वरी ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता, जो ठान लेते हैं उसे पूरा कर दिखाते हैं। कहा कि भाजपा विचारों और कार्यकताओं की धनी पार्टी है। हमारे पास देश के लिए जीने-मरने का जज्बा है। विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय हमारे नेता के नेतृत्व में देश निरंतर आगे बढ़ रहा है। कहा कि सदस्यता पर्व के माध्यम से हम प्रत्येक बूथ के प्रत्येक घर तक पहुंचना है।

प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि लोकतंत्र के पर्व के बाद अब पार्टी संगठन महापर्व में जुट गई है। संगठन महापर्व का लक्ष्य सर्वस्पर्शी, सर्वव्यापी और सर्व समावेशी भाजपा का निर्माण है। उन्होंने कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव में जनता ने पार्टी को पूरा आशीर्वाद दिया है। भले हम विधानसभा चुनाव में संख्या बल में पीछे रह गए, लेकिन 59 लाख लोगों का समर्थन भाजपा को मिला है।

बाबूलाल ने कहा कि चुनाव एक पड़ाव है, लेकिन हम जनता के बीच बार-बार जाएंगे। अपने नीतियों कार्यक्रमों के माध्यम से जाएंगे। सर्वस्पर्शी सर्वव्यापी और सर्वसमावेशी भाजपा ही विकसित झारखंड का आधार है।

कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रवींद्र कुमार राय ने कहा कि सदस्यता संगठन महापर्व के माध्यम से हमें प्रदेश भर में भाजपा की नई राजनीतिक सुगंध को पहुंचाना है। कहा कि यह पर्व लोकसंग्रह और शक्ति संचय का भी पर्व है। उन्होंने सदस्यता के लिए सभी वर्ग, समाज और प्रबुद्ध जनों तक जाने का आह्वान किया। कहा कि सभी मोर्चा अपने अपने क्षेत्रों में इसका विशेष ध्यान रखें, तो काफी सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे।

क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा की विचार यात्रा भारतीय विचारों से परिपूर्ण है, जबकि समाजवाद, पूंजीवाद, साम्यवाद जैसे विचार विदेशी प्रभाव से प्रभावित है। कहा कि विकसित भारत का संकल्प भारत को गरीबी, अशिक्षा, कुपोषण को दूर करके ही पूरा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि एकात्म मानव दर्शन अंत्योदय का चिंतन और कार्यान्वयन ही विकसित भारत बनाने में सहायक है। प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने पीपीटी के माध्यम से सदस्यता महापर्व के कार्यक्रमों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रदेश के तर्ज पर आगामी 15 एवं 16 दिसंबर को सभी जिलों में कार्यशालाएं आयोजित होंगी, जिसमें प्रदेश से नेता शामिल होंगे, जबकि 18 और 19 दिसंबर को सभी 515 मंडलों में कार्यशाला का आयोजन होगा। उन्होंने कहा कि 22 दिसंबर को सदस्यता महापर्व का विधिवत शुभारंभ होगा। 25 दिसंबर को झारखंड निमार्ता श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर प्रदेश भर में सदस्यता के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे।

भाजपा कार्यकर्ता जानते हैं चुनौतियों को अवसर में बदलने का हुनर : लक्ष्मीकांत

प्रदेश प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता चुनौतियों को अवसर में बदलने का हुनर जानते हैं। कहा कि यह सदस्यता महापर्व का कार्यक्रम मजबूत और संघर्षशील भाजपा बनाने का अवसर है। यह पर्व कार्यकर्ताओं का समाज से संपर्क, संबंध बढ़ाने का अवसर है। यह पर्व नए नेतृत्व को भी गढ़ता है।

मंईयां सम्मान योजना में स्थिति का अविलंब संज्ञान लें सीएम : मरांडी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि प्रदेश की माताएं-बहनें मंईयां सम्मान योजना में हो रही लापरवाहियों से सशंकित हैं। चार महीनों से लंबित किस्त का भुगतान नहीं होने से इन महिलाओं का धैर्य अब जवाब देने लगा है। फॉर्म भरने और जानकारी प्राप्त करने के लिए अंचल कार्यालयों में जाने वाली महिलाओं को अव्यवस्था और लचर प्रणाली का शिकार होना पड़ रहा है। मरांडी ने रविवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर ट्वीट कर कहा है कि इस लचर रवैये ने सरकार की मंशा पर गंभीर प्रश्न चिह्न खड़ा कर दिया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अविलंब स्थिति का संज्ञान लें और चार महीनों के लंबित किस्त भुगतान को सुनिश्चित करने के साथ मंईयां सम्मान योजना की प्रक्रिया को सरल बनाएं, ताकि माताएं-बहनें आसानी से योजना का लाभ प्राप्त कर सकें।

सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा, लचर रवैये से सरकार की मंशा पर गंभीर प्रश्न चिह्न

प्रोटेम स्पीकर ने विस अध्यक्ष के पिता के निधन पर जताया शोक

रांची। झारखंड विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर प्रो स्टीफन मरांडी ने विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो के पिता गोलक बिहारी महतो के निधन पर शोक प्रकट किया है। गोलक बिहारी महतो 87 वर्ष के थे। उनका स्वर्गवास रविवार को सुबह 7:33 बजे हुआ। स्टीफन मरांडी ने कहा, मैं प्रार्थना करता हूं कि इस दुख की घड़ी में ईश्वर उनके परिजनों को संबल प्रदान करें और दिवंगत आत्मा को शांति दें।

निजी हॉस्पिटल को मरीज की मौत के बाद बिना बिल भुगतान के सौंपना होगा शव

नवीन मेल संवाददाता

रांची। स्वास्थ्य मंत्री बनते ही डॉ इरफान अंसारी एक्शन में आ गए हैं। रविवार को उन्होंने धनबाद में ऐलान किया कि अगर निजी हॉस्पिटल में इलाज के दौरान अगर किसी मरीज की मौत हो जाती है, तो बिना बिल चुकाए शव उसके परिजनों को सौंपना होगा। अगर निजी हॉस्पिटल के संचालक ऐसा नहीं करते हैं, तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए विभाग की ओर से हर जिले के डीसी और एसपी को पत्र भी भेजा जाएगा। इरफान अंसारी कहा कि निजी हॉस्पिटल स्वास्थ्य के साथ व्यवसाय करने लगे हैं। इस पर हर हाल में रोक लगाई जाएगी।

एक्शन में डॉ इरफान

उन्होंने कहा कि फर्जी डॉक्टरों पर भी कार्रवाई की जाएगी। सरकारी हॉस्पिटल को दिल्ली से भी बेहतर बनाया जाएगा।

पुलिस महानिदेशक ने चाईबासा में की नक्सल विरोधी अभियान

नक्सलियों को सहायता देने वाले लोगों को चिह्नित कर कार्रवाई करें : डीजीपी

नवीन मेल डेस्क

रांची/चाईबासा (पश्चिमी सिंहभूम)। राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता ने रविवार को पश्चिमी सिंहभूम जिले के मुख्यालय चाईबासा में नक्सल विरोधी अभियान की समीक्षा की। साथ ही, नक्सलियों और अतिवादी संगठनों के सफाए की रणनीति पर भी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बात की।

डीजीपी ने समीक्षा बैठक के दौरान चाईबासा एसपी, डीआईजी और अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ नक्सलियों और उग्रवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान, सरेंडर पॉलिसी आदि पर चर्चा की और कई दिशा-निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अफसरों को निर्देश दिया गया कि नक्सलियों के साथ-साथ उन्हें सहायता प्रदान करने वाले लोगों को चिह्नित कर उनके खिलाफ कार्रवाई करें। राज्य में करीब तीन दशकों के बाद चुनाव में नक्सली हिंसा की एक भी घटना नहीं हुई और डीजीपी ने बैठक में इसके लिए सुरक्षा बलों और पुलिस के अफसरों एवं जवानों को बधाई दी।

बैठक के बाद डीजीपी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि नक्सलियों का पूरे देश से सफाया हो रहा है। ग्रामीण भी अब जागरूक हो गए हैं। वे नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई में पुलिस की मदद कर रहे हैं। राज्य में कुल 65 नक्सलियों और उग्रवादियों की पहचान कर उनके खिलाफ नए सिरे से इनाम की घोषणा की गई है। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा कि राज्य में 95 प्रतिशत नक्सल समस्या का समाधान हो चुका है, जो पांच प्रतिशत समस्या बचा है, चाईबासा जिले में है, जिसे समाप्त करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि जल्द से जल्द झारखंड को नक्सल मुक्त कर दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा है कि लंबे समय से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पदस्थापित पुलिस कर्मियों का वहां से स्थानांतरण किया जाएगा।

झामुमो रांची जिला अध्यक्ष का कार्यकाल 18 को होगा समाप्त

नई कमेटी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलूंगा : मुश्ताक आलम

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के जिला अध्यक्ष मुश्ताक आलम का कार्यकाल आगामी 18 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। यह जानकारी उन्होंने चुनावी समीक्षा बैठक के दौरान दी। उन्होंने कहा कि अपने जिला अध्यक्ष के कार्यकाल में संगठन को बुलंदी तक पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। संगठन के बारे में बताते हुए कहा कि संगठन में अभिभावक के रूप में कार्य किया हूं, कभी-कभी कड़ाई करनी पड़ी है। कभी समझाया, कभी डांटा, हमेशा संगठन के हित में निर्णय लिया हूं। खून-पसीने से संगठन को सींचने में कभी पीछे नहीं हटा हूं।

'राष्ट्रीय नवीन मेल' के संवाददाता ने उनसे 18 दिसंबर 2024 को कार्यकाल समाप्त होने के संबंध में पूछा, तो उन्होंने कहा कि पार्टी ने मुझे जो भी जिम्मेवारी दी है, उसे मैंने पूरी लगन और निष्ठा से पूरा किया है। जिले के 18 प्रखंडों के हर पंचायत में झारखंड मुक्ति मोर्चा का परचम लहरा रहा है। उन्होंने कहा, मैं कुछ नही हूं, जिले के सभी मोर्चे और सभी पदाधिकारियों के टीम वर्क के कारण यह हो सका है। कार्यकाल समाप्त होने के बाद केंद्रीय नेतृत्व जिसे भी जिला अध्यक्ष की जिम्मवारी दे, वे संगठन को और आगे बढ़ाएं। यह पूछे जाने पर कि नई कमेटी के लिए क्या संदेश देंगे, उन्होंने कहा कि नई कमेटी को मेरी शुभकामनाएं रहेंगी, नई कमेटी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलूंगा। जिस प्रकार पिछले 40 वर्षों से झामुमो का कार्यकर्ता बनकर कार्य किया हूं, आगे भी करता रहूंगा। झारखंड मुक्ति मोर्चा का था, हूं और मरते दम तक रहूंगा।

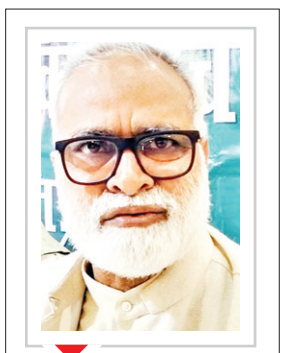

कहा, झारखंड मुक्ति मोर्चा का था, हूं और मरते दम तक रहूंगा

व्हाट्सएप नंबर 9430328080 पर प्राप्त शिकायतों की हुई समीक्षा

व्हाट्सएप नंबर का प्रचार-प्रसार पंचायत स्तर तक करें : उपायुक्त

- रांची डीसी ने की गई कार्रवाई की जानकारी ली
- पदाधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश
- मंईयां सम्मान से संबंधित आधी से अधिक शिकायत निष्पादित

नवीन मेल संवाददाता

शिकायतों के तत्काल समाधान के लिए
व्हाट्सएप नंबर - 9430328080

रांची। उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजंत्री ने जिले में लोगों की शिकायतों के तत्काल समाधान के लिए जारी व्हाट्सएप नंबर 9430328080 पर प्राप्त शिकायतों और उनके निष्पादन की रविवार को समीक्षा की। समाहरणालय स्थित उपायुक्त सभागार में आयोजित बैठक में सभी जिलास्तरीय पदाधिकारी, जिला के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी/अंचल अधिकारी एवं अन्य संबंधित विभागीय पदाधिकारी उपस्थित थे। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने आमजनों की शिकायतों के तत्काल समाधान के लिए जारी व्हाट्सएप नंबर 9430328080 पर प्राप्त शिकायतों की विभागावार समीक्षा की। संबंधित विभाग के पदाधिकारी से शिकायत के निष्पादन के लिए की गई कार्रवाई की जानकारी लेते हुए उपायुक्त ने आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिए।

व्हाट्सएप नंबर 9430328080 पर झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से संबंधित कुल 80 शिकायते प्राप्त हुईं, जिनमें 42 का निष्पादन कर दिया गया। शेष 38 के निष्पादन के लिए अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि व्हाट्सएप नंबर का प्रचार-प्रसार पंचायत स्तर तक करें, ताकि सुदूर ग्रामीण क्षेत्र के लोग अपनी शिकायत जिला प्रशासन तक पहुंचा सकें।

अबुआ आवास योजना से संबंधित प्राप्त शिकायतों के निष्पादन की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी बीडीओ को योजना अंतर्गत आवास की पूर्णतः पर फोकस करने का निर्देश दिया। उन्होंने इस संबंध में सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) को प्रतिवेदन उपलब्ध कराने को कहा है। मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि अच्छी संख्या में योजना अंतर्गत आवास पूर्ण होने पर लाभुकों का सामूहिक गृह प्रवेश कराया जाएगा। समीक्षा के दौरान उपायुक्त भजंत्री ने माइनिंग के संबंध में प्राप्त शिकायतों की भी जानकारी जिला खनन पदाधिकारी से ली। जिला खनन पदाधिकारी को निर्देश देते हुए उपायुक्त ने कहा कोई भी मामला अवैध हो तो नियमसंगत कार्रवाई करें। उन्होंने अवैध खनन के खिलाफ अभियान चलाने का निर्देश दिया। रांची नगर निगम से संबंधित शिकायतों की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने लाइट, साफ-सफाई, फॉगिंग, अवैध पार्किंग, स्ट्रीट लाइट से संबंधित सभी शिकायतों के निष्पादन के निर्देश दिए।

जनता से सीधे जुड़ें पदाधिकारी : डीसी

उपायुक्त (डीसी) मंजूनाथ भजंत्री ने सभी पदाधिकारियों को जनता से सीधे जुड़ने का निर्देश दिया है। प्रखंड एवं अंचल स्तर पर उन्होंने संबंधित बीडीओ/सीओ को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सभी कर्मी ससमय कार्यालय में उपस्थित रहें। बाहरी व्यक्तियों का कार्यालय में जमावड़ा नहीं हो, यह हर हाल में सुनिश्चित करें। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने सभी पदाधिकारियों से कहा कि किसी भी प्रकार की शिकायत आए, तो उसके निष्पादन के लिए अग्रेतर कार्यवाही सुनिश्चित करें।

क्लैट 2025 में डीपीएस रांची के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

संस्कृति पाठक ऑल इंडिया रैंक 34 के साथ बनीं स्टेट की टॉपर

- प्रभव शानू को 183वां और ईश बसु को 664वां स्थान प्राप्त हुआ

नवीन मेल संवाददाता

संस्कृति पाठक

ईश बसु

प्रभव शानू

रांची। डीपीएस रांची के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी शैक्षणिक क्षमता का प्रदर्शन किया है, जिसमें कई छात्रों ने कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (क्लैट) 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस अवसर पर संस्कृति पाठक ऑल इंडिया रैंक 34 हासिल किया एवं स्टेट टॉपर बनीं। इसी के साथ ही, अन्य छात्रों ने भी उल्लेखनीय रैंक हासिल करके अपनी कानूनी योग्यता और विश्लेषणात्मक क्षमताओं का प्रदर्शन किया। क्वालीफायर में प्रभव शानू (एआईआर 183), ईश बसु (एआईआर 664), अक्षत जैन (एआईआर 1832), सावनजीत (एआईआर 1932), मयंक राज (एआईआर 6835), सुधिष्णा शर्मा (एआईआर 7147), अर्चिता मीनल भेंगराज (एआईआर 9754) और सृष्टि खत्री (एआईआर 17202), आद्रिका प्रवीण (एआईआर 33279) आदि शामिल हैं। इस प्रतिष्ठित परीक्षा में डीपीएस के 20 से अधिक छात्रों ने सफलता प्राप्त की है, क्योंकि सफल विद्यार्थियों की सूची अभी भी जारी है। ये प्रतिभाशाली विद्यार्थी अब विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय लॉ कॉलेजों में अपनी शैक्षणिक यात्रा शुरू करने के लिए तैयार हैं, जो कानून के क्षेत्र में आशाजनक करियर की नींव रखेंगे।

छात्रों को उनके असाधारण प्रदर्शन पर बधाई देते हुए डॉ आरके झा, डीपीएस रांची के प्राचार्य ने कहा, यह उपलब्धि हमारे छात्रों के समर्पण और कड़ी मेहनत का प्रमाण है। मुझे विश्वास है कि वे कानूनी क्षेत्र में अपने लिए एक जगह बनाएंगे एवं विद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

संत जोसेफ क्लब में मनाया गया पल्ली दिवस

रांची। पुरुलिया रोड स्थित संत जोसेफ क्लब में रविवार को पल्ली सांस्कृतिक समिति के बैनर तले पल्ली दिवस मनाया गया। आर्चबिशप विसेंट आइंद कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। मौके पर आर्चबिशप विसेंट आइंद ने कहा कि आदिवासी संस्कृति में लोग हाथ में हाथ डाल कर मांदर, छांझ,और ताली बजाकर नाचते हैं। यह आदिवासी संस्कृति है। इसमें खुशी मनाया जाना सामुदायिक एकता का प्रतीक है। सामुदायिकता में ही सहभागिता है। एक-दूसरे की साझीदारी से पल्ली आगे बढ़ा है। इसी रूप में पल्ली रहे, तो हर समय पल्ली आदर्श रहेगा।

इससे पहले, कार्यक्रम की शुरुआत फादर प्रफुल्ल टोप्पो की अगुवाई में परमेश्वर की आराधना से हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के अलावा पल्ली पुरोहित आनंद डेविड खलखो, फादर जार्ज, फादर दीपक बाडा, फादर नीलम तीडु, फादर नीरज कंडुलना,फादर रोबिन प्रफुल्ल टोप्पो, कैथोलिक सभा अध्यक्ष अजय कच्छप, केथोलिक महिला संघ की अध्यक्ष फ्रांसिस्का खलखो,पल्ली सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष पीटर मिंज, अभिषेक सागर लकड़ा समेत कई लोग शामिल हुए। पल्ली दिवस में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. उसुर्लाइन कान्वेंट स्कूल, मधुकम, कोनका सिरम टोली, पत्थलकुदुवा, फतिमा नगर, चुनुवा टोली,अलबर्ट कंपाउंड, ढुमसा टोली, हिदपीढ़ी की युवा मंडली ने सुंदर आदिवासी नृत्य प्रस्तुत किए।

भाजपा विधायक दल की हुई बैठक

जनमुद्दों पर सदन से सड़क तक मुखर रहेगी भाजपा : बाबूलाल

- संगठन महापर्व में विधायक बढ़-चढ़कर योगदान दें

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश कार्यालय में रविवार को पार्टी के नवनिर्वाचित विधायक दल की बैठक प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रवींद्र कुमार राय, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित विधायक सीपी सिंह, नवीन जायसवाल, राज सिन्हा, नीरा यादव, अमित कुमार यादव, मनोज यादव, रौशनलाल चौधरी, प्रदीप प्रसाद, कुमार उज्ज्वल, नागेंद्र महतो, मंजू कुमारी, रागिनी सिंह, शत्रुघ्नमहतो, पूर्णिमा साहू, देवेंद्र कुंवर, आलोक चौरसिया, शशिभूषण मेहता, प्रकाश राम, सत्येंद्र तिवारी उपस्थित थे।

नवनिर्वाचित विधायक को प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रवींद्र कुमार राय एवं संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने पार्टी का पटका पहनाकर स्वागत किया। बैठक के बाद मीडिया ब्रीफिंग करते हुए प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा विधायक पार्टी के चेहरा होते हैं। उन्हें जनता की अपेक्षाओं पर भी खरा उतरना है, साथ ही जनमुद्दों पर सदन से सड़क तक संघर्ष भी करना है। कहा कि भाजपा विधायक एक सशक्त प्रतिपक्ष की भूमिका निभाएंगे। प्रथम सत्र तो संवैधानिक प्रक्रियाओं को पूरा करने में ही समाप्त होगा।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा राज्य के विकास के मुद्दों पर सरकार को बाध्य करती रहेगी। राज्य में विकास के साथ विधि व्यवस्था, बेरोजगारी, महिला सम्मान, भ्रष्टाचार पर सड़क से सदन तक लड़ेगी। कहा कि पार्टी के विधायक की भूमिका संगठन पर्व में भी महत्वपूर्ण है। सभी विधायक अपनी भागीदारी बढ़-चढ़ कर सुनिश्चित करें।

नेहरू युवा केंद्र व एल्युमनी एसोसिएशन मारवाड़ी कॉलेज ने किया पौधरोपण

नवीन मेल संवाददाता

रांची। नेहरू युवा केंद्र, रांची (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार) ने एल्युमनी एसोसिएशन मारवाड़ी कॉलेज, विवेकानंद यूथक्वेक फाउंडेशन के सहयोग से रविवार को कलाकृति स्कूल ऑफ आर्ट्स के साथ 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें 50 पौधे लगाए गए। कार्यक्रम नेहरू युवा केंद्र, रांची के जिला युवा अधिकारी के निर्देश पर किया गया। कार्यक्रम में अतिथि समाज सेवी दीपक सिंह, एल्युमनी एसोसिएशन मारवाड़ी कॉलेज के अध्यक्ष गौरव मित्तल, कलाकृति के निदेशक धनंजय कुमार और कलाकृति स्कूल ऑफ आर्ट्स के बच्चों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के सभी लोगो ने पौधों के संरक्षण के लिए शपथ ली। साथ ही, युवाओं को बताया गया कि पर्यावरण के संरक्षण के लिए पौधे लगाना और बचाना अत्यंत जरूरी हैं। कार्यक्रम में श्रवण कुमार, पुरुषोत्तम, आशिफ, रोहित कुमार एवं अन्य सदस्य का योगदान रहा।

आसक्ति की डोरों से बंधा मानव पथ भ्रष्ट हो गया है : निर्मला बहन

- प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के चौधरी बगान केंद्र में हुआ आध्यात्मिक प्रवचन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के स्थानीय सेवा केंद्र चौधरी बगान, हरमू रोड में रविवार को आध्यात्मिक प्रवचन प्रारंभ करते हुए ब्रह्माकुमारी निर्मला बहन ने कहा कि आज हर विवेकशील व्यक्ति और चिंतक, समाज में बढ़ रहे अनैतिकता के ज्वार से भयभीत है। परंतु, वह चाहकर भी इस दिशा में कुछ उपयोगी व ठोस परिणाम प्राप्त नहीं कर पा रहा हैं। ब्रह्माकुमारी निर्मला बहन ने कहा, प्रकृति के प्रति आकर्षण और आसक्ति की सूक्ष्म डोरों से बंधा हुआ मानव पथ भ्रष्ट हो गया है व परमात्मा प्राप्ति की ओर न बढ़कर अनैतिकता को भी अहंकार वश नैतिकता समझने लगा है। इस समय संसार में योग नाम से भी बहुत ही मार्ग प्रचलित हैं। कुछ लोग आग्रह पूर्वक कहते हैं कि सभी प्रचलित मार्ग परमात्मा के प्राप्ति का ही साधन है। लेकिन, जब परमात्मा एक है, सत्य ज्ञान एक है, तो ज्ञान योग मार्ग अनेक नहीं हो सकते हैं। विभिन्न असत्य मार्गों पर चलकर एक ही सत्य लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता।

निर्मला बहन ने कहा, शास्त्र शिरोमणि गीता में भगवान के महावाक्य हैं कि पहले भी योग मैंने सिखाया था। उसके प्रायः लोप होने के कारण अब पुनः मैं ही उस योग की शिक्षा के लिए अवतरित हुआ हूं। ब्रह्मारूप से ज्ञान-पथ द्वारा सृष्टि को सतयुगी बनाने के लिए ही मैं दैवी प्रवृति में संलग्न हुआ हूं। अतः ध्यान रहे कि ज्ञान-योग की शिक्षा स्वयं अदृश्य भगवान ही ब्रह्मा तन में दृश्ययमान होकर देते हैं। परमात्मा शिव ने अवतरित होकर बैंकुंठ और मुक्तिधाम का साक्षात्कार कराया है और यह भी समझाया है कि अब इस सुष्टि का महाविनाश होने वाला है। इस ईश्वरीय ज्ञान और सहज राजयोग की शिक्षा से मनुष्य को जीवन में सच्चा सुख मिलता है। उन्होंने कहा कि नया युग आध्यात्मिक युग होगा।

झामुमो जिला समिति ने की विस चुनाव की समीक्षा

इस बार चुनाव में दो सीटों की बढ़ोतरी हुई

नवीन मेल संवाददाता

- कमियों पर हुई चर्चा, बेहतरी के सुझाव लिये गए

रांची। विगत दिनों संपन्न हुए झारखंड विधानसभा चुनाव की समीक्षा के लिए झामुमो रांची जिला की महत्वपूर्ण बैठक रातू रोड रांची स्थित कृष्णा इन आरआर टॉवर में संपन्न हुई। झामुमो रांची जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में जिला के केंद्रीय सदस्य, जिला के पदाधिकारी (वर्ग संगठन सहित) एवं रांची महानगर के वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्तागण शामिल हुए।

समीक्षा बैठक में रांची जिला के अंतर्गत आने वाली सात विधानसभा सीटों क्रमशः रांची, हटिया, कांके, खिजरी, सिल्ली, तमाड़ और मांडर विधानसभा की जीत-हार पर चर्चा हुई। साथ ही, चुनाव में संगठन की उपस्थिति पर विस्तृत चर्चा हुई। संचालन जिला सचिव डॉ हेमलाल कु मेहता ने किया। पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से परिणाम को लेकर कमियों पर चर्चा हुई और आगामी चुनाव मे बेहतरी के लिए सुझाव लिए गए। इस अवसर पर रांची जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम ने कहा कि 2019 के विधानसभा चुनावों से इसबार 2024 के परिणाम रांची जिला में गठबंधन के लिए 2 सीटों की बढ़ोतरी वाला रहा है, जिसके लिए सभी को बधाई। परंतु हम अपने तय लक्ष्य से अभी भी 2 सीट पीछे हैं। हमें उम्मीद थी कि रांची और हटिया सीट के जीत से हम सभी सातों सीट पर जीत सुनिश्चित करेंगे। 2029 के विधानसभा चुनाव मे हम इस लक्ष्य को जरूर पूरा करेंगे और भविष्य की होने वाले किसी भी चुनाव में पार्टी और भी मजबूत उपस्थिति दर्ज करेगी। मौके पर केंद्रीय सदस्य पवन जेडीया, चिंतामणि सांगा, समनूर मंसूरी, रांची जिला से केंद्रीय सदस्य समनूर मंसूरी, उपाध्यक्ष अश्विनी शर्मा, कलाम आजाद, बीरू साहू, जिला सचिव डॉ हेमलाल कुमार मेहता, जिला संगठन सचिव जुल्फीकार खान, जयवंत तिग्गा, संयुक्त सचिव विजय आनंद नायक, सुजित उपाध्याय, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष नयन तारा उरांव, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष आशुतोष वर्मा, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष फरीद खान, उपाध्यक्ष शमीम मंसूरी, परवेज आलम, क्रीड़ा मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रदीप मिर्धा, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष झब्बूलाल महतो, सचिव सज्जाद अंसारी, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अशोक मुंडा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रहें सतर्क

रांची में ट्रैफिक पोस्ट पर 600 एआई कैमरे

रांची में ट्रैफिक पोस्ट पर 600 एआई कैमरे लगाए गए हैं। ट्रैफिक नियम तोड़ा, तो बचने की गुंजाइश नहीं के बराबर है। पिछले 15 दिनों में ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले 60 हजार लोगों का चालान काटा गया है। ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों की अब खैर नहीं है।

राज्य के औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन में सकारात्मक सहभागिता रहेगी : एफजेसीसीआई

- झारखंड चैंबर ने उद्योग एवं श्रम मंत्री से की शिष्टाचार मुलाकात

नवीन मेल संवाददाता

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (एफजेसीसीआई) के अध्यक्ष परेश गट्टानी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को झारखंड सरकार के नए उद्योग एवं श्रम मंत्री संजय कुमार यादव से शिष्टाचार मुलाकात की और उन्हें व्यापार और उद्योग जगत की ओर से बधाई दी। चैंबर ने राज्य के औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन के उद्देश्य से विभाग द्वारा किए जाने वाले प्रयासों में अपनी ओर से सकारात्मक सहभागिता के लिए उन्हें आश्वस्त किया।

कहा कि राज्य में किस प्रकार रोजगार के नए अवसर बढ़ें, इसपर हम सरकार के साथ मिलकर कार्य करने के लिए उत्साहित हैं। मौके पर प्रतिनिधिमंडल में चैंबर के कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष धीरज तनेजा और श्रम उप समिति के चेयरमैन प्रमोद सारस्वत शामिल थे।

आज / कल

आज भी प्रासंगिक है श्री कृष्ण का संदेश : संजय सर्राफ

नवीन मेल संवाददाता

रांची। विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग व राष्ट्रीय सनातन एकता मंच के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि गीता जयंती का पर्व हर वर्ष मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मनाया जाता है। इसे मोक्षदा एकादशी भी कहा जाता है। इस वर्ष गीता जयंती आगामी बुधवार (11 दिसंबर 2024) को मनाई जाएगी। मान्यता है कि इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था और इसकी स्मृति में यह पर्व मनाया जाता है। गीता जयंती का पर्व हमें यह समझाता है कि भगवान श्री कृष्ण का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना हजारों साल पहले था। उन्होंने कहा कि भगवद गीता हिंदू धर्म का एक अत्यंत महत्वपूर्ण ग्रंथ है, जो भगवान श्री कृष्ण और अर्जुन के बीच संवाद को आधार बनाता है। यह ग्रंथ न केवल धार्मिक दृष्टि से, बल्कि जीवन के आचार-व्यवहार, नीति और दर्शन के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण है। गीता जयंती का पर्व इसी दिव्य ग्रंथ के उपदेशों की महिमा को मनाने के लिए मनाया जाता है। यह दिन विशेष रूप से श्री कृष्ण के उपदेशों को याद करने और उनका अनुसरण करने के लिए समर्पित होता है।

संजय सर्राफ ने कहा कि भगवद गीता का संवाद महाभारत के भीष्म पर्व में भगवान श्री कृष्ण और अर्जुन के बीच हुआ था।

11 दिसंबर को है गीता जयंती पर्व

गीता का उपदेश कुरुक्षेत्र के युद्ध भूमि पर हुआ, जब अर्जुन अपने कुटुंब के साथ युद्ध करने में असमर्थ महसूस कर रहे थे। भगवान श्री कृष्ण ने उन्हें कर्म, धर्म, भक्ति और योग के माध्यम से जीवन का सही मार्ग दिखाया। गीता के 18 अध्यायों और 700 श्लोकों में जीवन के हर पहलू का विस्तृत वर्णन किया गया है। इसमें कर्मयोग, भक्ति योग, ज्ञानयोग, और संन्यास योग जैसे प्रमुख विषयों का वर्णन है, जो व्यक्ति को अपने जीवन को संतुलित और आंतरिक शांति से भरपूर बनाने के लिए मार्गदर्शन करते हैं। उन्होंने कहा कि गीता जयंती पर श्रद्धालु विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान करते हैं। इस दिन विशेष रूप से गीता के पाठ का आयोजन किया जाता है, जिससे व्यक्ति मानसिक शांति प्राप्त कर सके। मंदिरों में गीता के श्लोकों का पाठ किया जाता है और लोग सामूहिक रूप से इसे सुनने के लिए एकत्रित होते हैं। कई स्थानों पर गीता के महत्व पर प्रवचन भी होते हैं, जहां विद्वान और साधु भगवान श्री कृष्ण के उपदेशों का विस्तार से अर्थ बताते हैं। संजय सर्राफ ने कहा कि यह दिन न केवल धार्मिक परिप्रेक्ष्य से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह व्यक्ति को अपने जीवन में आदर्श और नैतिकता को अपनाने के लिए प्रेरित करता है। इस दिन का महत्व यह भी है कि यह हमें अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का सही ढंग से पालन करने की प्रेरणा देता है। गीता के उपदेशों को अपनाकर हम अपने जीवन को सरल, शांत और उद्देश्यपूर्ण बना सकते हैं।

संत जेवियर्स कॉलेज में क्रिसमस गैदरिंग

रांची। संत जेवियर्स कॉलेज में रविवार को क्रिसमस गैदरिंग का आयोजन किया गया। क्रिसमस गैदरिंग में युवाओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इसका आयोजन हीरा बरवे छात्र संघ के बैनर तले किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फादर नाबोर लकड़ा ने कहा कि क्रिसमस के त्योहार में जीवन खुशियों से भरा रहता है। कार्यक्रम में ऑल इंडिया क्रिश्चियन माइनॉरिटी फ्रंट के प्रदेश महासचिव प्रवीण कच्छप भी शामिल हुए। मौके पर उन्होंने कहा कि पापों से पश्चाताप करें।

एक नजर

करंट की चपेट में आकर विद्युतकर्मी गंभीर रूप से घायल

रांची। कोकर में मदन ढाबा के पास मरम्मत कार्य में लगा एजेंसी का मानव दिवसकर्मी रविवार शाम 4:30 बजे करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया गया कि सोने महतो पोल पर बिजली ठीक कर रहा था। तभी तार में रिवर्स करंट आ गया। इससे उसका हाथ पूरी तरह झुलस गया और वह पोल पर ही लटका गया। यह देख अन्य कर्मी उसे तार से अलग कर पास के अस्पताल में ले गए। वह खतरे से बाहर बताया गया है। रांची विद्युत एरिया बोर्ड के अधीक्षण अभियंता डीएन साहू बोले, पता चला है कि करंट किसी फीडर से आ गया था। वहीं, झारखंड पावर वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष आशीष कुमार का आरोप है कि अभियंता के दबाव में काम जल्दी पूरा करना होता है।

नगड़ी में बोरिंग गाड़ी की चपेट में आने से साइकिल सवार की मौत

पिस्कानगड़ी। थाना क्षेत्र के कुटे के पास नयासराय पुंदाग रोड पर बोरिंग गाड़ी की चपेट में आने से साइकिल सवार की मौके पर मौत हो गई। घटना रविवार की दोपहर दिन के एक बजे की है। मृतक 55 वर्षीय अंतू बैठा नगड़ी के नयासराय कुटे का निवासी था। अंतू साइकिल से किसी काम से पुंदाग की ओर जा रहा था तभी बोरिंग ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बाद बोरिंग गाड़ी का चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। घटना से आक्रोशित कुटे के ग्रामीणों ने पुंदाग नयासराय रोड एक घंटे तक जाम रखा। सूचना मिलने पर विधानसभा थाना के प्रभारी प्रदीप कुमार राय पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझा-बुझाकर सड़क जाम हटवाया। इसके बाद विधानसभा पुलिस ने शव उठाकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया।

राहे में महिलाओं ने निकाला कैंडल मार्च

राहे। प्रखंड के राहे में जेंडर आधारित हिंसा के खिलाफ जेएसएलपीएस के तत्वावधान में रविवार की देर शाम जेंडर सीआरपी के नेतृत्व में महिलाओं ने कैंडल मार्च निकाला। इस दौरान महिलाओं के साथ हो रही हिंसा के खिलाफ आक्रोश जताया गया। सभी महिलाओं ने हाथ में कैंडल लेकर नारे लगाए एक साथ एक आवाज, हिंसा के खिलाफ बेटियों को खेलकूद में छूट दो और उचित शिक्षा दो का नारे लगाए। जब महिलाओं को समाज में स्थान मिलेगा तभी समाज उत्तीर्ण करेगा और घर के बच्चे शिक्षित होंगे। कहा जाता है कि घर की महिलाएं ही बच्चों के लिए पहली पाठशाला होती हैं और बच्चे भी सही रास्ते पर चलते हैं। कैंडल मार्च में प्रीति कुमारी, सुलोचना, निशु, राधिका देवी और सरोज देवी आदि मौजूद थीं।

बच्चे शिक्षा के प्रति सदैव समर्पित रहें व मन लगाकर पढ़ें : संजय सेठ

प्रोजेक्ट सहित अन्य उपकरण के माध्यम से उनकी पढ़ाई कराई जा रही है। यही कारण है कि तेजी से इन बच्चों में सुधार हो रहा है

नवीन मेल संवाददाता। मुरी/सिल्ली

संत माईकल (10+2) स्कूल मुरी में 21 वीं वार्षिक महोत्सव मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ उपस्थित थे साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ सपन कुमार एवं यूनियन बैंक ऑफ इंडिया मुरी शाखा के प्रबंधक दिनेश कुमार उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में संत माईकल स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में अलख जगा रहा है सभी छात्र-छात्राएं शिक्षा की गुणवत्ता एवं शिक्षा के प्रति सदैव समर्पित होते हुए मन लगाकर पढ़ें। जिससे विद्यालय एवं क्षेत्र तथा अपने माता पिता के साथ जनपद का नाम रोशन करेंगे। विद्यालय में सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2024 के स्कूल टॉपर को मोमेंटो देकर मुख्य अतिथि के द्वारा सम्मानित किया गया। विद्यालय के निदेशक राकेश कुमार ने मुख्य अतिथि को उनकी उपस्थिति के लिए धन्यवाद दिया और उन्होंने कहा कि विद्यालय में पढ़ रहे बच्चों को विश्वस्तरीय शिक्षा देने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। प्रोजेक्ट सहित अन्य उपकरण के माध्यम से उनकी पढ़ाई कराई जा रही है। यही कारण है कि तेजी से इन बच्चों में सुधार हो रहा है। कार्यक्रम में छात्र एवं छात्राओं ने अपने कला के माध्यम से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में मंच का संचालन मनीषा सिंह एवं सोमांशी तिवारी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के प्राचार्य सी.एल. प्रजापति ने किया। कार्यक्रम से पूर्व अतिथियों का स्वागत स्कूली छात्राओं ने फूलमाला एवं तिलक लगाकर किया। अतिथियों को सांस्कृतिक नृत्य एवं ढोलक के थाप से मंच तक पहुंचाया गया। इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक डॉ. रूपेश कुमार उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में सभी शिक्षक शिक्षिकाएं वी. वेंकट राव,किशोर कुमार , अनुराग कुमार, अभिरूप दत्ता, अजय चिक बड़ाईक , रमेश गोराई, सुशील कुमार, सीमा झा, प्रीति नंदा, श्वेता रेजिस भेंगरा, हनी कश्यप एवं सभी छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

ट्रक व हाइवा की टक्कर, ट्रक में लगी आग, मची अफरा- तफरी

नवीन मेल संवाददाता। सिल्ली

सिल्ली थाना अन्तर्गत मुरी- गोला मुख्य सड़क पर लोदमू आम बगान के समीप आलू लदे ट्रक एवं हाईवा में जोरदार टक्कर हो गई। इससे ट्रक में आग लग गई और ट्रक धू धू जलने लगा। इससे ग्रामीणों में अफरा तफरी मच गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना सिल्ली थाना को दिया। सूचना मिलते ही घटना स्थल पर पहुंचकर प्रशासन के द्वारा लोगों को गाड़ी के सामने से हटाया गया एवं हिंडालको दमकल को सूचना दिया गया। मौके पर हिंडालको दमकल ने पहुंचकर आग पर काबू पाया। बताते चले कि लोदमू आम बगान के समीप कुछ दिन पहले एक ट्रक का एक्सल टूट गया था जिसके चलते सड़क पर ही ट्रक खड़ा हो गया था। कोलकाता से उड़ीसा जाने के क्रम में आलू लदे ट्रक के आगे हाईवे था जिसमें लोहा आयरन लदा हुआ था और उसका ब्रेक फेल हो जाने के कारण सीधे जाकर खड़ी ट्रक को जाकर धक्का मार दिया। उसके बाद पीछे से आ रही आलू लदे ट्रक अपना संतुलन खो बैठा एवं हाईवे में जोरदार टक्कर मारा। टकराते ही ट्रक में आग लग गई। देखते देखते ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। प्रशासन के द्वारा तुरंत कार्रवाई करते हुए हिंडालको दमकल को बुलाया गया और दमकल के सहारे आग को बुझाया गया। ट्रक के ड्राइवर एवं खलासी बाल बाल बचे।

न्यूज बॉक्स

ऑटो चालक संघ के अध्यक्ष बने प्रमोद, सचिव इम्तियाज

खलारी। खलारी सीमेंट कामगार यूनियन कार्यालय में ऑटो चालक संघ खलारी-पिपरवार की बैठक हुई। अध्यक्षता रोहित कुमार ने की। बैठक में ऑटो चालक संघ के पदाधिकारियों का नए सिरे से चयन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह को बनाया गया। इसके अलावा सचिव इम्तियाज अंसारी, सह सचिव राहुल, कोषाध्यक्ष सुनील सिंह, सह कोषाध्यक्ष अनिल चौहान को बनाया गया। इसके अलावा कार्यकारी अध्यक्ष बिट्टू कुमार गुप्ता तथा कार्यसमिति सदस्यों में रमेश कुमार गुप्ता, राजकुमार पासवान, अवधेश पासवान, अमनकुमार राम, चन्दनकुमार सिंह, सरफराज अहमद, भोला कुमार, राजू चंद्रवंशी, विवेक प्रजापति, देवलाल चौहान व गुलजार हसन को शामिल किया गया है। तय हुआ कि यूनियन द्वारा प्रत्येक महीने हर आटो चालक से 50 रूपया लिया जाएगा। यूनियन की अगली बैठक 19 जनवरी को सुनिश्चित की गई।

आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों के बीच स्वेटर का वितरण

खलारी। ठंढ को देखते हुए खलारी पंचायत के आंगनबाड़ी केंद्र खलारी खास में नार्मांकित 35 बच्चों को स्वेटर दिया गया। सरकार की ओर से मुहैया कराए गए स्वेटर को स्थानीय मुखिया तेजी किस्पोट्टा ने बच्चों के बीच बांटा। मुखिया ने बच्चों के अभिभावकों से कहा गया कि वे ठंड में प्रतिदिन अपने बच्चों को स्वेटर पहनाकर आंगनबाड़ी केंद्र भेजें। साथ ही साफ सफाई पर भी ध्यान दें। गर्म वस्त्र पाकर बच्चे खुश थे। इस मौके पर आंगनबाड़ी सेविका बिमला टोप्पो, सहायिका श्रीया देवी व बच्चों के अभिभावक उपस्थित थे।

आक्रोश मार्च में शामिल होंगे हिन्दू समाज के लोग

खलारी। सर्व समाज के लोगों की बैठक खलारी के डकरा गायत्री मंदिर के प्रांगण में की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि बांग्लादेश में हिन्दूओं के साथ हो रहे अत्याचार, उनकी हत्या, सामूहिक बलात्कार के खिलाफ तथा सनातन के लोगो को विशेष टारगेट कर मारने जैसी जघन्य अपराध के विरुद्ध तथा भारत देश के अलावा अन्य देशों के हिन्दुओं के हित में आगामी 10 दिसंबर को मोरहाबादी मैदान में आयोजित आक्रोश मार्च में काफी संख्या में खलारी से हिन्दू समाज के लोग शामिल होंगे। खलारी के सभी हिन्दुओं से आग्रह किया गया है अपनी अपनी व्यवस्था के साथ रांची पहुंचे और अपनी आवाज बुलंद करें। खलारी से 10 दिसंबर मंगलवार को सुबह आठ बजे एक साथ निकलना तय हुआ है।

नामकुम में विधायक सुरेश बैठा का हुआ स्वागत

नामकुम। नामकुम में रविवार को कांग्रेस के वरीय नेता व रांची जिला उपाध्यक्ष रमेश पांडे के नेतृत्व में कांके विधायक सुरेश बैठा का स्वागत किया गया। इस मौके पर रमेश पांडे ने कहा कि कांके की जनता के उम्मीद पर विधायक सुरेश बैठा खरा उतरेंगे। क्योंकि विधायक लंबे समय से क्षेत्र की जनता के बीच जुड़े हुए हैं। वर्तमान सरकार में जो भी योजनाएं क्षेत्र में होगी उसे धरातल पर उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। इस मौके पर दीपक राणा, रामाशंकर तिवारी, विनोद मुण्डा, अखिलेश सिंह सहित शामिल थे।

तमाड़ में गार्ड का शव कुएं से बरामद, हत्या की आशंका

पुलिस को हत्या की आशंका है। वहीं शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। गंगाधर राव बालाजी नगर, श्रीपुरम विशाखापट्टनम आंध्र प्रदेश का निवासी था

नवीन मेल संवाददाता। तमाड़

थाना क्षेत्र के कासम बुरुडीह गांव स्थित खेत में बने कुएं से रविवार की सुबह मधुकॉन कंपनी के गार्ड, 50 वर्षीय तुम्माला गंगाधर राव का शव बरामद किया गया। शव के साथ उसकी बाइक भी रस्सी से बंधी मिली। बताया जाता है कि गंगाधर राव सालगाडीह पहाड़ स्थित बंद पड़े क्रशर की देखभाल करता था। वह मधुकॉन कंपनी में पिछले पांच साल से गार्ड के रूप में कार्यरत था। उसके साथ अन्य पांच लोग भी काम करते हैं। शनिवार की शाम सात बजे सभी का खाना लाने वह सालगाडीह स्थित एक होटल गया था, जहां से रात नौ बजे तक नहीं लौटा। स्थानीय गार्ड पलटन मुंडा ने इसकी जानकारी कंपनी के नामकुम स्थित कार्यालय में एम. नरसिम्हा रेड्डी को दी। इसके बाद शनिवार की रात 12 बजे तक गंगाधर की खोजबीन की गई। रविवार की सुबह स्थानीय लोगों ने बुधू वैद्य के खेत में बने कुएं के पास से खाने का पैकेट और अन्य सामान देखा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंचकर शव कुएं से बाहर निकाला। इस दौरान घटनास्थल और कुएं तक जानेवाली सड़क पर खून के धब्बे पाए गए हैं, पुलिस को हत्या की आशंका है। वहीं शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। गंगाधर राव बालाजी नगर, श्रीपुरम विशाखापट्टनम आंध्र प्रदेश का निवासी था। इस घटना के बाद इलाके में भय और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस से जल्द कार्रवाई कर दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

सरना झंडा गढ़ी सह प्रार्थना सभा ने छठा वर्षगांठ मनाया

आदिवासी समुदाय को एकजुट रहने के लिए प्रार्थना सभा जरूरी: रितेश उरांव

सरना धर्म में एक परिवार ने की वापसी

नवीन मेल संवाददाता। नामकुम

नामकुम के लाल खटंगा सरना प्रार्थना समिति नया भूसूर तत्वावधान में रविवार को सरना स्थल में झंडा गाढी एवं प्रार्थना सभा का छठा वर्षगांठ मनाया गया। कार्यक्रम में दौरान एक परिवार को झिरगा पहान ने घर वापसी कराया। न्यह परिवार कुछ वर्ष पहले धर्मांतरण करके ईसाई धर्म में चला गया था। वापसी करने वालों में भादू टोप्पो, रदय टोप्पो, तारा टोप्पो, अनिसा टोप्पो सहित अन्य शामिल हुए। इस मौके पर अध्यक्ष मीरा खालको कार्यकारी अध्यक्ष सुशीला उरांव व रितेश उरांव ने कहा कि यह आयोजन हम आदिवासी समुदाय के आस्था से जुड़ा हुआ है. पिछले छह वर्षों से नया भूसूर गांव के सरना स्थल में हम विभिन्न गांव के महतो, पाइनभोरा, मुंडा, कोटवार, सरना धर्म अगुवा इत्यादि हजारों लोग मिलकर इस कार्यक्रम करते आ रहे हैं। मौके पर उपस्थित मुखिया पुष्पा तिर्की ने बताया कि झंडा गढ़ी सह प्रार्थना सभा के दिन विभिन्न गांवों के आदिवासी समुदाय के सैकडों महिला-पुरुष डाड़ी झरना से कलश में जल भरकर और झंडा लेकर सरना स्थल पर पहुंचें हैं। इसके बाद आदिवासी पारंपरिक विधि विधान के साथ पाहन विशेष पूजा करता है और पुराने झंडा के स्थान पर नया झंडागड़ी स्थापित की जाती है।

ओरमांझी जू में जया नामक बाघिन की बीमारी से मौत

नवीन मेल संवाददाता। ओरमांझी

भगवान बिरसा जैविक उद्यान में जया नामक शेरनी की रविवार की भोर चार बजे मौत हो गई। जया पिछले 22 दिनों से बीमार थी और उसे प्रतिदिन स्लाइन और विटामिन चढ़ाया जा रहा था। जया की उम्र जू प्रशासन के अनुसार 15 वर्ष बताई जा रही है। उसे सात वर्ष की उम्र में 15 अगस्त 2019 को गुजरात के जूनागढ़ चिड़ियाघर से लाया गया था। जया के साथ जूनागढ़ से बीरू नामक शेर भी आया था। उसकी मौत इसी वर्ष एक फरवरी को हो गई थी। जया की मौत के बाद बिरसा जू में एक शेर शशांक और शेरनी प्रियंका बची है। रविवार को जया का जू में ही कांके के वेटरनरी कॉलेज के डॉ एमके गुप्ता, डॉ प्रज्ञा लकड़ा और जू के चिकित्सक डॉ ओमप्रकाश साहू ने पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम के बाद जू में बने शवदाह गृह में उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। मौके पर जू के पशु चिकित्सक

डॉ ओमप्रकाश साहू ने बताया कि 15 नबंवर से जया बीमार थी और उसने खाना छोड़ दिया था। खाने में उसे देसी मुर्गा दिया गया था। पोस्टमार्टम में प्रथमदृष्टया जया की मौत का कारण हृदयगति का रुकना बताया जा रहा है। शेरनी जया की मौत के अलावा इसी वर्ष एक फरवरी को बीरू नामक शेर की मौत हो गई थी। 14 मई 2024 को जाबा नामक सफेद बाघ चल बसा था। 25 जुलाई को रानी नामक तेंदुआ की मौत हो गई थी और 27 जुलाई को आदी नामक गौड़ ने दम तोड़ दिया था। इसके अतिरिक्त कई अन्य जानवरों की भी मौत हुई थी। इनमें तीन दिसंबर 2022 को बाघिन सरस्वती। 21 जुलाई 2023 को राधा नामक तेंदुआ और वर्ष 2022 में 10 दिनों के अंदर 13 लोमड़ी तथा तीन जून 2021 को शिवा नामक बाघ की मौत हो चुकी है। हिन्दुस्तान ने 23 नवंबर को शेरनी जया की बीमारी की खबर प्रमुखता से छापी थी।

खूंटी पुलिस ने गोवंश तस्करी का बड़ा रैकेट किया बेनकाब, पांच गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता। खूंटी

खूंटी पुलिस ने शनिवार देर रात छापेमारी अभियान में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 14 चक्का ट्रक से 33 गोवंश बरामद किए और तस्करी में शामिल चालक समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों में मो. मुंसफ (चाचकोपी, रांची), तबरेज खान (बजरा, नरकोपी), युसुफ अंसारी (इरबा, ओरमांझी), शेख हुसैन (झाल्दा, पुरुलिया), और रजीमुल मिरधा (डटमा भुसुर) शामिल हैं। खूंटी के एसपी अमन कुमार को शनिवार देर शाम गुप्त सूचना मिली कि सिमडेगा से गोवंश लेकर एक बड़ा ट्रक खूंटी के रास्ते बंगाल ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर एसडीपीओ वरुण रजक के निर्देशन में खूंटी थाना प्रभारी मोहन कुमार के नेतृत्व में छापेमारी टीम का गठन किया गया। टीम ने तिरला गांव के पास खूंटी-तमाड़ मुख्य रोड पर चेकिंग अभियान चलाया। रात लगभग 10 बजे एक 14 चक्का ट्रक (सीजी 14डी 0845) को जांच के लिए रोका गया। ट्रक की तलाशी में 33 गोवंश बरामद किए गए। ट्रक को जब्त कर खूंटी थाना लाया गया। ट्रक के साथ तस्करी में शामिल एक ऑल्टो कार पुलिस को चकमा देकर भागने में सफल रही। गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ में पता चला कि गोवंश को सिमडेगा से खूंटी होते हुए सिल्ली और वहां से पुरुलिया ले जाया जा रहा था। पुलिस अब इस रैकेट से जुड़े अन्य लोगों को पकड़ने के लिए अभियान चला रही है। एसडीपीओ वरुण रजक ने बताया कि तस्करों पर एफआईआर दर्ज कर उन्हें रविवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। इस छापेमारी में खूंटी थाना प्रभारी मोहन कुमार, पुअनि मनीदीप और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस ने बरामद मवेशियों को खूंटी थाना परिसर में रखा है और उनके संरक्षण की व्यवस्था की जा रही है।

मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना को और प्रभावी बनाया जाएगा : मंत्री दीपक बिरुआ

नवीन मेल संवाददाता। खूंटी

राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार और परिवहन विभाग के मंत्री दीपक बिरुआ का रविवार को चाईबासा से रांची जाते समय खूंटी बाजारटांड़ में कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से उन्हें लाद दिया और बम-पटाखों के साथ गर्मजोशी से उनका अभिनंदन किया। मंत्री दीपक बिरुआ ने बिरसा कॉलेज परिसर में स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना को और प्रभावी बनाया जाएगा। इसके तहत विधवा, दिव्यांग, आंदोलनकारी, पेंशनधारियों और छात्रों को भी इस योजना से जोड़कर लाभान्वित किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि जमीन लूट, खसोट और कागजात में छेड़छाड़ के मामलों की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि

जमीन के कागजात में गड़बड़ी करने वालों को किसी भी हाल में नहीं बख्शा जाएगा। उन्होंने जोर दिया कि सरकार की योजनाओं का लाभ सही तरीके से जनता तक पहुंचे, यह उनकी प्राथमिकता होगी। राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार और परिवहन विभाग के मंत्री दीपक बिरुआ के खूंटी पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर इशहाक गुड़िया, विल्सन तोपनो, संयूम अंसारी, मार्शल बारला, सुशील सांगा, सनिका बोदरा, एडवर्ड हंस समेत कांग्रेस और झामुमो के कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बिरसा कॉलेज के स्नातक और स्नातकोत्तर उत्तीर्ण विद्यार्थियों को दी गई विदाई

खूंटी। बिरसा कॉलेज खूंटी के इतिहास विभाग में रविवार को विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन कर स्नातक और स्नातकोत्तर उत्तीर्ण विद्यार्थियों को विदाई दी गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कॉलेज की प्रभारी प्राचार्या जीके किड़ो ने सभी उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और अपने संस्थान के प्रति कृतज्ञ रहने को कहा। राजकुमार गुप्ता ने भविष्य में अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए योजनाओं के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी। डॉ पूनम तीयू और विभागाध्यक्ष डॉ अभिषेक कुमार ने सभी को भविष्य निर्माण के लिए जरूरी मार्ग को चुनने पर चर्चा की और नए दौर में ज्यादा परिश्रम करने पर बल दिया। कार्यक्रम में स्नातक के प्रथम टॉपर काजल कुमारी, द्वितीय टॉपर रोशनी होरो और तृतीय टॉपर अंबी तिडू तथा स्नातकोत्तर के प्रथम टॉपर विशेष टोपनो, द्वितीय टॉपर बसंती टूटी और तृतीय टॉपर प्रभुदान सवैया को प्राचार्या द्वारा मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

आर्यभट्ट ऑडिटोरियम में शंख ध्वनि, वेदपाठ कार्यक्रम का आयोजन

सभी ने एक साथ मिलकर एक मंच पर एक ही समय में 15 रवींद्र संगीत प्रस्तुत किये

नवीन मेल संवाददाता। रांची

अर्चा साहित्य कला अकादमी के तत्वावधान में रविवार को रांची विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट ऑडिटोरियम में शंख ध्वनि, वेदपाठ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलित के साथ की गयी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्य मंत्री संजय सेठ, रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा, प्रोफेसर डॉ अमिताभ मुखर्जी, पूर्व सीएमडी एचईसी अभिजीत घोष, पूर्व अध्यक्ष एफजे सीसीआई कुणाल आजमानी, बंगाली युवा मंच चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष सिद्धार्थ घोष व प्रवीर लाहिड़ी शामिल हुए। अर्चा साहित्य कला अकादमी की चेयरपर्सन डॉ पुष्पा सेन ने स्वागत भाषण दिया। कहा कि यह संगठन दस साल से चल रहा है। इसमें संगोष्ठी, सेमिनार, संगीत, नृत्य,

नाटक चित्रांकन, काव्य पाठ, समाज सेवा कार्यक्रम निरंतर चलता रहता है। यह संगठन विभिन्न भाषाओं के साथ कार्य करता है। कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से आये कलाकारों ने संगीत प्रस्तुत किया। इसमें 108 कलाकारों ने हिस्सा लिया। सभी ने एक साथ मिलकर एक मंच पर एक ही समय में 15 रवींद्र संगीत प्रस्तुत किये। इसमें महिला और पुरुष दोनों कलाकार शामिल थे। कार्यक्रम में गीत-संगीत की एक पुस्तक का विमोचन किया गया, जिसमें15 गीत लिखे हुए है। कार्यक्रम में एक साथ एक लय में 108 रविंद्र गान गाया गया। इस गीतों को सात मेंटरों ने छह माह में सिखाया था। इनमें लिली मुखर्जी, अपराजिता भट्टाचार्य, कुमकुम बनर्जी, पम्पा सेन विश्वास,परोमिता चौधरी, अपरूपा चौधरी, रूमकी दास शामिल हैं। सभी कलाकारो को अंग वस्त्र, सर्टिफिकेट और मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया।

भूखे को भोजन प्यासे को पानी पिलाने से बड़ा कोई भी पुण्य कार्य नहीं

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रविवार को 179 वें निशुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे का वितरण किया गया। हरिओम अग्रवाल एवं प्तनु अग्रवाल की शादी की सालगिरह पर मुम्बई निवासी उनके पिता मोहनलाल अग्रवाल माता कुसुम देवी अग्रवाल के सौजन्य से संस्था की वरिष्ठ सदस्या विधा देवी अग्रवाल और उनके परिवार एव प्रणामी समाज के सदसयों के सहयोग से किया गया। अपुंदाग स्थित संस्था के श्री कृष्ण प्रणामी (मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम आश्रम) मंदिर के प्रांगण मे संस्था की वरिष्ठ सदस्या विधा देवी अग्रवाल, राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, सुनिता अग्रवाल, अंशुल अग्रवाल एंव तरुण अग्रवाल के द्वारा वहाँ के जरूरतमंद ग्रामीण मंदिर के आस पास के रहने वाले 1300 श्रद्धालुओ, निर्धन परिवार के सदस्यों मंदिर के सामने के गुजरने वाले राहगीरों एवं बच्चों के बीच 179 वें श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भोजन भंडारे का वितरण किया गया। आज भोग प्रसाद का गायन कर भगवान को अन्नापूर्णा भंडारे का भोग अर्पित किया गया। आज के अन्नपूर्णा भोजन प्रसाद भंडारे की सेवा के कार्य में विशेष रूप संस्था के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल उपाध्यक्ष निर्मल जालान,राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, विशाल जालान ओमप्रकाश सरावगी, हरीश कुमार,महिला समिति की विधा देवी अग्रवाल,संतोष देवी अग्रवाल पाडिया,सुनीता अग्रवाल, अमिता जालान एव इनके अलावा संस्था के और भी बहुत से सदस्य उपस्थित थे।

एक नजर

बाल विवाह कानून दंडनीय अपराध है: अरुण

कोडरमा । जिले की छतरबर पंचायत अंतर्गत बाल मित्र ग्राम चेचाई में जिला विधिक सेवा प्राधिकार और कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेंस फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में बाल विवाह और महिला हिंसा पर रविवार को कानूनी जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। उद्घाटन प्राधिकार के लीगल ऐड डिफेंस काउंसिल के अधिवक्ता अरुण कुमार ओझा, नवल किशोर, फाउंडेशन के परियोजना पदाधिकारी मो आरिफ अंसारी, बाल नेता बिंदिया कुमारी ने प्रज्वलित कर किया। अधिवक्ता अरुण कुमार ओझा ने कहा कि बाल विवाह कानूनन दंडनीय अपराध है। इसकी रोकथाम करना हम सब की नैतिक जिम्मेवारी है। बाल विवाह की रोकथाम के लिए बाल विवाह निषेध एक्ट 2006 के तहत इसके दोषियों को दो साल तक की सजा और एक लाख रु तक का जुमार्ना है।

पप्पू मेहता डोमचांच नगर पंचायत नॉक आउट क्रिकेट टूर्नामें टुर्नामेंट शुरू

डोमचांच । स्थानीय सीएम हाई स्कूल के मैदान में रविवार को पप्पू मेहता डोमचांच नगर पंचायत नॉक आउट क्रिकेट टुर्नामेंट का आयोजन किया गया। शुरूआत मुख्य अतिथि निवर्तमान नगर उपाध्यक्ष पप्पू मेहता, रोहित मेहता, समाजसेवी संजय मेहता, मनोज रजक, आयोजक भीम सिंह ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन मैच वार्ड दो बनाम वार्ड 13 के बीच खेला गया। टॉस जीतकर वार्ड नंबर दो की टीम ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। वार्ड नंबर 13 की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 15 ओवर में 106 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। जबकि जवाबी पारी खेलने उतरी वार्ड नंबर दो की टीम ने 13 ओवर में ही 107 रन बनाकर मैच को जीत लिया। मैन ऑफ द मैच सुमित कुमार को दिया गया।

कबड्डी युवा सीरीज में कोडरमा के पांच खिलाड़ियों का चयन

कोडरमा । जिला कबड्डी संघ के खिलाड़ियों ने जिले में एक बार फिर से नया इतिहास रच दिया है। कबड्डी युवा सीरीज में कोडरमा जिले के पांच खिलाड़ियों का चयन किया गया है। बता दें कि कबड्डी खिलाड़ियों के लिए प्रो कबड्डी और अंतरराष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिताओं में जाने के लिए युवा सीरीज बेहतरीन मंच है। इस मंच पर खेलने के लिए कबड्डी खिलाड़ियों को कई प्रकार की प्रतियोगिताओं और परीक्षाओं से गुजरना पड़ता है। कोडरमा जिला कबड्डी संघ के नवाज दिलशान, गौतम कुमार, विल्सन पॉल, शुभम कुमार, बिट्टू कुमार का चयन हुआ है। ये सभी खिलाड़ी कोडरमा जिला कबड्डी संघ अंतर्गत प्रशिक्षण लेते आ रहे हैं और अपनी कड़ी मेहनत से इस प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए हैं। जिला कबड्डी संघ के लिए यह बड़ी उपलब्धि है।

श्री दिगंबर जैन समाज ने 2022-24 का ब्यौरा किया सार्वजनिक

दैनिक कार्य को बहुत ही सुंदर रूप से संचालित किया गया

जैन समाज द्वारा भव्य रूप से महावीर जयंती, दशलक्षण पर्व, पारसनाथ जयंती, सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं अनेक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़

श्री दिगंबर जैन समाज रामगढ़ के कार्यकारिणी समिति सत्र 2022 2024 के अध्यक्ष मानिक चंद जैन की अध्यक्षता में 8 दिसंबर को मंदिर के कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। मौके पर सर्वप्रथम अध्यक्ष मानिक जैन ने मीडिया बंधुओं का आभार एवम अभिनंदन किया । इस दौरान मानिक जैन, अरविंद सेठी, नरेंद्र छाबड़ा, विनोद पहाड़िया, राजेंद्र पाटनी एवं जम्बू जैन ने दो साल में किए गए अपने कार्य के बारे मे बताया। बताया कि पूज्य आचार्य गुरुवर प्रसन्न सागर जी महाराज का भव्य मंगल प्रवेश रामगढ़ में हुआ था। जैन भवन में लिफ्ट लगाया गया। जैन मंदिर एवं भवन के लिए ट्रांसफार्मर लगवाया गया। जैन भवन में अनेक कार्य किए गए। रामगढ़ शहर के विभिन्न सामाजिकएवं धार्मिक संस्था अनेक समाज के साथ कोऑर्डिनेश बनाया गया। जैन समाज द्वारा भव्य प्रथम वार्षिक महोत्सव मनाया गया। जैन समाज द्वारा भव्य रूप से महावीर जयंती, दशलक्षण पर्व, पारसनाथ जयंती, सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं अनेक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। रांची रोड मंदिर में पॉलिश का कार्य पूर्ण किया गया। समाज के दैनिक कार्य को बहुत ही सुंदर रूप से संचालित किया गया। समाज के अध्यक्ष मानिक जैन ने समाज के सभी सदस्यों को कार्यकारिणी समिति की ओर से आभार और धन्यवाद दिया। कहा- पिछले दो साल में समाज के हर एक सदस्य द्वारा निःस्वार्थ भाव से सहयोग, सेवा एवं समर्थन दिया जिसके लिए हम उनको हृदय से अब हर एवं धन्यवाद देते हैं।

भुरकुंडा में नो इंट्री की उड़ रही धज्जियां, पुलिस मौन

भुरकुंडा। भुरकुंडा मेन रोड में नो इंट्री की धज्जियां उड़ रही है। नियमतः रात नौ बजे के बाद ही मेन रोड में भारी व्यवसायिक वाहनों की इंट्री का नियम खुद पुलिस ने बनाया था, जो अब एक मजाक बन कर रह गया है। मेन रोड में भारी वाहनों के असमय प्रवेश से जाम की समस्या फिर से गहराने लगी है। शनिवार की शाम तो मेन रोड का बुरा हाल था। छोटी-बड़ी गाड़ियों के बीच फंसे बाइक-स्कूटी सवार मानो सड़क पर रेंग रहे थे। कमोबेश पैदल यात्रियों का भी यही हाल था। रह-रह कर करीब दो घंटे मेन रोड जाम रहा। इसमें एक एंबुलेंस भी फंसा था, जो स्थानीय लोगों की पहल पर किसी तरह मरीज को लेकर निकल पाया। वहीं दूसरी ओर मेन रोड में खड़ी एक कार का बोनट हाइवा में फंस जाने के कारण भी बवाल हुआ। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि पुलिस को आकर जाम हटवाना पड़ा। इधर नो इंट्री के बावजूद मेन रोड में भारी व्यसवसायिक वाहनों के प्रवेश को लेकर पुलिस की भूमिका पर लोग सवाल उठा रहे हैं।

छात्रों ने बिरसा जैविक उद्यान का किया भ्रमण

शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है शैक्षणिक भ्रमण : प्रबंधक

नवीन मेल संवाददाता। बरकट्ठा

सीबीएसई पैटर्न पर आधारित विद्यालय पीएम इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज कपका के बच्चों ने रांची स्थित भगवान बिरसा जैविक उद्यान एवं मछली घर का भ्रमण किया। इस दौरान बच्चों ने विभिन्न जानवरों, पक्षियों एवं औषधीय पेड़ -पौधों की जानकारी शिक्षकों से प्राप्त की। संस्था के निदेशक सत्येंद्र प्रसाद ने बताया कि बच्चों को प्रत्येक वर्ष हमारे विद्यालय द्वारा शैक्षिक भ्रमण कराया जाता है ताकि बच्चों का मानसिक एवं व्यवहारिक विकास निरंतर होता रहे। बच्चों को पंछियों की विशेषताएं विस्तार से बताई गई। वहीं उद्यान में रखे विभिन्न जानवरों जैसे बाघ ,शेर ,चिता ,भालू ,हिरण को,हाथी आदि को देखकर बच्चे काफी रोमांचित हुए। नौनिहाल जो सिर्फ किताबों में विभिन्न जानवरों को देखते हैं, वे सामने देखकर काफी खुश हुए। भ्रमण के क्रम में मछली घर में बच्चों को विभिन्न प्रजाति के मछली के बारे में जानकारी दिया गया। कार्यक्रम के अंत में बच्चों ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण से काफी आनंद आया तथा पशु पक्षियों को देखकर अच्छा लगा ।वहीं वर्ग अष्टम का छात्र सूरज राणा ने कहा कि आंखों देखी शिक्षा को आत्मसात करना और भी सरल हो जाता है ।अतः इस प्रकार के कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। वहीं विद्यालय के प्रबंधक राजेश कुमार ने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है ।इस अवसर पर बच्चों ने सामूहिक भोजन का आनंद लिया। भ्रमण को सफल बनाने में विद्यालय के प्रबंधक निदेशक वीरेंद्र प्रसाद, प्रबंधक राजेश कुमार यादव , शिक्षक शंभू कुमार शर्मा, पवन कुमार पंडित, इरफान अंसारी, शुभम कुमार पांडेय, नेहा कुमारी, काजल कुमारी, सुलेखा कुमारी, सुशीला कुमारी आदि का सहयोग काफी सराहनीय रहा।

दुलमी प्रखंड में हर बच्चे को पोलियो से बचाने का संकल्प

फिर कोई न हो पोलियो का शिकार : सुधीर मंगलेश

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़

दुलमी प्रखंड के सिरु पोलियो बूथ में 8 दिसम्बर को पोलियो टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर दुलमी प्रखंड बीस सूत्री कार्यक्रम के अध्यक्ष सुधीर मंगलेश ने बच्चों को पोलियो की खुराक देकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस मौके पर श्री मंगलेश ने कहा कि पोलियो उन्मूलन के लिए यह अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण है। हर बच्चे को पोलियो की खुराक देना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है, ताकि आने वाली पीढ़ी को इस बीमारी से सुरक्षित रखा जा सके। कार्यक्रम में स्वास्थ्य कर्मियों, आंगनबाड़ी सेविकाओं और स्थानीय लोगों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। सभी ने इस बात पर जोर दिया कि हर घर तक पोलियो टीका पहुंचे और कोई बच्चा इससे छूटने न पाए। पोलियो उन्मूलन अभियान के तहत दुलमी प्रखंड में सभी बूथों पर स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाएंगे।

पल्स पोलियो अभियान का डीडीसी ने किया शुभारंभ

आज व कल घर-घर जाकर बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की खुराक

पल्स पोलियो अभियान में 0-5 वर्ष के 171692 बच्चों को दी जायेगी खुराक

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़

8 दिसंबर से 10 दिसंबर तक चलने वाले पल्स पोलियो अभियान का रविवार को उप विकास आयुक्त रोबिन टोप्पो ने रामगढ़ सदर अस्पताल में शुभारंभ किया। मौके पर उप विकास आयुक्त, सिविल सर्जन डॉ महालक्ष्मी प्रसाद सहित उपस्थित अन्य अधिकारियों ने नवजात शिशु को पोलियो की खुराक पिलाई। इस दौरान उन्होंने पल्स पोलियो अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न करने एवं निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत प्रतिशत 0 से 5 वर्ष के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश सिविल सर्जन डॉ महालक्ष्मी प्रसाद सहित उपस्थित अन्य अधिकारियों, चिकित्सकों में स्वास्थ्य कर्मियों को दिए। इस दौरान सिविल सर्जन, राज्य नोडल पदाधिकारी, एसीएमओ, डीएलओ, डीआरसीएचओ, डीएस सदर, एसएमओ डब्ल्यूएचओ, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों, स्वास्थ्य अधिकारियों चिकित्सकों व स्वास्थ्य कर्मियों सहित अन्य उपस्थित थे। पल्स पोलियो अभियान के तहत 8 दिसंबर से 10 दिसंबर तक 0 से 5 वर्ष तक के 171692 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित है जिसमें 8 दिसंबर को 1067 बूथों पर व 9 एवं 10 दिसंबर को घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का कार्य किया जाएगा उक्त कार्य हेतु 49 ट्रांजिट टीम एवं 34 मोबाइल टीम बनाए गए हैं साथ ही 153 पर्यवेक्षकों को कार्य में लगाया गया है।

न्यूज बॉक्स

गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में चुनाव कमेटी की हुई बैठक

रामगढ़। गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा रामगढ़ में चुनाव कमेटी की बैठक चुनाव कमेटी के अध्यक्ष सरदार नरेंद्र सिंह चमन की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक के उपरांत प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से यह जानकारी दी गयी की नये सदस्य बनने के लिए 39 फॉर्मो की बिक्री हुई और 05 डुप्लीकेट कार्ड बनाने के लिए आवेदन प्राप्त हुए। 08 से 10 दिसंबर तक संध्या 7 :00 बजे से 7.30 बजे तक नये सदस्य के फॉर्म जमा किये जा सकेंगे। बैठक में चुनाव कमिटी के सदस्य मौजूद थे।

सांसद से मिले भाजपा नेता, खेल स्टेडियम बनवाने की मांग

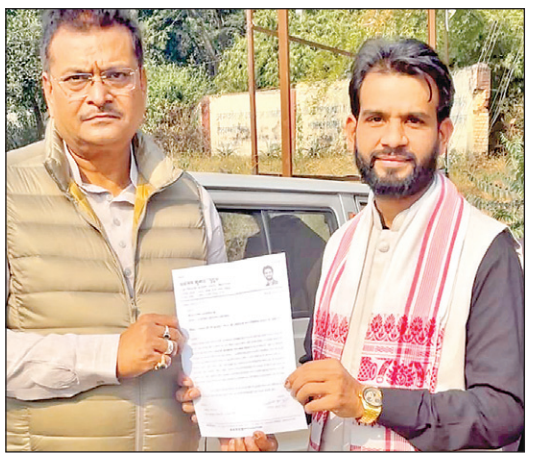

रामगढ़। रविवार को भाजपा नेता सह रामगढ़ विधानसभा के पूर्व विधायक प्रत्याशी धनंजय कुमार पुटूस ने हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल से मुलाकात कर रामगढ़ कैंट के फुटबॉल मैदान को खेल स्टेडियम के रूप में विकसित करवाने को लेकर एक मांग पत्र सौंपा। सांसद मनीष जायसवाल को दिए मांग पत्र में धनंजय कुमार पुटूस ने कहा है कि रामगढ़ जिला के शहरी क्षेत्र रामगढ़ कैंट में खेलने का एक मैदान है। जहां पर खिलाड़ी खेलकूद का अभ्यास करते हैं एवं लड़के - लड़कियां सेना, पुलिस बहाली व ओलंपिक आदि की तैयारी करते हैं। इस मैदान में समय-समय पर फुटबॉल, क्रिकेट व अन्य खेलों का भी आयोजन होता है। अगर इस मैदान को एक अच्छे खेल स्टेडियम के रूप में विकसित किया जाए तोखिलाड़ियों को खेलकूद के क्षेत्र में आगे बढ़ने एवं युवाओं को सेना,पुलिस आदि बहाली व ओलंपिक की तैयारी करने में काफी सहायता मिलेगी। जो आगे चलकर हमारे रामगढ़ जिला के साथ हजारीबाग लोकसभा का नाम राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रौशन करेंगे। धनंजय कुमार पुटूस ने कहा कि सांसद मनीष जायसवाल जनहित के मुद्दों के प्रति सकारात्मक नजरिया रखते हैं एवं युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ाने का काम करते हैं। हमे पूर्ण विश्वास है कि सांसद हमारे मांग पत्र पर संज्ञान लेंगे और जल्द ही रामगढ़ के फुटबॉल मैदान को एक शानदार खेल स्टेडियम के रूप में विकसित किया जाएगा।

पुलिस की कार्रवाई से नहीं हैं संतुष्ट, सीआईडी या सीबीआई से हो जांच : सुनीता देवी

पुलिस निर्दोषों को ना फंसाये, इस मामले का हो उच्चस्तरीय जांच : उमेश गोप

हेमंत महतो व राजकुमार साव को पुलिस अब तक क्यों नहीं पकड़ सकी है। इस हत्याकांड के पीछे कही न कही कोई बड़ा दबाव है

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग

रामनवमी महासमिति के पूर्व अध्यक्ष सह समाजसेवी मंजीत यादव हत्याकांड का उद्भेदन अब तक पुलिस ने नहीं किया है। इसे लेकर रविवार को स्व. मंजीत यादव की पत्नी वार्ड पार्षद सुनीता देवी व अखिल भारतीय यादव समाज के हजारीबाग जिला अध्यक्ष उमेश गोप ने संयुक्त रुप से प्रेस वार्ता किया। सुनीता देवी ने मंजीत यादव हत्याकांड में पुलिस के अब तक की कार्यशैली पर असंतुष्टी जाहिर की। उन्होंने कहा कि लगभग 40 दिन बीत गये पर पुलिस ने अब तक इस हत्याकांड का उद्भेदन नही कर पाई है। नामजद अभियुक्तों में से अब तक सिर्फ दो लोगों को ही पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जबकि अन्य अभियुक्तों को पुलिस ने अब तक गिरफ्तार नही किया है। हेमंत महतो व राजकुमार साव को पुलिस अब तक क्यों नहीं पकड़ सकी है। इस हत्याकांड के पीछे कही न कही कोई बड़ा दबाव है। पुलिस के उपर अभियुक्तों को बचाने को लेकर, उनलोगो को गिरफ्तार नही कर रही है। उन्होंने कहा कि उनका पूरा परिवार सुरक्षित नही हैं। उनके पति के हत्यारे उनके या उनके बच्चों के साथ भी घटना कारित कर सकते हैं। ऐसे में उन्होंने प्रशासन से भी सुरक्षा की मांग की है। उन्होंने इस हत्याकांड मे पुलिस के द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेजे गए मंडई निवासी पप्पू यादव उर्फ कटप्पा यादव पर कही की यदि कटप्पा इस हत्याकांड मे शामिल है तो पुलिस उसके खिलाफ मजबूत सबूत पेश करे और यदि नही है तो इस तरह निर्दोष को फंसाने का काम नही करे।

ओल्ड एज होम में 27 वृद्धों को उपलब्ध कराया इनर

हम सिर्फ पौधे ही नहीं लगाएंगे बल्कि निःस्वार्थ भाव से ऐसे सामाजिक कार्य भी करते रहेंगे : विश्वेन्दु

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग

सामाजिक कार्य करने वाली संस्था मिशन ग्रीन हजारीबाग ने रविवार को ओल्ड एज होम में रह रहे 27 वृद्धों जिनमें 12 पुरुष और 15 महिलाएं शामिल हैं, उन्हें इनर उपलब्ध कराया। टीम के सदस्य विश्वेन्दु जयपुरियार ने कहा कि इसी साल मई में उन्होंने पहल करते हुए इस संस्था से सभी को जोड़ा और करीब 70 पौधे लगाए। कहा कि इस बार संस्था के लोगों ने एकबार फिर आगे आकर आर्थिक सहयोग किया ताकि इन वृद्धों के लिए इनर खरीदा जा सके। सदस्य गुरु दत्त, सुशील सिन्हा, सुभाष चंद्र सिन्हा, सागर कुमार, सुजीत कुमार, हरि मोहन एवं नीरज खंडेलवाल ने कहा कि ऐसे कार्य वे अब करते रहेंगे और जो भी जरूरतमंद होंगे, उन तक वे पहुंचेंगे और हर मुमकिन मदद पहुंचाएंगे। ब्लड बैंक के सनत ने कहा कि इन वृद्धों को इनर की जरूरत थी और मिशन ग्रीन हजारीबाग ने यह उन्हें देकर बहुत ही नेक कार्य किया है।

हजारीबाग यूथ विंग ने जरूरतमंदों के बीच किया कंबल वितरण

हमारा यह प्रयास समाज के उन लोगों तक पहुंचने का है, जो वाकई में जरुरतमंद हैं : चंद्र प्रकाश

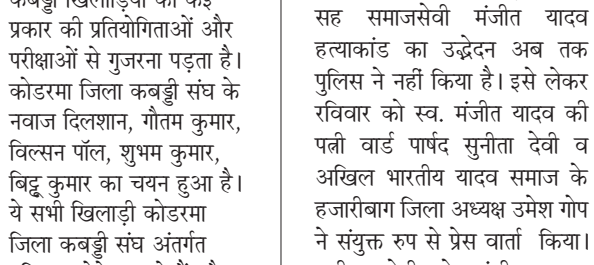

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग यूथ विंग के द्वारा समाज के जरूरतमंद और वंचित वर्ग की मदद के उद्देश्य से चलाए जा रहे शीतकालीन राहत अभियान के तहत रविवार को सलगावां स्थित दुर्गा मंडप एवं रेवली गांव में कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुल 200 कंबल जरूरतमंदों के बीच वितरित किए गए। यह अभियान 1 दिसंबर 2024 को प्रारंभ किया गया है, जो आगामी फरवरी 2025 तक चलेगा। अभियान का उद्देश्य सर्दी के मौसम में वंचित वर्ग को ठंड से राहत प्रदान करना और समाज में मानवता व सहयोग की भावना को बढ़ावा देना है। संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने अपने संबोधन में कहा की हमारा यह प्रयास समाज के उन लोगों तक पहुंचने का है, जो वाकई इस सर्दी में सहारे के लिए आश्रित हैं। इस अभियान के माध्यम से हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि कोई भी व्यक्ति ठंड के कारण पीड़ित न हो। जरूरतमंदों के चेहरे पर जो खुशी और संतोष देखने को मिला, वह हमारे लिए इस कार्य की सबसे बड़ी प्रेरणा है।

बिजली का तार गिरने से धान के खेत में लगी आग

बरही। डपोक पंचायत अंतर्गत ओरपरता गांव निवासी हीरालाल राणा के खेत में आग लग जाने से 200 बोझा धान जल गया। जिससे करीब पचास हजार के मूल्य के धान और पुआल जलने का अंदाजा बताया जा रहा है। उक्त जानकारी भुक्तभोगी के संबंधी संतोष राणा दूरभाष पर देते हुए बताया कि आग ग्यारह हजार के तार टूटने से लगी है। हादसा बीते रात की है। तार टूटने और आग लगने की जानकारी सुबह तीन बजे हुई। तब तक खेत में रखा बोझा और पुआल में आग पूरी तरह धधक रहा था। खेत में रखे कई धान और पुआल के कई बोझ जलकर पूरी तरह राख हो चुका था। ग्रामीणों के सहयोग से आग बुझाया गया। आरोप है कि बिजली का तार कई दिनो से झूल रहा था, इसकी सूचना विभागीय मिस्त्री को दी गई थी। पर किसी भीं प्रकार की करवाई नही किया गया। हादसा और क्षतिपूर्ति के संबध में रविवार के करना आवेदन नही दिया गया है।

हेल्थ चेकअप जांच शिविर का आयोजन

जांच से लोगों को गंभीर बीमारियों से बचाया जा सकता है : डॉ प्रवीण

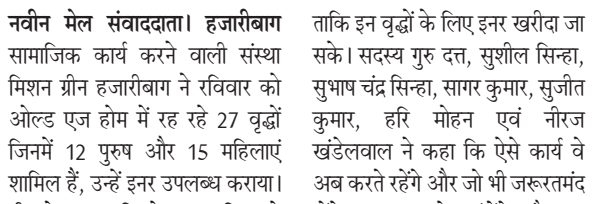

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग

कैनरी हील में श्रीनिवास डायग्नोस्टिक ने दिन रविवार को हेल्थ चेकअप जांच शिविर का आयोजन किया। जिसमें सुगर एवं हीमोग्लोबिन का जांच मुफ्त किया गया। इसमें 39 से अधिक जरूरतमंदों ने सुगर एवं हीमोग्लोबिन का जांच एवं उत्तम स्वास्थ्य का परामर्श प्राप्त किया। साथ ही कई लोगों ने अन्य जांच का परामर्श प्राप्त किया। इस दौरान अन्य जांच पर बाजार से किफायती दर पर उपलब्ध होने से कई जरूरतमंदों ने पंजीकरण कराया। जरूरतमंदों लोगों ने बताया कि सप्ताहिक छुट्टी रविवार के दिन पब्लिक पलेस में इस प्रकार की जांच से आमजन में काफी राहत पहुंचेगा। गंभीर बीमारियों का पूर्वत जानकारी होने से गंभीर बीमारियों से बचाव एवं राहत मिलेगा। ज्ञात हो कि श्रीनिवास डायग्नोस्टिक रविन्द्र पथ मिशन रोड स्थित मिशन हॉस्पिटल के परिसर में सेवारत है। जिसमें शरीर पूरा जांच आधुनिक तरीके एवं किफायती दर पर उपलब्ध है। मौके पर श्रीनिवास डायग्नोस्टिक संचालक डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने कहा कि सुगर की बीमारी एवं हीमोग्लोबिन संबंधित बीमारी काफी सामान्य होते जा रही है। विशेष पहल के साथ हेल्थ चेकअप कैंप में सुगर एवं हीमोग्लोबिन की जांच निशुल्क लोगों के लिए उपलब्ध करवा रहें हैं। ताकि समय से पूर्व सुगर एवं हीमोग्लोबिन संबंधित बीमारी का उपचार कराकर घातक एंव गंभीर बीमारियों से लोगों को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि श्रीनिवास डायग्नोस्टिक में पूरा शरीर का जांच बाजार से काफी कम मुल्यों पर गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक रूप से उपलब्ध है। गरीब एवं मीडिल क्लास फैमली को इसका शतप्रतिशत लाभ मिल रहा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में लोगों को राहत पहुंचाने के लिए हमेशा से श्रीनिवास डायग्नोस्टिक की टीम कार्यरत है। मौके पर श्रीनिवास डायग्नोस्टिक से पिंकू कुमार, दीपक कुमार, अजरा निगार एवं रॉजी प्रवीण सहित कई स्वास्थ्य कर्मी काफी सक्रियता से जुटे रहे।

सांसद मनीष जायसवाल ने की प्रतिनिधियों की घोषणा

अनिल मिश्रा सत्येंद्र नारायण सिंह राजीव जायसवाल

हजारीबाग। सांसद मनीष जायसवाल ने क्षेत्रीय जनसेवा और विकास कार्यों को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से रविवार को तीन प्रमुख प्रतिनिधियों की घोषणा की। इन नियुक्तियों के माध्यम से सांसद कार्यालय और जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित होगा और विकास कार्यों की गति तेज होगी।

नियुक्त प्रतिनिधि और उनकी जिम्मेदारियां: सत्येंद्र नारायण सिंह को हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। वे लोकसभा क्षेत्र के समग्र विकास, जनसमस्याओं के समाधान, और सांसद कार्यालय जनता सीधे संवाद के लिए जिम्मेदार होंगे। श्री सिंह क्षेत्र के विकास कार्यों की निगरानी करेंगे और सभी महत्वपूर्ण मुद्दों को सांसद कार्यालय तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। अनिल मिश्रा को हजारीबाग जिले के विकास और प्रशासनिक समन्वय की जिम्मेदारी दी गई है। वे जिले में चल रही विकास योजनाओं की प्रगति की देखरेख करेंगे और प्रशासन एवं जनता के बीच समन्वय स्थापित करेंगे। इसके अतिरिक्त, वे जिले की प्राथमिकताओं और समस्याओं को हल करने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। रामगढ़ जिले के लिए राजीव जायसवाल को प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। उनकी जिम्मेदारी जिले की समस्याओं को प्राथमिकता से सुनना, विकास योजनाओं का सही क्रियान्वयन सुनिश्चित करना, और जनता की आवश्यकताओं को सांसद कार्यालय तक पहुंचाना होगी। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि इन प्रतिनिधियों का चयन उनके अनुभव, निष्ठा और जनता के प्रति उनकी सेवा भावना को ध्यान में रखकर किया गया है। मुझे विश्वास है कि सत्येंद्र नारायण सिंह, अनिल मिश्रा और राजीव जायसवाल अपने-अपने क्षेत्र में जनता की समस्याओं को सुनने और उनके समाधान की दिशा में ईमानदारी और समर्पण के साथ काम करेंगे।

एक नजर

62 विद्यार्थियों को मिली साइकिल

बरही । शनिवार को राजकीय मध्य विद्यालय बरहीडीह के अष्टम वर्ग के 62 विद्यार्थियों के बीच साइकिल वितरित किया गया। उक्त जानकारी सहायक अध्यापक अजय प्रजापति ने दी। उन्होंने बताया कि वितरण प्रभारी प्रधानाध्यापिका कंचन देवी के निर्देशन में किया गया। जिसमे बतौर मुख्यातिथि स्थानीय मुखिया शमशेर आलम और विशिष्ट अतिथि विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह शामिल हुए। उन्होंने बताया कि अष्टम कक्षा में कुल 89 विद्यार्थी है। 10 विद्यार्थी अनुपस्थित थे, जिन्हे बाद में साइकिल दिया जायेगा। वही 17 सामान्य वर्ग के बच्चे है। जिनके लिए कल्याण विभाग की ओर से साइकिल उपलब्ध नही कराए गए है। विभागीय निदेर्शानुसार साइकिल वितरण सिर्फ आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों के बीच ही किया जाता है।

ठेठईटांगर में पड़ रही कड़ाके की ठंढ, अलाव जलाने की मांग

ठेठईटांगर। दिसंबर महीना में बदलते मौसम में हल्की शीत लहरी के साथ कड़ाके की ठंड पड़ रही है। रविवार को दिनभर धूप नहीं निकले। स्थानीय लोगों ने ठंड से बचने के लिए प्रखंड प्रशासन से चौक चौराहों पर अलाव व्यवस्था करने की मांग की है ताकि ठंड से बचा जा सके।रेफरल अस्पताल के चिकित्सक ने बताया ठंड से बचने के लिए गर्म कपड़े पहने एवं गर्म पानी पीने के साथ सुबह शाम सरसों का तेल हाथ पैर में लगाने की सलाह दी है।छोटे बच्चे एवं बुजुर्ग को विशेष ध्यान दें।बुजुर्ग लोगों के ब्लड शुगर ब्लड प्रेशर नियमित रूप से जांच कराते रहे और बच्चे एवं बुजुर्ग लोगों के कमरे में लगातार रूम हीटर लगाकर ना छोड़े।

ट्रक व बाइक की टक्कर में एक युवक की मौत

कोलेबिरा। थाना क्षेत्र के कोलेबिरा सिमडेगा मुख्य पथ स्थित गोंदलटोली गांव के समीप रविवार की शाम हुए सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। जबकि एक युवक गंभीर रुप से घायल हो गया। मृतक की पहचान चौरापानी निवासी तुरतन हेमरोम के रुप में की गई है। बताया गया कि तुरतन अपने मित्र के साथ अपनी बाईक से अपने घर की ओर जा रहा था। इसी क्रम में गोंदलटोली के समीप एक ट्रक से बाईक की सीधी टक्कर हो गई। दुर्घटना इतनी जबरदस्त थी कि बाईक के परखर्चे उड़ गए और घटना स्थल पर ही तुरतन की मौत हो गई। इधर घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायल को इलाज के लिए सीएचसी भेजा गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। समाचार लिखे जाने तक घायल व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई थी।

जेंडर आधारित हिंसा के विरुद्ध राष्ट्रीय अभियान का आयोजन

घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न महिला तस्करी डायन कुप्रथा की जानकारी दी गयी

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा जेंडर आधारित हिंसा के विरुद्ध राष्ट्रीय अभियान का एकदिवसीय कार्यक्रम वन स्टॉप सेंटर में किया गया। समाज कल्याण विभाग एवं पलाश झारखण्ड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसायटी द्वारा कार्याक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में जेंडर रिसोर्स सेंटर/जेंडर जस्टिस सेंटर में कार्य कर रही पारा लीगल जेंडर सीआरपी एवं जेंडर सीआरपी को जेंडर आधारित हिंसा जिसमें घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, महिला तस्करी, डायन कुप्रथा, दहेज प्रथा, एसिड अटैक, बाल विवाह, बाल मजदूरी, साइबर क्राइम इत्यादि विषयों में विशेष जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज कल्याण विभाग के जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सूरजमणि कुमारी और पलाश जेएसएलपीएस के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी शांति मार्डि के अगुवाई में किया गया। इस कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर के केन्द्र प्रशासक द्वारा महिला हेल्पलाइन और अन्य सुविधाओं की जानकारी दी तथा जेएसएलपीइस से डीएम इसडी कैलाश कुमार ने जेंडर रिसोर्स सेंटर/जेंडर जस्टिस सेंटर के कार्य की जानकारी दी और कार्यक्रम के अंत में जेंडर शपथ लिया गया। इस कार्यक्रम में सिमडेगा जिले के दस प्रखंड के पारा लीगल दीदियां एवं जेंडर सीआरपी साथ ही कार्यक्रम के द्वारण डीएम स्किल, वन स्टॉप सेंटर के सभी कर्मी उपस्थित थे।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार की निंदा की

लोहरदगा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्य समिति सदस्य तथा वरिष्ठ नेता ओम प्रकाश सिंह ने बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे अत्याचार पर कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों की भूमिका की कड़े शब्दों में भत्सर्ना की है। उन्होंने कहा है कि बंगलादेश में हिंदुओं के ऊपर अत्याचार की प्रकाष्ठा हो रही है। हिन्दुओं के सभी मंदिर तथा धार्मिक सथलों को ध्वस्त कर उनकी संपत्तियों पर भी जबरन कब्जा किया जा रहा है। इस घटना पर विपक्षी दल को वोट बैंक की चिंता हो रही है। वह मुक्त दर्शक की तरह इस अत्याचार को देख रहे हैं। देश के सनातन समाज इसे गंभीरता से देख रही है। इंग्लैंड,अमेरिका सहित विश्व अनेक देश के प्रमुख नेताओं ने बांग्लादेश में हो रहे इस तरह की घटनाओं की घोर निंदा के साथ बांग्लादेश को चेता रहे हैं पर वहां हिंदू विरोधी विध्वंसक कार्रवाई रुक नहीं रही है। संपूर्ण देश में इन घटनाओं का प्रबल विरोध व्यापक रूप से हो रहा है। केंद्र की सरकार भी इस मुद्दे को लेकर हर स्तर पर बांग्लादेश पर नजर बनाए रख रही है।

बोलबा कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में पानी की किल्लत

छात्राएं बाहर से पानी लाने को मजबूर

आवासीय विद्यालय की बच्चियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है

नवीन मेल संवाददाता। बोलब बोलबा प्रखण्ड के कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में पानी की किल्लत है। जिससे विद्यालय में पढ़ने वाली बालिकाएँ बाहर से पानी लाने को विवश हैं। इस समस्या को लेकर विद्यालय की वार्डेन आशा केरकेट्टा से जानकारी लिया गया । उन्होंने बताया कि पानी की समस्या विगत काफी दिनों से है। इस संबंध में 26 नवंबर को जिला की बैठक में रिपोर्ट दिया गया है । लेकिन अभी तक कोई पहल नही हुई है। जानकारी के अनुसार स्कूल का डीप बोरिंग लगभग 3 वर्षों से खराब पड़ा है। साथ ही एक नया बोरिंग किया गया वह फेल हो गया । पानी की किल्लत होने से आवासीय विद्यालय की बच्चियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है ।वहीं बताया जा रहा है कि विद्यालय कई समस्याओ से झेल रहा है।जिसका आलम यह है कि अब अभिभावक अपने बच्चियों का नामांकन भी नही कराना चाहते है।जिससे बालिकाओं की संख्या टारगेट से काफी कम है। बताया जा रहा है कि सभी विषय के शिक्षक नही थे । दो दिनों से नए बहाली वाले सभी विषय के शिक्षक विद्यालय आ रहे है । वहीं इस बाबत जब पीएचडी विभाग के जे0ई0 से बात की गई तो उन्होंने बताया कि पानी की समस्या पर हमें अब तक कोई मौखिक या लिखित सूचना नहीं मिला है।उन्होंने कहा कि दो दिनों के अन्दर विद्यालय में जाकर देख लिया जायेगा और हरसंभव समस्या का समाधान किया जायेगा।

जन जागरूकता अभियान का आयोजन

एक छात्र के लिए अनुशासन और नियमित अध्ययन जरूरी : राहुल

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा नाईगम टोली, सिमडेगा में जूनियर कैम्ब्रिज स्कूल के तत्वावधान में एक प्रभावशाली जन जागरूकता अभियान का आयोजन स्वर्ण जयंती वर्ष (1975-2025) के अवसर पर किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों और अभिभावकों के बीच शिक्षा के महत्व को उजागर करना और उन्हें जीवन में सफलता के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम के दौरान, बच्चों और उनके अभिभावकों के बीच करीब 300 पुस्तकों का वितरण किया गया। इन पुस्तकों में पाठ्यक्रम के अनुरूप हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, चित्रकला और शैक्षिक विकास से संबंधित विषय शामिल थे। मौके पर राहुल कुमार, सचिव, विद्या वनस्थली शिक्षा समिति, ने 'एक अच्छे छात्र की विशेषताएं' पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि एक छात्र को अनुशासन, नियमित अध्ययन, और लक्ष्य के प्रति समर्पण को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता का आधार एक स्पष्ट उद्देश्य और उसे प्राप्त करने की दृढ़ता है। कार्यक्रम में काक चेष्टा बको ध्यानं, श्वान निद्रा तथैव च। अल्पहारी गृह त्यागी, विद्यार्थी पंच लक्षणं मंत्र को सफलता का आधार बताया गया। इस मंत्र के अनुसार, कौआ की तरह चतुर, बगुला की तरह ध्यान करने वाले, स्वान की तरह कम निंद्रा , तथा कम खाने वाला, ग्रह का त्याग करने वाले ही विद्यार्थी के पांच लक्षण हैं।जूनियर कैम्ब्रिज स्कूल के पूर्व छात्र और जिला टॉपर श्री विकास सिंह ने बच्चों के साथ अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि नियमितता, समय प्रबंधन, और पाठ्यक्रम को गहराई से समझने से उन्होंने यह सफलता प्राप्त की। उन्होंने बच्चों को खुद पर विश्वास रखने और लगातार मेहनत करने की प्रेरणा दी।कार्यक्रम में गजेन्द्र लाला (अभिभावक) और आभा (जूनियर कैम्ब्रिज स्कूल की शिक्षिका) ने भी बच्चों और अभिभावकों के साथ संवाद किया। उन्होंने शिक्षा के प्रति समर्पण और जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अभियान ने शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और बच्चों को अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संचालित योजनाओं की जानकारी रखें जनता : बीडीओ

सेन्हा (लोहरदगा)। प्रखंड मुख्यालय महात्मा गांधी सभागार में जिला विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारम्भ बीडीओ संग्राम मुर्मु, सीडीपीओ नीलू रानी कच्छप, अधिवक्ता उमेश कुमार द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया. मौके पर बीडीओ संग्राम मुर्मु ने कहा कि विधिक जागरूकता शिविर में आम जनता को कानूनी सलाह दिया जाता है.तथा सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी जाती है.जिसे आम जनता योजनाओं की जानकारी रखने पर ही लाभुक योजनाओं का लाभ ले सकते हैं. वही वरिष्ठ अधिवक्ता उमेश कुमार ने कहा कि सभी व्यक्ति कानून की जानकारी रखें समाज से बाल विवाह,नशापान, डायन बिसाही,अशिक्षा जैसे कुप्रथा को दूर करने में सहयोग करें और पोस्को कानून,बाल विवाह,दहेज कुप्रथा, नशापान, हिंसा,बाल विवाह के खिलाफ समाज के लोगों को जागरूक करें मौके पर उपस्थित सीडीपीओ नीलू रानी कच्छप ने कहा कि बाल विकास परियोजना विभाग से आंगनबाड़ी केंद्र संचालित है.

न्यूज बॉक्स

न्यूरो सर्जन के क्लिनिक का हुआ उद्घाटन

सिमडेगा। शहरी क्षेत्र के भट्टीटोली में ताज मेडिकल में रिम्स के प्रसिद्ध न्यूरो सर्जन डॉ तारिक जमील के क्लीनिक का उद्घाटन किया गया। कोलेबिरा विधायक प्रतिनिधि सह अल्पसंख्यक कांग्रेस जिलाध्यक्ष रावेल लकड़ा के द्वारा उद्घाटन किया गया। उद्घाटन के मौके पर निशुल्क जांच शिविर भी लगाया गया। इस शिविर में मरीजों का इलाज मुफ्त में किया गया।मौके पर रावेल लकड़ा ने कहा कि सिमडेगा जिला बहुत ही पिछड़ा जिला है। यहां पर लोगों को न्यूरो एवं ब्रेन की बीमारियों के लिए बाहर जाना पड़ता है। लेकिन डॉ तारिक जमील के यहां पर आने से अब यहां के लोगों को बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। मौके पर ईदगाह मुहल्ला के सदर हाजी जावेद खान ने मुख्य अतिथि रावेल लकड़ा को पौधा देकर सम्मानित किया। प्रदेश अल्पसंख्यक कांग्रेस सचिव जमीर खान ने डॉ तारिक जमील एवं जिला अल्पसंख्यक कांग्रेस सचिव जमीर हसन ने अन्य चिकित्सकों को पौधा देकर सम्मानित किया।

हॉकी खिलाड़ी बिरेन्द्र लकड़ा ने विधायक भूषण बाड़ा को दी बधाई

सिमडेगा। पूर्व अन्तरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी बिरेन्द्र लकड़ा ने विधायक के आवास पहुंच विधायक भूषण बाड़ा को जीत की बुके देकर बधाई दी। मौके पर बिरेन्द्र लकड़ा ने कहा कि भूषण बाड़ा के दुबारा जितने पर खिलाड़ियों को काफी उम्मीद जागी है। उन्होंने कहा कि जिले में आज भी खेल प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। लेकिन इन खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए अवसर कम मिलती है। झारखंड में एक से बढ़कर एक खिलाड़ी पैदा हुए हैं जो आज झारखंड का नाम विश्व के पटल है। यहां फुटबाल, हॉक्की, क्रिकेट, तिरंदाजी जैसे कई खेलों के खिलाड़ी मौजूद हैं। सिमडेगा के ग्रामीण इलाके में भी एस्टोटर्फ हॉकी स्टेडियम बनने से गांव के हॉकी खिलाड़ी और आगे बढ़ सकते हैं। वहीं विधायक ने कहा कि खेल और खिलाड़ियों को आगे बढाने का लगातार काम किया गया है। आने वाले दिनों में खेल के क्षेत्र में तेजी से काम करने का प्रयास किया जाएगा। मौके पर जिप सदस्य जोसिमा खाखा, उप प्रमुख सिलबेस्टर बाघवार सहित अन्य उपस्थित थे।

राशन नहीं मिलने की शिकायत पर बिरहोर समुदाय मिले भाजपा नेता

उपायुक्त से बात कर समस्याओं के समाधान का किया आग्रह

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा प्रखंड के बंगरू पंचायत के पहार टोली बिरहोर कलोनी के बिरहोर जनजाति के सूचना पर भाजपा नेता श्रद्धानंद बेसरा उनके बस्ती पहुंचे। उनकी समस्याओं से रूबरू हुए। उन्होंने श्री बेसरा को बताया कि विगत पांच महीनों से उन्हें राशन उपलब्ध नहीं किया गया है जिसके कारण उन्हें एवं उनके छोटे छोटे बाल बच्चों को भूखे रहना पड़ रहा है। वे दूसरों से भीख मांग कर जीवन बसर कर रहे हैं। श्री बेसरा ने बिरहोरों को कहा कि जनजातियों को आगे बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत उन्हें घर जाकर राशन उपलब्ध कराई जाती है। उन्हें पेंशन कि सुविधा दी जाती है। उनके बच्चों को पढ़ने लिखने के लिए प्रत्येक महिना सहयोग राशि उपलब्ध कराई जाती है और पढ़े-लिखे बच्चों को सरकार द्वारा नौकरी का प्रवधान किया जाता है। श्री बेसरा ने उपायुक्तसे संपर्क कर समस्या से रूबरू कराया एवं समस्या के निदान के लिए आग्रह किया। उपायुक्त ने श्री बेसरा को आस्वस्थ कराते हुए कहा कि समस्या का निदान जल्द कराया जाएगा।

महिलाओं पर होने वाले अत्याचार के खिलाफ आवाज उठानी होगी : प्रभात

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा महिला विरोध हिंसा उन्मूलन दिवस के मौके पर गरजा में जिला विधिक सेवा प्राधिकार एवं श्रमजीवी महिला समिति के संयुक्त तत्वावधान में शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार से चीफ एलएडीसी प्रभात कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि महिलाओं के ऊपर होने वाले अत्याचार के खिलाफ आवाज उठानी होगी। हर एक महिलाओं को अपने हक के लिए आगे आना होगा। अपने हक की लड़ाई के लिए खुद को मजबूत होना होगा। उन्होंने कहा कि हिंसा दुनिया में सबसे प्रचलित और व्यापक मानव अधिकार उल्लंघनों में से एक है। वैश्विक स्तर पर लगभग तीन में से एक महिला को अपने जीवन में से कम से कम एक बार शारीरिक और यौवन हिंसा दोनों का सामना करना पड़ता है। महिलाओं को अपने अधिकारों को पहचानना होगा।श्रीवास्तव ने कहा कि कई लोग ऐसे होते हैं जो अपने अधिकार के बारे में नहीं जानते हैं जो वकील की फीस नहीं चुका पाते हैं। इसके लिए महिलाओं के लिए नि शुल्क सहायता किया जाता है। उन्होंने कहा कि प्राधिकार कई तरह के विधिक सेवाएं प्रदान कर रहा है। जिसका लाभ उठाने के लिए लोगों को जागरूक होना पड़ेगा। श्रमजीवी महिला समिति की कम्युनिटी फैसिलिटेटर पुनिया नागवार ने कहा कि महिलाओं में जो हिंसा होता है। उसे खत्म करने के लिए सबको आगे आना पड़ेगा। बाल विवाह,शारीरिक शोषण,यौन उत्पीड़न,महिला, तस्करी,डायन कुप्रथा,दहेज प्रथा,एसिड अटैक,बाल मजदूरी,साइबर क्राइम इत्यादि विषय में विशेष जानकारी दी गई ताकि भविष्य में विषयों के विरुद्ध काबू पाया जा सके।कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रमजीवी महिला समिति की कम्युनिटी फैसिलिटेटर पुनिया नागवार द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम में गरजा पंचायत की मुखिया बसंती डुंगडुंग ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में आंगनबाड़ी सेविकाएं, गरजा पंचायत के स्वास्थ्य केंद्र की एएनएम एवं वार्ड सदस्य आदि का योगदान रहा।

ताइक्वांडो संघ ने बेल्ट परीक्षा का किया आयोजन

पढ़ाई के साथ-साथ खेल पर भी ध्यान देना चाहिए : जवाहर चौधरी

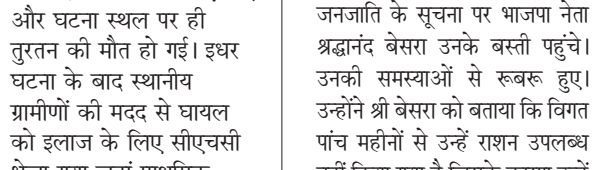

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा रविवार को इंडोर स्टेडियम सिमडेगा में सिमडेगा जिला ताइक्वांडो संघ के तत्वाधान बेल्ट परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न प्रखंड से लगभग 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को जिला ताइक्वांडो संघ के सचिव सह मुख्य प्रशिक्षक जुनास डांग ने ताइक्वांडो सीखने के फायदे के बारे जानकारी दिया। वहीं बताया की इससे आत्मरक्षा, आत्मविश्वास अनुशासन एंव शरीर स्वथ्य रहता है। ताइक्वांडो के नए नए पैर पैतरे सिखाया तथा बेल्ट परीक्षा लिया गया। संघ के अध्यक्ष जवाहर चौधरी ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा की पढ़ाई के साथ साथ खेल पर भी ध्यान देना चाहिए। इससे शारीरिक एवं मानसिक संतुलन अच्छा रहता है। अच्छी तरह मन लगाकर के साथ प्रशिक्षण देने को कहा। बेल्ट परीक्षा को सफल बनाने में संघ के संयुक्त सचिव सह राष्ट्रीय रेफरी अजय सिंह, राष्ट्रीय रेफरी मनी कुमारी, प्रशिक्षिका - दीक्षित कुमारी, पद्मावती कुमारी, प्रशिक्षक - विजय कुमार सिंह , प्रेम किडो, दिनेश्वर धुर्वा, मुन्ना ग्वाला, डेविड लुगून, राजेन्द मांझी का सहयोग रहा।

कुम्हार संघ की बैठक हुई,संगठन विस्तार पर हुई चर्चा

संगठन की मजबूती के बिना समाज का उत्थान असंभव : रमेश महतो

समाज के लोगों को अपने रोजगार के लिए स्वरोजगार कर माटी कला और अपने पुस्तैनी काम में भी प्रशिक्षित होकर रोजगार कर सकते हैं

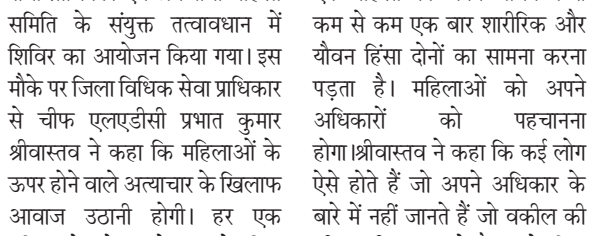

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा रविवार को महाराजा कॉम्प्लेक्स में कुम्हार समाज जिला समिति की एक बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष रमेश महतो ने की। बैठक में विशेष रूप से झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 में समाज के लोगों द्वारा अधिक संख्या में मत देने के लिए सभी को धन्यवाद दिया। मौके पर कहा गया कि सभी के एकजुट होकर अपने संगठन में रहकर ही समाज का विकास हो सकता है। वर्तमान में संगठन के बिना कुछ भी संभव नहीं है। समाज के लोगों को अपने रोजगार के लिए स्वरोजगार कर माटी कला और अपने पुस्तैनी काम में भी प्रशिक्षित होकर रोजगार कर सकते हैं। बताया गया कि आने वाले समय पर जिला कुम्हार समाज का जिला कुम्हार मिलन समारोह का अयोजन किया जाएगा। मौके पर संगठन विस्तार हेतु चर्चा की गई। जिसमें कहा गया कि सभी प्रखण्ड के मातृशक्ति एवं बुद्धिजीवी वर्ग के सभी लोगों के सहयोग और मार्गदर्शन से हम आगे बढ़ सकते हैं। बैठक में टुकुपानी पंचायत,कसडेगा पतरा टोली निवासी दिवगंत फूलचंद महतो को श्रधांजलि देते हुए कहा कि समाज की ओर से दुःख की इस घड़ी में समाज परिवार के साथ है।बैठक में विशेष रूप से सुबोध महतो सचिव , संजय कुमार महतो कोषाध्यक्ष ,रामकृष्ण महतो संगठन मंत्री, गणेश महतो जिला सदस्य समिति सदस्य,भरोसा महतो उपाध्यक्ष ,रामचरण महतो संरक्षक एवं शिबि महतो उपस्थित हुए।

बंग्लादेश में हिंदूओं पर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध में बंद का आह्वाहन

जलडेगा। शिव मंदिर परिसर कोनमेरला में हिन्दू समाज की बैठक रविवार को हुई। बैठक में बंगलादेश में हो रहे हिन्दूओं पर अत्याचार को लेकर चिंता व्यक्त की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि 11 दिसम्बर को गांव के सभी व्यवसायिक प्रतिष्ठान बंद करने का निर्णय लिया गया। जलडेगा में जूलूस का आयोजन किया जाएगा, जुलूस के माध्यम से डीसी के नाम बीडीओ को ज्ञापन भी सौंपा जाएगा। ज्ञापन में कहा कि गया जिस तरह से बंगलादेश की सरकार ने अत्याचार कर रही है वह बहुत ही निंदनीय है। हमें सड़क पर उतरकर इसका विरोध करना चाहिए और वहां के सरकार का हम सभी को विरोध करने की जरूरी है। बैठक में मोतीलाल ओहदार, अघना खड़िया, जोगे बिंझिया, त्रिलोक साहू, धुरन साहू, लालधारी नाग, अमीन हजाम, गोरांगो दुबे,महावीर साहू आदि उपस्थित थे।

मारवाड़ी ब्राह्मण सभा व विप्र फाउंडेशन ने किया मुक्तिधाम की सफाई

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा मारवाड़ी ब्राह्मण सभा एवं विप्र फाउंडेशन जॉन 6 सिमडेगा के द्वारा मुक्तिधाम की सफाई की गई। जिसमें समिति के सभी लोगों का योगदान रहा । विप्र फाउंडेशन सिमडेगा के अध्यक्ष राजेश शर्मा राजू की अगुवाई में समिति के सदस्य संजय शर्मा बल्लू, बजरंग शर्मा, बसंत शर्मा, राजेश शर्मा डब्बू, संजय शर्मा, आशीष शर्मा, सोनू शर्मा एवं अन्य लोगों का सहयोग रहा। नगर परिषद सिमडेगा के द्वारा दिए गए सहयोग के लिए भी विप्र फाउंडेशन आभार व्यक्त करता है। साथ ही अध्यक्ष राजेश शर्मा ने मुक्तिधाम आने वाले लोगों से अपील भी की है कि मुक्तिधाम को साफ एवं स्वच्छ रखने में सहयोग प्रदान करे। जहां तहां कचरे को न फेंके । क्योंकि यह हमलोगों को यह आखिरी स्थल है, जहां इंसान आकर जिंदगी की आखिरी सफर को पूरा करता है। यहां पर साफ सफाई रहने की जरूरत है। जब इंसान अंतिम सांस लेने के बाद यहां कई लोगों के संघ आता है और उसे अग्नि देकर उसके आखिरी सफर को पूरा कर दिया जाता है।

इमा प्रशिक्षण शिविर में लड़कियों ने सीखे आत्मरक्षा के गुण

नवीन मेल संवाददाता

रांची। इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी के तत्वाधान में बहु बाजार स्थित बिशप स्कूल में एक दिवसीय कराटे प्रशिक्षण शिविर सह कराटे ग्रेडिंग दो चरणों में संपन्न हुआ। जिसमें रांची के विभिन्न स्कूलों एवं क्लबों से 180 कराटे खिलाड़ियों ने भाग लिया।सभी खिलाड़ियों को इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी के तकनीकी निदेशक सह नेशनल कोच शिहान सुनील किस्पोट्टा ने एडवांस कुमिते (फाइट) एवं काता का प्रशिक्षण दिया साथ ही उन्होंने लड़कियों को आत्मरक्षा के गुरु से अवगत कराया जिसमें हथियार से बचने एवं बच कर अपनी आत्मरक्षा के तकनीक भी बतलाई गई। प्रशिक्षण के साथ सभी खिलाड़ियों का ग्रेडिंग टेस्ट भी हुआ जिसमें येलो बेल्ट के 45 ऑरेंज बेल्ट के 30 ग्रीन बेल्ट के 40 ब्लू बेल्ट के 20 पर्पल बेल्ट के 15 ब्राउन बेल्ट के 30 एवं ब्लैक बेल्ट के खिलाड़ी शामिल हुए। शिहान सुनील किस्पोट्टा ने कहा कि आगामी राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता को देखते हुए इस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है जिसमें खिलाड़ियों के तकनीकों को और निखारा जा सके जिसमें यह प्रतियोगिता में अपना अच्छा प्रदर्शन कर सके। प्रशिक्षण शिविर को सफल बनाने में इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी के अध्यक्ष अनिल किस्पोट्टा राकेश तिर्की उमा शंकर महतो रवि कुमार सिंह स्वस्तिका तफरदार ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

घाघरा में आभार व अभिनंदन समारोह में बोले चमरा लिंडा

आदिवासियों के लिए सरना धर्म कोड संजीवनी के समान है

नवीन मेल संवाददाता

घाघरा। घाघरा थाना क्षेत्र के रन्हे स्टेडियम में एसटी- एससी ओबीसी कल्याण मंत्री चमरा लिंडा के लिए आभार एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। जहां सैकड़ो की संख्या बिशुनपुर विधान सभा से ग्रामीण एवं कार्यकर्ता पहुंचे थे। पारंपरिक रीति रिवाज से माननीय मंत्री को सभा स्थल तक लाया गया। सर्वप्रथम स्वर्गीय कार्तिक उरांव एवं भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान चमरा लिंडा ने बिशुनपुर की जनता को धन्यवाद देते हुए कहा कि एसटी एससी व ओबीसी समाज के लोगों का स्वाभिमान को बढ़ाने केलिए कार्य किया जाएगा। सरना कोड प्राप्त करना हम आदिवासियों का फंडामेंटल राइट है, अब हम सरना कोड लेकर रहेंगे। बिशुनपुर विधान सभा से चयनित विधायक के उपर आस्था जताते हुए सीएम

हेमंत सोरेन ने आदिवासियों एवं पिछड़ा वर्ग के लोगों के सामाजिक उत्थान की जो जिम्मेदारी दी है। उसे हर हाल में पूरा करने का प्रयास करूंगा। उन्होंने उपस्थित महिलाओं से आग्रह करते हुए कहा है कि घरों में शराब बनाना बंद करें शराब हमारे विकास का बाधक है। मईया सम्मान योजना के तहत 2500 रुपये मिलेंगे अब आप अपने बच्चों को डीएवी और डीपीएस जैसे बड़े विद्यालयों में भेज कर पढ़ा सकते है। शिक्षा से ही हमारा सामाजिक एवम आर्थिक विकास संभव है। शिवराम कच्छप ने कहा कि बिशुनपुर विधान सभा की जनता ने लगातार चार बार लिंडा जी को विधायक बना कर इतिहास रच दिया। उन्होंने कहा कि हम विश्वास दिलाते है कि अंतिम सास तक हम आपके हक एवम अधिकार के लिए लड़ेंगे। स्कूली छात्राओं द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया।इस मौके पर मुख्य रूप से शिवराम कश्यप, ललिता लिंडा, अशोक उरांव, सतवंती देवी, संजीव उरांव, कृष्णा लोहरा, विजय साहू, लाल उरांव, विनोद उरांव, संजय उरांव, कामाख्या भगत, बलिराम लाल, सत्येंद्र उरांव, चंद्रदेव उरांव, देवेंद्र उरांव, शीला कुजूर सहित सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद थे।

न्यूज बॉक्स

मंत्री बनने पर लोगों ने सुदिव्य कुमार सोनू को दी बधाई

गावां। गावां प्रखंड अध्यक्ष अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में झामुमो प्रतिनिधि मंडल ने सुदिव्य कुमार सोनू के मंत्री बनाए जाने पर बधाई दिया है। झामुमो प्रतिनिधि मंडल ने गिरिडीह स्थित उनके आवास पर मिलकर सुदिव्य कुमार सोनू से मिलकर हेमंत सोरेन सरकार में पर्यटन, खेल, नगर आवास मंत्री बनाए जाने पर बधाई दिया है। इसके बाद प्रखंड अध्यक्ष अजय कुमार सिंह ने गावां प्रखंड के विभिन्न समस्याओं से सुदिव्य कुमार सोनू को अवगत कराया और उसके समधान किए जाने की मांग की। बधाई देने वालों में झामुमो के गावां प्रखंड अध्यक्ष अजय कुमार सिंह के अलावे बासदेव यादव, प्रदीप सिंह, सोनू कुमार समेत कई लोग शामिल थे।

याशिका किंजर ने डीएवी नेशनल में जीता सिल्वर मेडल

रांची। रांची के चतरा राइफल क्लब की होनहार शूटर याशिका किंजर ने डीएवी ेाशनल शूटिंग प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीतकर अपने माता-पिता और क्लब का नाम रोशन किया। याशिका, जो ऊअश हीहल की छात्रा हैं, ने मात्र 4 महीनों की कड़ी मेहनत और अभ्यास के बाद यह उपलब्धि हासिल की है। याशिका ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और कोच को दिया। उन्होंने कहा कि उनके माता-पिता का सहयोग और मार्गदर्शन उनके लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है। उनकी इस जीत से परिवार और कोच, नितीश कुमार, बेहद गर्वित हैं। नितीश कुमार ने याशिका की इस उपलब्धि को क्लब के लिए एक बड़ी सफलता बताया। चतरा राइफल शूटिंग क्लब के कोच नितीश कुमार का कहना है कि याशिका जैसी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सही प्रशिक्षण और प्रोत्साहन दिया जाए तो वे भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपना परचम लहरा सकती हैं। याशिका की इस जीत पर उनके परिवार और स्कूल ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पदक विजेता खिलाड़ियों को रांची पहुंचने पर हुआ स्वागत

रांची। 26 नवम्बर से 06 दिसम्बर तक सिकंदराबाद, तेलंगाना में संपन्न 14वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2024 में झारखंड टीम की ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीतकर राज्य का परचम लहराया। विजेता खिलाड़ियों के रांची पहुंचने पर फूल और मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया गया। हॉकी इंडिया के महासचिव सह हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह ने चैंपियंस बेटियों को बधाई देते हुए कहा कि सभी खिलाड़ियों ने उम्दा प्रदर्शन से राज्य को गौरवान्वित किया है। हॉकी झारखंड की ओर से 1 लाख रुपए दे कर सम्मानित किया। इस स्वागत सह सम्मान समारोह में हॉकी इंडिया के महासचिव सह झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह, हॉकी झारखंड के महासचिव विजय शंकर सिंह, सीईओ रजनीश कुमार, रणधीर कुमार, एकलव्य हॉकी अकादमी के कोच सुधीर कुमार एवं 14वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2024 के टीम कोच अभिषेक कुमार साहु उपस्थित थे।

पल्स पोलियो अभियान की हुई शुरूआत

डुमरी। पल्स पोलियो अभियान के सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करने को लेकर रविवार से तीन दिवसीय कार्यक्रम की शुरूआत हुई। इसका उद्घाटन रेफरल अस्पताल में प्रमुख उषा देवी रेफरल अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ राजेश कुमार महतो, चिकित्सक सरोज कुमारी एवं राहुल अग्रवाल ने संयुक्त रुप से फीता काट कर किया। इस दौरान उपरोक्त लोगों ने 0-5 वर्ष के बच्चों को पालियों की खुराक भी पिलाई। चिकित्सा प्रभारी ने बताया कि आज से पल्स पोलियों अभियान की शुरूआत हुई है जो 10 दिसंबर तक चलेगा। पहले दिन बूथ स्तर पर 0-5 साल के बच्चों को पोलियों का खुराक पिलाया जाएगा तथा 9 एवं 10 दिसंबर को घर घर जाकर पल्स पोलियों की खुराक पिलाई जाएगी।

प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम को लेकर जेजेए ने की बैठक

निरसा। झारखंड जर्नलिस्ट एसोशिएसन की बैठक रविवार को निरसा विधानसभा के चिरकुंडा नगर परिषद क्षेत्र के पुष्पा लॉज में आयोजन किया गया।बैठक की अध्यक्षता झारखंड जर्नलिस्ट एसोशिएसन के जिला सचिव संतोष साव के नेतृत्व में की गई।वही कार्यक्रम का संचालन निरसा विधानसभा के जेजेए अध्यक्ष संजय कुमार शर्मा द्वारा किया गया।इस बैठक में मुख्य अतिथि के तौर पर धनबाद जिला अध्यक्ष मनीष झा व जिला कोषाध्यक्ष सुनील भण्डारी उपस्थित रहें।उपस्थित दर्जनों पत्रकार साथियों ने कई बिंदुओं पर चर्चा की। साथ ही आगामी 25 दिसम्बर को प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम गढ़वा के बंशीनगर में आयोजन पर ज्यादा से ज्यादा संख्या में सभी से उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील किया गया।कार्यक्रम के दौरान झारखंड जर्नलिस्ट एसोशिएसन से जुड़े साथियों के बीच आईडी कार्ड का वितरण किया गया। इस बैठक में विरेन्द्र सिंह, बिजेंद्र वर्मा, अरविंद सिंह, अनोजीत सेन, सलाउद्दीन कुरैशी, प्रदीप राज, रणधीर सिंह उर्फ विट्टू एवं नीलरत्न कांजी लाल मुख्य रूप से उपस्थित थे।

एक नजर

अरुणोदय क्रिकेट एकेडमी ने जीत हासिल की

रांची। रांची जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित सात्विक मेमोरियल 'ए' डिविजन क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घघाटन रविवार को रातु रोड स्थित ओटीसी मैदान में पूर्व आईपीएस अधिकारी डॉ अरूण उरांव के द्वारा दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया। उद्घाटन मैच अरुणोदय क्रिकेट एकेडमी एवं जस्टिस (ग्रीन) क्रिकेट एकेडमी के बीच खेला गया। जिसमें अरुणोदय क्रिकेट एकेडमी ने जीत हासिल कि उद्घाटन समारोह में जिला क्रिकेट संघ के कार्यकारणी सदस्य रमेश कुमार, मुज्जफर अली, मुन्ना, सहायक सचिव सुनील पाल और हेहल क्लब के सचिव कैलाश सिंह , शाहिद मिर्जा, प्रशांत कुमार एवं कल्ब के खिलाड़ी आदि मौजूद थे।

मेगा कानूनी सशक्तीकरण शिविर का आयोजन

धनबाद। टुंडी प्रखण्ड सभागार में रविवार को जिला विधिक सेवा द्वारा एक दिवसीय मेगा कानूनी सशक्तीकरण शिविर का आयोजन किया गया। बतौर मुख्य अतिथि जिला न्यायिक दंडाधिकारी हेमंत कुमार सिंह ने उपस्थित ग्रामीणों को डालसा द्वारा आमजनों को निःशुल्क कानूनी सहायता के अलावे विभिन्न नेक समाजिक कार्य में सहयोग लेने को कहा। सभी अतिथियो द्वारा लाभुकों को जाती प्रमाण पत्र ,व्हील चेयर ,केसीसी ऋण, मईयाँ योजना स्वीकृती पत्र आदि सरकारी परिसंपती का वितरण किया गया।

झारखंड दिव्यांग महिला क्रिकेट टीम उपविजेता हो कर रांची लौटी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। दिव्यांग क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 'उमाग दिव्यांग महिला क्रिकेट टूर्नामेंट' जो 04 से 6 दिसंबर तक भोपाल शहर ओल्ड चैंपियांन ग्राउंड मे सम्पन्न हुआ। इस टूर्नामेंट में छह राज्य झारखंड, जम्मू कश्मीर, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र, तेलंगाना, और केरल ने हिस्सा लिया। झारखण्ड की टीम ने संजुकता एक्का की कप्तानी में खेला। झारखंड की टीम ने जम्मू कश्मीर और महाराष्ट्र को हराकर फाइनल में पहुंची। छह दिसंबर को मध्यप्रदेश के साथ फाइनल खेला गया। फाइनल मैच में मध्यप्रदेश से झारखंड 5 रन से हार कर उप विजेता रहा। इस पूरे टूर्नामेंट मे मैन ऑफ द सीरीज और बेस्ट बैट्समैन का खिताब झारखंड के कप्तान संजुक्ता एक्का को एवं बेस्ट बॉलर का खिताब महिमा उरांव को दिया गया। झारखंड उपविजेता टीम को पुरुस्कार ट्रॉफी के साथ नकद राशि दिया गया। पहली बार झारखंड के दिव्यांग महिला खिलाड़ी ने डे नाइट सीरीज खेल कर इतिहास रचा। पूरे टीम को झारखंड पैरा ओलंपिक कमिटी ऑफ झारखंड के सचिव एवं अंतरास्ट्रीय खिलाड़ी मुकेश कंचन ने रांची रेलवे स्टेशन पर हौसला अफजाई करते हुए स्वागत किया। उन्होंने सभी खिलाड़ी को शुभकामना देते हुए पुनः तैयारी करने को कहा। भूरे टिम को राहुल मेहता अध्यक्ष झारखंड डिसेबल क्रिकेट एसोसिएशन, सरिता सिन्हा सचिव, उपाध्यक्ष पतरस तिर्की, समाज सेवी जगदीश सिंह जग्गू, ने बधाई दिया। इस टीम मे संजुकता एक्का कप्तान, प्रतिमा तिर्की, महिमा उरांव, असुनता टोप्पो, सरिता मुंडा, सुनीता कुमारी, शैलेन्द्र, सुष्मिता शामिल थे।

बच्चों ने पाठ्य सामग्री और विज्ञान प्रदर्शनी का किया आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

बाघमारा। संस्कार ज्ञानपीठ 10+2 विद्यालय पीयूष विहार हरिना में पठन पाठन पाठ्य सामग्री और विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बीसीसीएल, बरोरा क्षेत्र के महाप्रबंधक पीयूष किशोर, विद्यालय के निदेशक डॉ मुकेश कुमार राय, प्राचार्या रश्मि कुमारी, एकेडमिक कॉर्डिनेटर काजल कुमारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से चैंबर ऑफ कॉमर्स हरिना बाघमारा के अध्यक्ष मिथिलेश कुमार, मंदीप पाण्डेय, चंद्रशेखकर सिंह, संतोष कुमार, बलराम चौहान,सतीश मिस्त्री, मीनू बरनवाल, विद्युत भट्टाचार्य सहित सैकड़ों अभिभावकों ने बच्चों द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया।इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने विभिन्न और अद्भुत विज्ञान से संबंधित मॉडल प्रस्तुत किया जो बहुत ही सराहनीय था।

इस प्रदर्शनी में अनेकों बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। रोली, कृषिका पलक कक्षा 6 से वेस्ट वाटर प्यूरीफिकेशन। आयुषी, स्वीटी और मन्नत कक्षा 7 से सोयल प्रोफाइल। कुंवर और समीर कक्षा 7 से इलेक्ट्रिक बेल। आशीष, महेश और राजवीर कक्षा 7 से ऑटोनॉमस फॉलोवर रोबोट। निशा, परी, सुनैना, शाहिद, मनीष, प्रिंस और जय ने चंद्रयान-3, सुशील, श्रेयांश और सुमित कक्षा 7 से वॉल्केनो।सुप्रिया,साक्षी और श्रेष्ठा ने रूफ टॉप रैन वाटर हार्वेस्टिंग। अभिषेक और दीपक ने इलेक्ट्रिक इंडक्शन, सागर, अनमोल और गौरव ने लेजर लाइट। निशिता, मानवी और प्रिया ने ब्लड प्रेशर चेक किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में काजल कुमारी, मलय मिश्रा, शिल्पा राय मामी सरकार, रानी सिंह, अरुण प्रमाणिक विजय कुमार,आनंद गौतम,नीरज रावत, सुभाष रजक, एकता जायसवाल, स्वेता कुमारी, सरस्वती, चंडी मिश्रा, स्वाति, स्मृति, वसीम अंसारी ,विजय कुम्हार आदि शिक्षक शिक्षिकाओं का सराहनीय योगदान रहा।

39वीं राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में विमल राज ने जीता कांस्य पदक

राज्य की ओर से भाग ले रहे अन्य एथलीटों का सराहनीय प्रदर्शन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारतीय एथलेटिक संघ,नई दिल्ली एवं ओडिशा एथलेटिक्स संघ के संयुक्त तत्वावधान में भुनेश्वर शहर के कलिंगा स्टेडियम में 7 से 11 दिसंबर तक आयोजित किया गया। 39वी राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में बालक अंडर 14 आयु वर्ग के ट्रायथलन ग्रुप बी.में रामगढ़ के विमल राज ने 2863 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। वहीं इस स्पर्धा का स्वर्ण भार्गव बरुआ असम एवं रजत पदक पश्चिम बंगाल के अभिजीत वर्मन ने जीता। वहीं राज्य की ओर से भाग ले रहे एथलीटों में बालक अंडर 20 वर्ष -1500 मीटर - विवेक पाल - पांचवा, बालक अंडर 18 वर्ष - 5000 मीटर पैदल चाल- प्रशांत कुमार-दोनों बोकारो- चौथा ,

बालिका अंडर 20- 5000 मीटर - संघमित्रा महथा- गिरीडीह - छठा, बालक - अंडर 14 वर्ष ट्रायथलन ग्रुप ए- संतोष मुर्मू - साहेबगंज- सातवें, बालिका अंडर 14 ट्रायथलन ग्रुप बी - सपना यादव साईं रांची, पांचवें, बालिका अंडर 16 वर्ष - 60 मीटर - ममता मेरी मुर्मू जे एस एस पी एस, रांची - चौथे, बालक अंडर 16 वर्ष - लंबी कूद - राहुल बोबांगा, पश्चिम सिंहभूम- आठवें, बालिका अंडर 20 वर्ष- ऊंची कूद - अमनदीप कौर - चौथे स्थान पर रही। जबकि बालक अंडर 18 - संदीप कुमार, साईं रांची, दीपक मुंडा, जे एस एस पी एस,रांची , बालिका अंडर 16 जेवलिन थ्रो - शिल्पा कुमारी ,बालक अंडर 18 -400 मीटर साकेत मिंज , बालिका अंडर 20 वर्ष- आकांक्षा कुमारी 400 मीटर (सभी साईं रांची)फाइनल में पहुंचे हैं । ज्ञात झारखंड राज्य से कुल 42 सदस्यी भाग ले रही है । झारखंड एथलेटिक्स संघ प्लानिंग कमिटी के चेयर मैन डॉ मधुकांत पाठक, जे. ए. अध्यक्ष सी. डी. सिंह,सचिव एस. के. पांडेय समेत संघ के पदाधिकारियों ने पदक विजेता एथलीट कोच आशु भाटिया, मैनेजर अनुभा खाखा को बधाई दी।

शादी का प्रलोभन देकर किया यौन शोषण

शादी से किया इनकार, मामला हुआ दर्ज, युवक गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

गावां। गिरिडीह की एक युवती ने गावां थाना क्षेत्र के गदर निवासी मो सहनवाज आलम (27) वर्ष पर शादी का प्रलोभन देकर लगातार 5 साल तक यौन शोषण करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गावां थाना को दिए आवेदन में युवती ने कहा है कि उक्त युवक के साथ उसका पिछले 5 साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। साथ में घूमना फिरना मिलना जुलना होते रहा। जब भी शादी करने की बात करती तो हर बार कोई न कोई बहाना बनाकर टाल देता था। इस दौरान कई बार युवक ने उसके साथ शारिरिक सम्बन्ध बनाया। 5 माह पूर्व भी गावां बुलाकर उसे गावां पुल के नीचे ले गया और शारिरिक सम्बन्ध बनाया। इसकी जानकारी गांव समाज के लोगों को मिली तो समाज के प्रबुद्ध लोगों के साथ दोनों के परिवार वालों को बुलाकर बैठक की गई। आवेदन में कहा गया है कि समाज की बैठक में निर्णय लिया गया कि दोनों एक जाति धर्म के हैं तो आगामी 2 नवम्बर को दोनों सहमति पूर्वक कोर्ट मैरिज कर लेंगे। इस पर लड़का व उसके परिवार वाले राजी हो गए। परंतु जब 2 नवम्बर आया तो लड़का शादी से इनकार करते हुए कोर्ट नहीं पहुंचा। पीड़िता ने थाना में मामला दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की है। इधर गावां थाना के एसआई पिंकू सिंह ने कहा कि पीड़िता के आवेदन पर कांड संख्या 122/2024 के तहत मामला दर्ज करते हुए शाहनवाज आलम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

सब जूनियर झारखंड स्टेट कराटे चैंपियनशिप संपन्न

सुप्रिया सहित दर्जनों ने जीता गोल्ड मेडल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सब जूनियर झारखंड स्टेट कराटे चैंपियनशिप 2024 का समापन रविवार को खेल गांव स्तिथ गणपत राय स्टेडियम में हुआ। प्रतियोगिता के दूसरे दिन 7, 8,9 एवं 10 वर्ष के कराटे प्लेयर्स का काता एवं कुमिते का प्रतियोगिता हुआ। विजेताओं को हंसी मानस सिन्हा, सेंसरी हेजाज असदक, शिहान नप्पू कुमार सिन्हा, शिहान रंजीत मेहता द्वारा मेडल प्रदान किया गया। बब्लू कुमार की भी अपनी भूमिका रही।

गोल्ड : सुप्रिया कुमारी, आदर्श अरूण कश्यप, विहान कश्यप, अंश कुमार, रामानुजन, शैफाली चौधरी, हिमेश साईं, अवीक कुमार, अर्पिता मिश्रा काशवी मेहता, अलीशा टोपनो, प्रिंस, हर्ष कार्लुडिया कुमार, ऋद्धिपता रानी, दिशा प्रधान, सुमन कुमारी, प्राप्ति रॉय, अवनिका, आर्यन कुमार गंजु, अनुपम टोपनो, आराध्या कुमारी से जीता।

सिल्वर : रितिका कुमारी, रुद्र सिंह, हर्ष बंदों, अनुभय कुमार, मयंक, अनुप्रिया कुमारी, हमजा इकबाल, टिमोथी जॉन, वंशिका साह, सुधा रानी टोपनो, बेबी कुमारी, संध्या पूर्ति, आर्यन कुमार महतो, प्रभास मेहता, अमृत, अमृत विश्राम टूटी, लिजा टोपी, हीरा बडेरा, आराध्या साहु, सुमन कुमारी, सौरभ, प्रभजोत कौर ने जीता

ब्रॉन्ज : दृष्टि थापा,ऋत्विक राय, अद्विक आनंद, अजय कुमार महतो, शशि होरा आदित्य शर्मा, आराध्या श्रीवास्तव, निधि कुमारी,यश टोप्पो, प्राजंल श्रीवास्तव, आरोही कुमारी, दिव्यांशी दिती, मनीष भेंगरा, युवराज पांडे, शास्वत, माही कुमार केशरी, विदुषी राय शगुन हेंब्रम, स्प्रिहा जैन, संवि मुंडा , प्राप्ति पी रॉय, कुशल सिंह महतो, अनाया ने जीता।

कतरास के युवक ने काशी कवि कुम्भ में दिखाया जलवा, बढ़ाया झारखंड का मान

देशभर के 201 नामचीन कवियों ने कार्यक्रम में किया शिरकत

नवीन मेल संवाददाता

कतरास। धनबाद जिला अंतर्गत कतरास के रहने वाले सचिन सिन्हा ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में आयोजित काशी कवि कुम्भ सम्मेलन में हिस्सा लेकर हजारों लोगों के बीच अपना जलवा बिखेरा। इस भव्य कार्यक्रम के आयोजनकर्ता मातृभाषा हिंदी संगठन के कुमार लक्ष्मीकांत, निर्भय निर्वाण,मधुसूदन,धर्मराज, सुभाष आर्य,प्रीति कुमारी आदि सदस्यों ने कवि सचिन सिन्हा एवं अन्य कवियों को अंग वस्त्र तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सचिन सिन्हा ने बताया कि इस 2 दिवसीय विशाल कार्यक्रम का आयोजन काशी सेवा समिति के पंडित मदन मोहन मालवीय सभागार वाराणसी में हुआ। जिसमें झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, पश्चिम बंगाल आदि देश भर से 201 कवि शामिल हुए। अपनी कविता का विषय और उसके उद्देश्यों के जिक्र करते हुए उन्होंने

बताया कि 'अपनी जिम्मेदारी' नामक कविता के माध्यम से नारी सुरक्षा के विषय में अपनी जिम्मेदारी का एहसास कराते हुए समाज को झकझोर कर जगाने का प्रयास किया है। दूसरी कविता जिसका शीर्षक ₹जीवन₹ है, के माध्यम से व्यक्ति के जीवन में आने वाले उतार चढ़ाव का वर्णन और उसका सुंदर चित्रण करते हुए जीवन को सकारात्मक रूप में परिभाषित करने का प्रयास किया। इस कार्यक्रम में मानद सदस्य के रूप में वाराणसी विकास प्राधिकरण के अंबरीश सिंह भोला उपस्थित थे। इसके अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सहयोगी रितेश राय, अंतर्राष्ट्रीय हास्य कवि चकाचौंध ज्ञानपुर, काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा, आदर्श ब्राह्मण फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह भारत विकास आयोग के संयुक्त सचिव आशुतोष उपाध्याय, मशहूर हास्य कवयित्री पूनम श्रीवास्तव, झारखंड लेखक संघ के अध्यक्ष चंदन प्रजापति आदि नामचीन लोग उपस्थित थे। बता दें कि कवि सचिन सिन्हा पत्रकार सह आरटीआई कार्यकर्ता अरबिन्द सिन्हा के छोटे भाई है एवं वर्तमान में केंद्रीय सचिवालय दिल्ली में वित्त मंत्रालय विभाग में वे अपनी सेवाएं दे रहे हैं। सचिन सिन्हा ने काव्य धारा नामक पुस्तक भी लिखा है जो बहुत ही कम लागत में अमेजन, फ्लिपकार्ट तथा अन्य शॉपिंग एप्प में ऑनलाइन उपलब्ध है।

संपादकीय

किसान आंदोलन व राजनीति

दिल्ली को बार बार बाधित करने वाले अन्नदाताओं की समस्याओं का समाधान आखिर कब होगा? क्या उनकी मांगे भविष्य में कभी पूरी हो भी पाएंगी या नहीं? केंद्र में सरकार चाहे कांग्रेस की हो या भाजपा की, हर दौर में लगभग यही सब कुछ देखने को मिलता रहा है। आंदोलन का स्वरूप भले अलग हो पर सरकारों का रवैया सदैव एक जैसा ही रहता है। इसलिए एकाएक किसी सरकार को दोषी ठहराना किसी उचित नहीं जान पड़ता है। किसान आंदोलनों से जो समस्याएं उपजती हैं, उसका खामियाजा सिर्फ और सिर्फ आमजन ही भुगतते हैं। समस्याएं कितनी बढ़ जाती हैं इस ओर शायद किसी का भी ध्यान नहीं जाता। मरीज, छात्र, राहगीर, दैनिक कर्मी तो बेहाल होते ही हैं, रोजमर्रा के क्रियाकलाप भी रुक जाते हैं। दो दिसंबर को भी यही हुआ, जब किसान उत्तर प्रदेश के एक छोर से चले, तो सड़कों पर दौड़ने वाले तेज वाहनों के पहिए थम गए। क्या मरीज, क्या नौकरीपेशा, सभी के पैर अपने जगह रूक गए। क्या मरीज, क्या नौकरीपेशा, सभी के पैर अपने जगह रूक गए। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर किसान संगठनों ने एक बार फिर दिल्ली पर चढ़ाई करने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि ऐसा करने से उन्हें बलपूर्वक बॉर्डरों पर ही रोका गया है। पर, हालात दिल्ली-एनसीआर के एक बार फिर बिगड़ते दिखाई पड़ने लगे हैं। इस बार भी किसानों के तेवर उग्र दिख रहे हैं। अन्नदाता लंबा आंदोलन करने के मूड़ में दिखाई पड़ते हैं। इतना तय है, अगर उनकी समस्याओं का समाधान समय रहते नहीं हुआ, तो हालात पिछले किसान आंदोलन जैसे बनने में वक्त नहीं लगेगा। किसान केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार को बीते एक महीने से अल्टीमेटम दे रहे थे कि उनकी मांगे मानी जाएं, उनसे बात करे कोई जिम्मेदार व्यक्ति, जिससे दोनों पक्ष बैठकर कोई हल निकाल सकें। लेकिन उनकी बातों को प्रशासनिक स्तर पर एक बार भी अनसुना और अनदेखा किया गया।दिल्ली पहुंचने के लिए गौतमबुद्ध नगर से करीब 50,000 से अधिक किसान सोमवार सुबह यानी दो तारीख को नोएडा महामाया फ्लाईओवर के पास एकत्रित हुए, फिर उन्होंने दिल्ली कूच का प्लान किया, हालांकि तत्काल रूप से तो पुलिस ने उनकी योजना को विफल कर दिया है। लेकिन किसान बॉर्डर पर ही डटे हुए हैं, वह किसी भी सूरत में दिल्ली पहुंचना चाहते हैं। उनको लगता है संसद का शीत सत्र चालू है। पूरी प्रशासनिक मशीनरी इस समय एक साथ है, उनकी बातें आसानी से पहुंच सकती है। पर, ऐसा होता दिख नहीं रहा। केंद्र सरकार इतनी आसानी से सबकुछ मान लेगी, ऐसा भी दिखाई नहीं पड़ता। इसलिए किसान भी काफी उग्र हैं। अपने साथ लंबे आंदोलन को करने के लिए तामझाम लेकर पहुंच हैं। राशन, टैक्टर, मोटरसाइकिल, गैस सिलेंडर, तंबू आदि है उनके पास। झारखंड या अनेक राज्यों के किसान इनसे अप्रभावित हैं क्योंकि उनमें इन छोटे किसानों की झलक नहीं दिखती।

केंद्र में सरकार चाहे कांग्रेस की हो या भाजपा की, हर दौर में लगभग यही सब कुछ देखने को मिलता रहा है। आंदोलन का स्वरूप भले अलग हो, पर सरकारों का रवैया सदैव एक जैसा ही रहता है। इसलिए एकाएक किसी सरकार को दोषी ठहराना कहीं से उचित नहीं जान पड़ता है। किसान आंदोलनों से जो समस्याएं उपजती हैं, उसका खामियाजा सिर्फ और सिर्फ आमजन ही भुगतते हैं।

बॉर्डर फिल्म की कहानी अच्छी और प्रेरक है पर अधूरी है : ले कर्नल (सेनि) कुलविंदर सिंह

1971 के भारत-पाक युद्ध में लोंगेवाला की निर्णायक लड़ाई पर अंग्रेजी में प्रकाशित गन्स ऑफ लोंगेवाल सैन्य इतिहास में रुचि रखने वालों के लिए एक बहुत ही रोचक पुस्तक है। लोंगोवाल युद्ध पर बनी 'बॉर्डर' फिल्म प्रसिद्ध हुई थी। इस फिल्म में भारतीय तोपखाने की भूमिका को नजरअंदाज किया गया। जबकि किसी भी युद्ध को तोपखाने के बैकअप के बिना नहीं लडा जाता है। यह सुनिश्चित करना था कि लोंगेवाला के पोस्ट को पैदल सेना द्वारा तब तक कब्जे में रखा जा सके जब तक कि अगले दिन के उजाले के बाद भारतीय वायु सेना की मदद मिल सके। तोपखाना की 185 लाइट रेजिमेंट इस युद्ध की पहली रात को लोंगेवाला में स्थिति संभालने के लिए रेगिस्तान के घने अंधेरे में रात भर तेज गति से गाड़ी चलाते हुए इस क्षेत्र में पहुंची थी ।पर आश्चर्यजनक है कि तोपखाने की इस भूमिका को फिल्म में पूरी तरह से अनदेखा कर दिया गया। यह पुस्तक असलियत को सामने रखकर रिकॉर्ड को सही करती है और इसमें घटनास्थल पर मौजूद एक सैन्य अधिकारी द्वारा अनुभूत युद्ध का जीवंत और असली विवरण है। लेखक लेफ्टिनेंट कर्नल (सेवानिवृत्त) कुलविंदर सिंह ने अपने वर्तमान निवास स्थान कनाडा से बताया कि 'लोंगेवला की लड़ाई' मशहूर बॉलीवुड फिल्म 'बॉर्डर' में दिखाए गए फिल्मी चित्रण से अलग है। युद्ध के दिग्गज लेफ्टिनेंट कर्नल (सेवानिवृत्त) कुलविंदर सिंह, जो 'गन्स ऑफ लोंगेवाला' पुस्तक के लेखक हैं, ने युद्ध के महत्वपूर्ण पहलुओं और ऐतिहासिक जीत में आर्टिलरी और इन्फैंट्री द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की। युद्ध के अनुभव साझा करते हुए ऊंहोने आगे कहा कि यह एक प्रकार से खुफिया तंत्र की विफलता थी क्योंकि दुश्मन हमारी सीमा के पार बैठा था और हमारे पास उसका कोई सुराग नहीं था।

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

साक्षात्कार के कुछ अंश -

प्रश्न : ऐतिहासिक 1971 लोंगेवाला युद्ध के नायक होने के नाते, अब जब आप पीछे मुड़कर देखते हैं, तो आपके दिमाग में क्या आता है?

उत्तर : मेरे दिमाग में यही बात आती है कि भारतीय सेना बहुत मजबूत है और हमारी सेनाओं के बीच बेहतरीन समन्वय है। हम किसी धर्म को नहीं मानते। हमारे लिए राष्ट्र हमेशा सबसे पहले है। सभी युद्धों में हमारी सफलता के पीछे सबसे बड़ा कारण सभी सेनाओं के बीच आपसी सहयोग है।

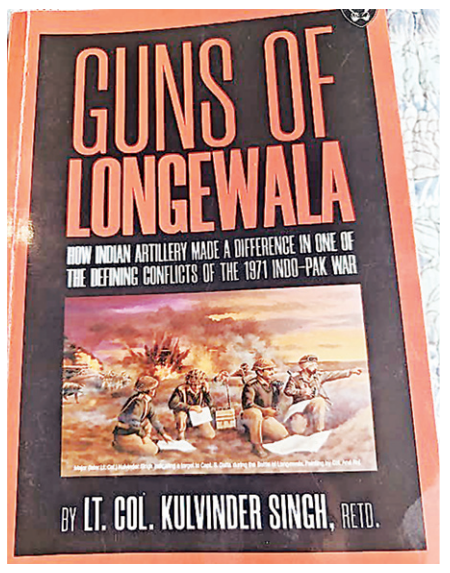

प्रश्न : इस तथ्य के बावजूद कि पाकिस्तानी सेना संख्यात्मक रूप से हमसे अधिक मजबूत थी, हमने तीन दिनों में युद्ध जीत लिया। इतिहास को 1971 के युद्ध और आर्टिलरी तथा 185 लाइट रेजिमेंट की भूमिका को किस तरह याद रखना चाहिए?

उत्तर : पाकिस्तान बहुत बड़ी योजना के साथ आया था, लेकिन उसमें बहुत सारी खामियाँ थीं। सबसे पहले, टैंक और वाहन आदि सहित बख्तरबंद ब्रिगेड तब तक आगे नहीं बढ़ती जब तक कि उनके पास हवाई सुरक्षा कवर न हो। इसलिए, उन्होंने जो बड़ी गलती की, वह यह थी कि वे अति आत्मविश्वास में थे। आवश्यक हवाई सुरक्षा कवर से पहले, उन्होंने सोचा कि वे हमारी चौकियों को पार कर जैसलमेर तक पहुंच जाएंगे। लेकिन, दुर्भाग्य से उनके टैंक और वाहन हमारी वायु सेना द्वारा मारे गए और फिर वे रात में एक कांटेदार तार से टकरा गए, यह सोचकर कि यह एक बारूदी सुरंग है। लेकिन इस बीच, हमने उन्हें जवाब देने में बहुत तेजी दिखाई। और, मुझे भागते हुए वहां पहुंचने का आदेश मिला जबकि हम समय के खिलाफ दौड़ रहे थे। और फिर मैंने अपनी बैटरी(टैंक) ली और अपरंपरागत तरीके से तैनात किया। और इससे पहले कि दुश्मन को पता चले, हम उन पर बमबारी कर रहे थे। इससे वे आश्चर्यचकित हो गए क्योंकि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि तोपखाने की रेजिमेंट उस क्षेत्र में थी। इसलिए, भारतीय वायु सेना के आने से पहले हम उन पर भारी बमबारी कर रहे थे। फिर वायु सेना आई और उन पर हमला करना शुरू कर दिया और जब वे ईंधन भरने के लिए वापस लौटे, तो हमने (आर्टिलरी रेजिमेंट) पर कब्जा कर लिया और हम उन पर हमला कर रहे थे। तो आर्टिलरी रेजिमेंट लगातार वहां थी, दुश्मन पर हमला कर रही थी और युद्ध पर हावी हो रही थी।

प्रश्न : 1971 के लोंगेवाला युद्ध की बात करते समय तोपखाने और पैदल सेना रेजिमेंट की भूमिका की बात क्यों नहीं की जाती?

उत्तर : ऐसा इसलिए क्योंकि वहां 12 पैदल सेना डिवीजन थे और मैं इसका हिस्सा था और उनकी भूमिका आक्रामक होने की थी। हम रहीमयार खान की ओर आक्रामक हो रहे थे और तनोट (तनोट मंदिर के पास) पर बैठे थे। इसलिए हम आगे बढ़ रहे थे और हमें इस बात का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि पाकिस्तान हमला करने वाला है । मैं कहूंगा कि यह एक खुफियातंत्र की विफलता थी क्योंकि दुश्मन हमारी सीमा पर बैठा था और हमें कोई सुराग नहीं था। इसके बाद, जब दुश्मन आया, तो हमने तुरंत प्रतिक्रिया की। हमने नियंत्रण पाया और उन्हें हरा दिया। जब अंततः बॉर्डर फिल्म सिनेमाघरों में आई तो हर कोई इस युद्ध के बारे में बात करने लगा। फिल्म में कई चीजें छूट गईं क्योंकि वे हमारी पैदल सेना के खिलाफ भारी बाधाओं को दिखाना चाहते थे क्योंकि अंत में यह सिर्फ एक फिल्म है जो सिर्फ बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के बारे में सोचती है। लेकिन मैं जेपी दत्ता की भी सराहना करना चाहूंगा जो फिल्म के निर्देशक थे जिन्होंने कई महत्वपूर्ण चीजों को मिस करने के बावजूद शानदार काम किया। लेकिन जहां तक देश और भारतीय सेना का सवाल है, हमें तथ्यों को जानना चाहिए।

प्रश्न 4. ऐसे समय में जब भू-राजनीतिक बदलाव हो रहे हैं और युद्ध की पूरी रणनीति भी विकसित हो रही है, आप भारत को कहां देखते हैं?

उत्तर : भारत इस समय बहुत मजबूत स्थिति में है। हमारी सेना आधुनिक उपकरणों से लैस है और हमारी वायुसेना भी नई तकनीक वाले नए विमान प्राप्त करके बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही है। भारतीय सेना का मनोबल बहुत ऊंचा है। कुछ दिन पहले मैंने पूर्व नौसेना प्रमुख से बात की थी, जिन्होंने मुझे बताया कि भारतीय नौसेना किस तरह बदल रही है और मजबूत हो रही है। व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है कि पाकिस्तान में हमला करने की हिम्मत नहीं है। वे यहां-वहां छोटे-मोटे खेल खेल सकते हैं, लेकिन वे पूर्ण युद्ध नहीं कर सकते।

प्रश्नः आप भारत-पाकिस्तान संबंधों को किस रूप में देखते हैं?

उत्तर : भारत-पाकिस्तान के रिश्ते नफरत पर आधारित हैं। नई पीढ़ी जो अब उभर रही है, उसे लगता है कि बंटवारा गलत था। मैं भी युवाओं से मिलता हूं और पाता हूं कि वे भी यही सोचते हैं। अगर हम साथ होते तो हम और मजबूत होते। इसलिए समय की मांग है कि धर्म को भूलकर पहले देश के बारे में सोचा जाए।

प्रश्नः अग्निपथ योजना पर आपके क्या विचार हैं?

उत्तर : कुछ अच्छी बातें हैं और कुछ कमजोरियां भी। अच्छी बात यह है कि ट्रेनिंग के बाद कुछ लोग रह जाते हैं और कुछ बाहर हो जाते हैं, लेकिन आखिरकार जो लोग बाहर निकलते हैं, वे भी अच्छी तरह प्रशिक्षित और अनुशासित होते हैं। सिर्फ. सरकारी क्षेत्र ही नहीं, बल्कि निजी क्षेत्र में भी ऐसे अनुशासित लोग बहुत काम आते हैं और वे ऐसे लोगों को काम पर रखते हैं। वहीं, जो लोग काम पर नहीं आते, वे निराश हो सकते हैं और उनके पास पर्याप्त पैसे नहीं हो सकते।

देश की बात

कैसे बढ़े चुनावों में मतदान का प्रतिशत

महाराष्ट्र और झारखंड विधान सभाओं के लिए हुए चुनावों के नतीजे आ चुके हैं। अब दोनों राज्यों में नई सरकारों का गठन भी हो गया है। झारखंड और महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री और कुछ मंत्रियों ने शपथ भी ले ली है। महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव में 65 फीसद से अधिक मतदान हुआ है, जो पिछले 30 वर्षों में सबसे अधिक है। यह दो कारणों से उल्लेखनीय है: पहला, यह 2024 के लोकसभा चुनाव के आंकड़े से लगभग चार प्रतिशत की वृद्धि दशार्ता है; और दूसरा, यह चुनावों में औसत राष्ट्रीय मतदान के करीब है, जो लगभग 65-66% आंका गया है। लेकिन, प्रश्न यह उठता है कि क्या मतदान का यह प्रतिशत क्या किसी भी मजबूत लोकतंत्र के लिये पर्याप्त है? बिल्कुल नहीं! तो फिर किया क्या जाये! पर यह तो पूरे तो पूरे देश के सभी जिम्मेदार नागरिकों को यह सोचना ही होगा कि चुनावों में मतदान को कैसे बढ़ाया जा सकता है। यह गंभीर मसला है। जैसा कि मैंने ऊपर कहा है कि महाराष्ट्र विधान सभा के लिए हुए चुनाव में 65 फीसद से अधिक मतदान हुआ है, जो पिछले 30 वर्षों में सबसे अधिक है। यह दो कारणों से उल्लेखनीय है: पहला, यह 2024 के लोकसभा चुनाव के आंकड़े से लगभग चार प्रतिशत की वृद्धि दशार्ता है; और दूसरा, यह चुनावों में औसत राष्ट्रीय मतदान के करीब है, जो लगभग 65-66% आंका गया है। महाराष्ट्र के आंकड़ों पर इसलिए गौर किया जाता है क्योंकि राज्य में देश की सबसे बड़ी शहरी आबादी है, और ऐतिहासिक रूप से यह शहरों और कस्बों में कम मतदान के कारण औसत राष्ट्रीय मतदान से पीछे रहा है। हालांकि, महाराष्ट्र के आंकड़े का गहराई से अध्ययन करने पर पता चलता है कि शहरी क्षेत्रों में मतदान के प्रति उदासीनता पूरी तरह से गायब नहीं हुई है। उदाहरण के लिए, पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले में 76.25% का उच्च मतदान दर्ज किया गया, उसके बाद गढ़चिरौली का स्थान है, जो माओवादियों की गतिविधियों के लिए सुर्खियों में रहता है, जहाँ 73.68% मतदान हुआ है, जबकि मुंबई शहर जिले में 52.07% का कम मतदान हुआ। पुणे, ठाणे और मुंबई उपनगरीय जैसे अन्य शहरी जिलों में भी इसी तरह के आंकड़े दर्ज किए गए हैं। हालांकि, सकारात्मक पहलू यह है कि पूरे राज्य में मतदान में समग्र सुधार हुआ है। इस बदलाव का श्रेय, हालांकि अपेक्षाकृत धीमा और क्रमिक है, इसका मुख्य रूप से श्रेय भारत के वर्तमान चुनाव आयोग को जाता है। मतदान बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग इस बार काफी सक्रिय थे। **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

डॉ. आर.के. सिन्हा

फेसबुक वॉल से

X से

आपकी बात

बैन ड्रग्स के लिए युवाओं में बढ़ती तलब

हाल ही में एक जांच से पता चला है कि नशीली दवाओं की लत की महामारी, जो ज्यादातर युवा पुरुषों को प्रभावित कर रही है, पूरे भारत में फैल रही है। नशीली दवाओं का दुरुपयोग भारत में महत्त्वपूर्ण सामाजिक और स्वास्थ्य मुद्दा है। भारत की विविध आबादी, बड़ी युवा जनसांख्यिकी और आर्थिक असमानताएँ देश में नशीली दवाओं के दुरुपयोग की जटिल प्रकृति में योगदान करती हैं। सांस्कृतिक मूल्यों को बदलना, आर्थिक तनाव में वृद्धि और सहायक सम्बंधों में कमी से पदार्थ का उपयोग शुरू हो रहा है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार 10 से 75 वर्ष की आयु के 16 करोड़ लोग (14.6%) शराब के वर्तमान उपयोगकर्ता हैं और उनमें से 5.2% शराब पर निर्भर हैं। लगभग 3.1 करोड़ व्यक्ति (2.8%) भांग उपयोगकर्ता हैं और 72 लाख (0.66%) लोग भांग की समस्या से पीड़ित हैं। 7% बच्चे और किशोर इनहेलेंट का इस्तेमाल करते हैं, जबकि वयस्कों में यह दर 0.58% है। लगभग 18 लाख बच्चों को इनहेलेंट के इस्तेमाल के लिए मदद की जरूरत है। अनुमान है कि लगभग 8.5 लाख लोग इंजेक्शन के जरिए ड्रग्स ले रहे हैं। भारत में ड्रग्स की सबसे चिंताजनक श्रेणी ओपिओइड है, भारत में ओपिओइड के इस्तेमाल का प्रचलन वैश्विक औसत (0.7% बनाम 2.1%) से तीन गुना ज्यादा है। सभी ड्रग श्रेणियों में, ओपिओइड समूह (विशेष रूप से हेरोइन) की ड्रग्स बीमारी, मृत्यु और विकलांगता की सबसे ज्यादा दरों से जुड़ी हैं। ड्रग के दुरुपयोग से कई तरह की शारीरिक स्वास्थ्य समस्याएँ हो सकती हैं, जिनमें लीवर की बीमारी (शराब से), संक्रामक रोग (इंजेक्शन ड्रग के इस्तेमाल में सुइयों को साझा करने के कारण) और ओवरडोज से होने वाली मौतें शामिल हैं। साथ ही, मादक द्रव्यों के सेवन का मानसिक स्वास्थ्य विकारों जैसे अवसाद और चिंता से गहरा सम्बंध है। यह मौजूदा मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ा सकता है या नए लोगों के विकास को जन्म दे सकता है। ड्रग के दुरुपयोग से परिवार टूट सकते हैं, संघर्ष बढ़ सकते हैं और परिवारों के भीतर भावनात्मक आघात हो सकता है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग से प्रभावित परिवारों में बच्चों को उपेक्षा, दुर्व्यवहार और शिक्षा में बाधा का सामना करना पड़ सकता है, जिससे उनकी समग्र भलाई प्रभावित होती है। नशीली दवाओं की लत से जूझ रहे व्यक्तियों को अक्सर सामाजिक कलंक का सामना करना पड़ता है, जो उनके ठीक होने और समाज में फिर से शामिल होने में बाधा बन सकता है। परिवार के किसी सदस्य की लत को सहने की लागत और उससे जुड़े चिकित्सा व्यय के कारण परिवारों को अक्सर वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। अधिकांश नशीली दवाओं के उपयोगकर्ता 18-35 वर्ष की उत्पादक आयु वर्ग में होते हैं, नशीली दवाओं की लत के कारण कार्यस्थल पर अनुपस्थिति और उत्पादकता में कमी आ सकती है। हिंसा और अपराध में वृद्धि नशीली दवाओं के दुरुपयोग का प्रत्यक्ष प्रभाव है। नशे के आदी लोग अपनी दवाओं के भुगतान के लिए अपराध का सहारा लेते हैं। नशीली दवाएँ संकोच को दूर करती हैं और निर्णय लेने की क्षमता को कम करती हैं, जिससे व्यक्ति अपराध करने के लिए प्रेरित होता है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग के साथ छेड़छाड़, समूह संघर्ष, हमला और आवेगपूर्ण हत्याओं की घटनाएँ बढ़ जाती हैं। आम आबादी, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के जोखिमों और इसके परिणामों के बारे में सीमित जागरूकता है। इसके अलावा, स्कूलों और समुदायों में लोगों, विशेष रूप से युवा व्यक्तियों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरों के बारे में सूचित करने के लिए शैक्षिक कार्यक्रम अपर्याप्त हैं। मादक द्रव्यों के सेवन के विकार वाले व्यक्तियों को कलंकित करने से वे सहायता और समर्थन प्राप्त करने से हतोत्साहित हो सकते हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं और समाज में बड़े पैमाने पर भेदभाव उपचार और पुनर्वास सेवाओं तक पहुँच में बाधा उत्पन्न कर सकता है। नशीली दवाओं की लत के उपचार सुविधाओं और योग्य स्वास्थ्य पेशेवरों की भारी कमी है। भारत में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के प्रचलन और पैटर्न पर सीमित शोध है, जो साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण और कार्यक्रम विकास में बाधा डालता है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग की छिपी और कलंकित प्रकृति के कारण सटीक डेटा एकत्र करने में भी चुनौतियाँ हैं। प्रमुख अफीम उत्पादक क्षेत्रों के करीब भारत की भौगोलिक स्थिति इन दवाओं की आसान उपलब्धता की ओर ले जाती है। इसके अलावा, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अनुसार, अवैध नशीली दवाओं के व्यापार के लिए 'डार्क नेट' और क्रिप्टोकरेंसी का उपयोग करने का चलन बढ़ रहा है। भारत में नए साइकोएक्टिव पदार्थों की खपत बढ़ रही है और ये पदार्थ अक्सर मौजूदा दवा नियंत्रण नियमों के दायरे से बाहर हो जाते हैं, जिससे कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए उन्हें प्रभावी ढंग से मॉनिटर और विनियमित करना चुनौती बन जाता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

डॉ. सत्यवान सौरभ

बोधि वृक्ष

प्रत्येक पिता और प्रत्येक माता ईश्वर के पितृत्व ज्ञान और मातृवत कोमलता दोनों की सम्भावित क्षमताओं से संपन्न हैं। उन्हें इन संपन्नताओं को परिपूर्ण बनाना है।... दिव्य पुरुष पितृवत और मातृवत दोनों गुणों का स्वयं में विकास करता है।

अशर्त प्रेम : मानव संबंधों में सुधार लाना

ईश्वर अनन्त ज्ञान तथा अनन्त भावना, दोनों ही हैं। जब उन्होंने स्वयं को सृष्टि में प्रकट किया तो, ईश्वर ने अपने ज्ञान को पिता का रूप दिया; और अपनी भावना को माता का रूप दिया।... प्रत्येक पिता और प्रत्येक माता ईश्वर के पितृत्व ज्ञान और मातृवत कोमलता दोनों की सम्भावित क्षमताओं से सम्पन्न हैं। उन्हें इन सम्पन्नताओं को परिपूर्ण बनाना है।... दिव्य पुरुष पितृवत और मातृवत दोनों गुणों का स्वयं में विकास करता है। पुरुष तर्क देता है कि स्त्री भावुक होती है और तर्क बुद्धि से नहीं सोच सकती; और स्त्री शिकायत करती है कि पुरुष में भावुकता नहीं होती है। दोनों ही गलत हैं। स्त्री तर्क कर सकती है, परन्तु उसके स्वभाव में भावुकता प्रधान होती है; पुरुष भावनात्मक हो सकता है, परन्तु उसमें तर्क शक्ति की प्रधानता होती है। ईश्वर ने पुरुष और स्त्री में कुछ विशिष्टता रखने के लिए ही ये शारीरिक और मानसिक अन्तर उत्पन्न किए हैं। उनमें आदर्श आध्यात्मिक मिलन का अर्थ यह था कि पुरुष में छिपी हुई भावना को बाहर लाया जाए और स्त्री में छिपे तर्क का विकास किया जाए। परिपूर्ण तर्क और भावना के पवित्र दिव्य गुणों का विकास करने में एक दूसरे का सहयोग करना ही उनका अभिप्राय था। प्रत्येक स्त्री एवं पुरुष को मैत्री और समझ के द्वारा एक दूसरे से शिक्षा लेते हुए सन्तुलन की ओर बढ़ने का प्रयास करना चाहिए। **(क्रमशः)**

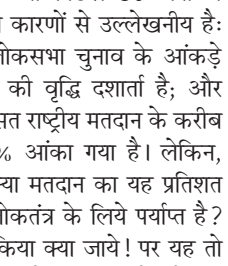

श्री श्री परमहंस योगानंद

आज का दोहा

दिव्य तपस्या से जिन्हें था त्रिकाल का ज्ञान।
उन महर्षियों का दिया है खगोल विज्ञान ।।
डॉ बुद्धिनाथ मिश्र, देहरादून

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/ व्हाट्सएप 82925 53444। -संपादक

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

सीएम योगी ने महाकुंभ क्षेत्र में की 25 हजार बेड के सार्वजनिक आश्रय स्थल की शुरुआत

एजेंसी । प्रयागराज

महाकुंभ 2025 को दिव्य और भव्य बनाने के उद्देश्य से योगी सरकार तीर्थयात्रियों की सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए हरसंभव प्रयास कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मेला क्षेत्र में 250 बेड की क्षमता वाले 100 सार्वजनिक आश्रय स्थलों का उद्घाटन किया। साथ ही महाकुंभ मेला क्षेत्र में कंप्यूटरीकृत खोया-पाया केंद्र की भी शुरूआत की गई। सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ जैसे भव्य आयोजन के दौरान तीर्थयात्रियों और आगंतुकों की भारी संख्या को देखते हुए सार्वजनिक आश्रय स्थलों की आवश्यकता महत्वपूर्ण होती है। परंपरागत रूप से तीर्थयात्री और साधु-संत खुले स्थानों या परिसंचरण क्षेत्रों में समय बिताते हैं, जिससे सर्द मौसम में उनके लिए कई समस्याएं उत्पन्न होती हैं। सरकार ने 25 हजार बेड की कुल क्षमता वाले सार्वजनिक आश्रय स्थलों की व्यवस्था की है। इन आश्रय स्थलों का उद्देश्य तीर्थयात्रियों को न केवल आरामदायक और सुरक्षित ठहराव प्रदान करना है, बल्कि उनकी यात्रा को सुलभ और सुविधाजनक बनाना भी है।

सामान्य दिनों में बेड सौ रुपये में मिलेंगे

प्रत्येक आश्रय स्थल पर 250 बेड की क्षमता होगी। बेड के साथ गद्दे, तकिए और साफ चादर उपलब्ध कराई जाएगी। पुरुष और महिलाओं के लिए अलग-अलग शौचालय और स्नानघर की व्यवस्था की गई है। इन आश्रय स्थलों में नियमित सफाई की जाएगी जिसमें चादर बदलना भी शामिल है। इसके अलावा, स्वच्छ पेयजल और चौबीस घंटे सुरक्षा के प्रबंध किए गए हैं। इन सुविधाओं का उपयोग श्रद्धालु नाममात्र के शुल्क पर कर सकेंगे, जिससे महाकुंभ में सभी वर्गों के लोगों को ठहरने का विकल्प मिलेगा। सार्वजनिक आश्रय स्थलों के उपयोग के लिए शुल्क की व्यवस्था सरल और सुलभ रखी गई है। सामान्य दिनों में, श्रद्धालुओं को एक दिन के लिए 100 रुपये और दो दिन रुकने पर 300 रुपये का भुगतान करना होगा। मुख्य स्नान पर्व और उसके आसपास के दिनों में शुल्क दो गुना हो जाएगा। श्रद्धालु नकद या डिजिटल माध्यम से भुगतान कर सकते हैं, जिसके बाद उन्हें टिकट जारी किया जाएगा।

शंभू बार्डर से किसानों का दिल्ली कूच, पुलिस ने रोका, 1 दर्जन घायल

एजेंसी । अंबाला

हरियाणा पुलिस ने फूल बरसाने के बाद दागे आंसू गैस के गोले | आठ किसान घायल, एक की हालत गंभीर, पीजीआई रेफर

हरियाणा-पंजाब के शंभू बार्डर पर धरना दे रहे किसानों ने रविवार की दोपहर दिल्ली कूच का प्रयास किया। पुलिस व किसानों के बीच करीब चार घंटे तक जद्दोजहद चलती रही। इस बीच पुलिस द्वारा एयर गन से किसानों की तरफ फूल बरसाए गए। किसानों ने दावा किया कि पुलिस ने चकमा देने के लिए यह सब किया और कुछ ही पलों में फूल बरसाने वाली गन से आंसू गैस के गोले बरसाए गए। कई घंटे के बाद किसानों ने कूच को टाल दिया और वापस लौट गए। शंभू बार्डर पर धरना दे रहे किसानों ने आज दूसरी बार दिल्ली कूच का प्रयास किया। किसान जैसे ही आगे बढ? लगे तो हरियाणा पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए घेराबंदी शुरू कर दी। इसके बाद किसानों ने बैरिकेडिंग तोड? की कोशिश की।

इस पर हरियाणा पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े, जिसमें 7-8 किसान घायल घायल हुए। इसके साथ किसानों पर पानी की बौछार भी की गई। हालांकि इस बीच हरियाणा पुलिस ने किसानों पर फूल भी बरसाए। इस गफलत के बीच किसानों पर आंसू गैस के गोले बरसने शुरू हो गए। किसानों में भगदड़ मच गई। किसान नेता सरवन पंधेर के मुताबिक एक किसान की हालत गंभीर है। उसे चंडीगढ़ पीजीआई रैफर किया गया है। ऐसे में जत्थे को वापस बुलाने का फैसला लिया। उन्होंने कहा कि कल दोनों फोरम फैसला करेंगे कि आगे कब जाना है। किसान नेताओं ने कहा कि कई घायल किसान ऑक्सीजन गैस सिलेंडर लगाकर अस्पताल गए हैं। पंधेर ने कहा कि फूल बरसाकर गोलियां चलाई गई हैं। पुलिस ने रबड़ की गोलियां चलाईं। एक किसान के सिर पर टीयर गैस का बम लगा। हरियाणा पुलिस ने दोहरी नीति अपनाई। पहले किसानों को चाय ऑफर की गई। इसके बाद फूल गिराए गए, लेकिन इसके साथ ही टीयर गैस छोड़ी गई। वाटर कैनन का भी इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि अगले कूच का फैसला कल किया जाएगा।

मीडियाकर्मी अपनी सुरक्षा का रखें खास ख्याल

किसानों के दिल्ली चलो आंदोलन के दौरान किसी मीडियाकर्मी को चोट न आ जाए। इसके लिए पुलिस की तरफ से सभी मीडियाकर्मियों को एकत्रित करके विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। पटियाला के एसएसपी नानक सिंह ने कहा, मैं सभी मीडियाकर्मियों से यही कहना चाहूंगा कि आप लोग कवरेज कीजिए। आपको कवरेज करने से कोई नहीं रोकेगा। लेकिन, अपनी सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखें, ताकि किसी मीडियाकर्मी को चोट न आए।

पिकनिक पर जा रही स्कूली बस दुर्घटनाग्रस्त तीन बच्चों की मौत

राजसमंद। राजस्थान के राजसमंद में रविवार की सुबह भीषण सड़क हादसे में तीन बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि करीब 25 से अधिक अन्य घायल हो गए। घटना राजसमंद जिले के चारभुजा थाना क्षेत्र के अंतर्गत देसूरी की नाल की है। स्थानीय स्कूल के बच्चों को लेकर पिकनिक पर निकली बस यहां पर चारभुजा मंदिर से दर्शन करके परशुराम महादेव जा रही थी। तभी बस अनियंत्रित होकर गड्ढे में गिर गई, जिससे तीन बच्चों की मौत हो गई। वहीं, करीब 25 से अधिक घायल हो गए। मृतक बच्चों के परिवार के सदस्य सदमे में हैं। उनका रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जा रहा है कि बस में करीब 65 बच्चे सवार थे। हादसे में विद्यालय के प्रधानाचार्य और एक शिक्षक को भी चोटें आई हैं।

अब शरद पवार को अपनी हार स्वीकार कर लेनी चाहिए : चंद्रशेखर बावनकुले

एजेंसी । मुंबई

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने रविवार को शरद पवार द्वारा ईवीएम पर सवाल उठाये जाने पर पलटवार करते हुए कहा कि अब उन्हें हार स्वीकार कर लेनी चाहिए। चंद्रशेखर बावनकुले ने शरद पवार की ओर इशारा करते हुए कहा, वह एक उम्रदराज नेता हैं। हम उनका सम्मान करते हैं। लेकिन, उनके द्वारा इस तरह से सवाल उठाया जाना उचित नहीं है। अब जब उन्होंने इस तरह के गंभीर सवाल उठाए हैं, तो निश्चित तौर पर हमें भी उनसे सवाल करने का पूरा अधिकार है। भाजपा नेता ने दावा किया कि आने वाले स्थानीय चुनावों में अपनी साख बचाने के लिए इस तरह के बयान देकर वह जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख इस बात को भलीभांति जानते हैं कि जिस तरह से उन्हें हाल के चुनावों में प्रदेश की जनता ने नकारा है, उसे देखते हुए उन्हें आने वाले चुनावों में भी इसी तरह खारिज किया जाएगा। महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया कि निकाय चुनावों में महा विकास अघाड़ी उम्मीदवारों की जमानत भी नहीं बचेगी।

वक्फ बोर्ड रहा मनमानी : लातूर में वक्फ बोर्ड द्वारा किसानों की जमीन पर दावा ठोके जाने पर भाजपा नेता ने कहा, वक्फ बोर्ड बदमाशी कर रहा है। कहीं हिंदू देवता की जगह, तो कहीं ट्रस्ट की जगह, तो कहीं किसानों की जमीन पर अतिक्रमण कर उसे अपना बता रहा है। इसका फिर से डिजिटलाइजेशन होना चाहिए। बावनकुले ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में केंद्र और राज्य सरकार को पत्र लिखकर मांग की है कि जिन-जिन जमीनों पर वक्फ बोर्ड द्वारा दावा किया जा रहा है, उसे वापस लौटाया जाए।

मध्य प्रदेश : बुजुर्ग महिला को डिजिटल अरेस्ट कर खाते से उड़ाए 46 लाख, दो गिरफ्तार

एजेंसी । इंदौर

मध्य प्रदेश के इंदौर में 65 साल की एक बुजुर्ग महिला को डिजिटल अरेस्ट कर 46 लाख रुपये ट्रांसफर कर लेने के मामले में क्राइम ब्रांच ने उत्तर प्रदेश के कन्नौज से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इंदौर क्राइम ब्रांच के डीसीपी क्राइम राजेश त्रिपाठी ने शनिवार को प्रेस वार्ता में बताया कि गत 11 सितंबर को 65 साल की एक महिला के पास एक फोन आया। फोन करने वाले ने बताया कि वह भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) का अधिकारी है। उसने कहा कि महिला का फोन नंबर अवैध एडवर्टीजमेंट के लिए इस्तेमाल किया गया है। ठगों ने महिला को चार-पांच दिन तक डिजिटल अरेस्ट में रखा और बैंक खातों की जांच के बहाने लगभग 46 लाख रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर लिए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि 40 लाख रुपये उत्तर प्रदेश के कन्नौज में एक मदरसे के प्रबंधक के खाते में भेजे गए थे। वहां टीम भेजकर प्रबंधक असद अहमद खान को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। जिस चालू खाते में पैसा ट्रांसफर किया गया था वह इसी उद्देश्य से 15-20 दिन पहले खोला गया था। किसी ने मदरसा प्रबंधक को हिस्सा देने का लालच देकर खाता खोलने के लिए प्रोत्साहित किया था। दूसरे मामलों को मिलाकर उस खाते में करीब 1.5 करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन मिला है। पुलिस मदरसे के नाम पर मौजूद सभी नौ बैंक खातों को फ्रीज कर उनकी जांच करेगी। डीसीपी (क्राइम) ने बताया कि मुख्य आरोपी असद अहमद खान (36) को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके साथ उसके पिता अली अहमद खान (69) को भी गिरफ्तार किया गया है क्योंकि बैंक खाता खोलने में उसी के दस्तावेज का इस्तेमाल हुआ था। साथ ही हाल में खोले गए चालू खाते का एटीएम भी उसके पास से मिला था। पुलिस ने बताया कि दोनों गिरफ्तार आरोपियों की पुलिस रिमांड मिल गई है। उनके जरिए बुजुर्ग महिला को फोन करने वाले ब्लैकमेलर तक पहुंचने का कोशिश की जा रही है।

नार्वेकर ने विस अध्यक्ष पद के लिए भरा नामांकन

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने रविवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उप-मुख्यमंत्री अजीत पवार और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले की मौजूदगी में विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया।

किसानों की 300 एकड़ जमीन पर वक्फ बोर्ड ने किया दावा

एजेंसी । लातूर

महाराष्ट्र के लातूर में किसानों की 300 एकड़ जमीन को वक्फ बोर्ड ने अपना बताया है। इसको लेकर औरंगाबाद के कोर्ट में याचिका भी डाली गई है, जिस पर 20 दिसंबर को सुनवाई होगी। वक्फ बोर्ड के इस दावे के बाद तलेगांव के किसानों में डर का माहौल है। उन्होंने सरकार से हस्तक्षेप करने को कहा है। दरअसल, संभाजीनगर के वक्फ बोर्ड ने अहमदपुर में 103 किसानों की 300 एकड़ पुश्तैनी जमीन पर दावा ठोंका है। किसानों को नोटिस भेजकर अपनी बात रखने को बोला गया है। इस मामले को लेकर 'ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन' के नेता मोहम्मद इस्माइल ने कहा, किसान अगर जमीन पर अपना दावा करते हैं तो कागज दिखाएं। लेकिन अगर यह वक्फ की जमीन है तो उनके पास यह अधिकार है कि अपनी जमीन वापस लेने के लिए वो नोटिस दे। इसमें कोई बुरी बात नहीं है।

औरंगाबाद कोर्ट में डाली याचिका

सुभाष घई की हालत गंभीर लीलावती अस्पताल में भर्ती

एजेंसी । मुंबई

फेमस फिल्ममेकर और डायरेक्टर सुभाष घई की तबीयत अचानक खराब होने के बाद शनिवार शाम उन्हें मुंबई के लीलावती अस्पताल में एडमिट कराया गया। जानकारी के मुताबिक, 79 वर्षीय फिल्म निर्माता को शनिवार शाम अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। उनका फिलहाल आईसीयू में उपचार चल रहा है। सुभाष घई का जन्म 24 जनवरी 1945 को महाराष्ट्र के नागपुर में हुआ था। वह बचपन से ही एक्टर बनना चाहते थे, लेकिन किस्मत ने उन्हें एक शानदार निर्देशक के तौर पर स्थापित कर दिया। राज कपूर के बाद उन्हें इंडस्ट्री का दूसरा 'शो मैन' कहा जाता है। सुभाष घई हिंदी सिनेमा के जाने-माने निमार्ता और निर्देशक हैं। साल 2006 में उन्हें सामाजिक फिल्म 'इकबाल' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। सुभाष घई बॉलीवुड के पहले निमार्ता हैं, जिन्होंने अपनी फिल्म ताल के जरिए फिल्म बीमा पॉलिसी शुरू की। फिल्मों को बैंकों से वित्तपोषित करने की अवधारणा शुरू करने का श्रेय भी उन्हें ही जाता है। एक्टर के रूप में उनकी पहली फिल्म तकदीर थी जो 1967 में आई। इसके बाद उन्होंने आराधना (1970) में काम किया। उसी साल आई उमंग में वह लीड रोल में थे। साल 1973 में उन्होंने फिल्मों की कहानी लिखनी शुरू की और प्रकाश मेहरा और दुलाल गुहा जैसे निर्देशकों के लिए पटकथा लिखी। उन्होंने राम लखन, खलनायक, हीरो और कर्ज जैसी कई हिट फिल्में दीं। उन्होंने 1976 में कालीचरण के साथ करियर की शुरूआत की। इसके बाद 1978 में उन्होंने विश्वनाथ बनाई। दो साल बाद 1980 में कर्ज आई जो उनके मुक्ता आर्ट्स के बैनर तले पहली फिल्म थी। उन्होंने हिंदी सिनेमा में कई प्रयोग किए।

आज का राशिफल

मेष : लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ।

वृष : आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी।

मिथुन : अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेगी। प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। मेहमानों का आगमन होगा।

कर्क : श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी।

सिंह : अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा।

कन्या : समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। दिमाग में निर्मूल तर्क पैदा होंगे। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी।

तुला : जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी।

वृश्चिक : परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें।

धनु : मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे।

मकर : धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें।

कुंभ : सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं।

मीन : उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी।

हिंदुत्व को बीमारी टिप्पणी

सबसे बड़ी मुफ्ती परिवार : अजय

एजेंसी । नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती ने 'हिंदुत्व' का जिक्र करते हुए सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी की। इल्तिजा मुफ्ती ने हिंदुत्व को एक 'बीमारी' बताया, जिसके बाद भाजपा प्रवक्ता अजय आलोक भड़क गए। उन्होंने रविवार को मुफ्ती परिवार पर प्रहार किया। कहा कि सबसे बड़ी बीमारी तो खुद मुफ्ती परिवार है, जो जम्मू-कश्मीर और पूरे देश के लिए बीमारी है। अगर हिंदुत्व इनको बीमारी लगती है, तो हिंदुत्व से दूर रहना चाहिए और टिप्पणी करने से बचना चाहिए। लेकिन, बीमारी ने इन्हें जकड़ लिया तो ये नहीं बच पाएंगे। दरअसल, इल्तिजा मुफ्ती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें एक धर्म के नाम पर कुछ नाबालिग लड़के बच्चों के साथ दुर्व्यवहार कर रहे थे। इल्तिजा मुफ्ती ने एक्स पर लिखा, ''भगवान राम को अपना सिर शर्म से झुका लेना चाहिए और असहाय होकर देखना चाहिए क्योंकि नाबालिग मुस्लिम लड़कों को केवल इसलिए चप्पलों से पीटा जाता है, क्योंकि वे उनका नाम जपने से इनकार करते हैं। हिंदुत्व एक ऐसी बीमारी है, जिसने लाखों भारतीयों को प्रभावित किया है और भगवान के नाम को कलंकित किया है।

राजस्थान-हरियाणा के दौरे पर पीएम मोदी, पानीपत में 'बीमा सखी योजना' का करेंगे शुभारंभ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 दिसंबर की सुबह जयपुर में होंगे। यहां वो जयपुर प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केन्द्र में राइजिंग राजस्थान वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन 2024 का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद दोपहर 2 बजे हरियाणा में 'बीमा सखी योजना' का शुभारंभ करेंगे। राजस्थान के बाद पीएम मोदी हरियाणा के पानीपत जाएंगे और दोपहर करीब 2 बजे एलआईसी की 'बीमा सखी योजना' का शुभारंभ करेंगे। इसके साथ ही महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर का शिलान्यास करेंगे। पीएम मोदी जयपुर प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केन्द्र (जेईसीसी) में राइजिंग राजस्थान वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन 2024 और राजस्थान वैश्विक व्यापार एक्सपो का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर वे उपस्थित जनसमूह को संबोधित भी करेंगे।

दूध के उत्पादन में उत्तर प्रदेश सिरमौर राज्य

एजेंसी । लखनऊ

बेसिक एनिमल हसबेंडरी स्टैटिक्स 2023-24 के आंकड़ों के अनुसार देश में दूध का कुल उत्पादन 239.30 मिलियन टन है। इसमें उत्तर प्रदेश का योगदान सर्वाधिक, करीब 16 फीसद का है। इसके बाद क्रम से राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और पंजाब का नंबर आता है। इस तरह दूध के उत्पादन में उत्तर प्रदेश की बादशाहत बरकरार है। इसकी एक बड़ी वजह इस सेक्टर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की निजी रुचि और अपने पहले कार्यकाल से ही पशुपालकों के हित में उठाए गए कदम हैं। सरकार प्रदेश से लेकर जिला स्तर तक पशुपालकों को प्रोत्साहन देने के लिए उनको नंद बाबा और गोकुल पुरस्कार से सम्मानित करती है। पिछले दिनों नस्ल सुधार के जरिए उत्पादन बढ़ाने के लिए ऑस्ट्रेलिया सरकार ने प्रदेश सरकार से सहयोग की इच्छा जताई थी। सरकार नस्ल सुधारने के लिए सेक्स शॉर्टेज तकनीक (इसमें सिर्फ बछिया होने की संभावना 90 फीसद से अधिक होती है) का प्रयोग कर रही है। गोरखपुर में खुलने वाले राजकीय पशु चिकित्सा महाविद्यालय भी नस्ल सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

प्रति व्यक्ति दुग्ध उपलब्धता में वृद्धि : दूध का उत्पादन और प्रति व्यक्ति प्रति ग्राम दूध की उपलब्धता बढ़ने से लोगों की सेहत सुधरेगी। यह लगातार बढ़ भी रही है। 2021 में प्रति व्यक्ति प्रति ग्राम दूध की उपलब्धता 321 ग्राम थी। 2024 में यह बढ़कर 471 ग्राम हो गई। दूध के उत्पादन की सालाना वृद्धि दर 3.78% है। स्वाभाविक है कि इसमें सर्वाधिक उत्पादन के नाते उत्तर प्रदेश का योगदान भी सर्वाधिक है।

सहकारिता से समृद्धि की ओर

सहकारिता से समृद्धि सरकार का नारा है। डेयरी सेक्टर में सहकारिता से चमत्कार संभव है। दुनिया का सबसे मजबूत ब्रांड अमूल इसकी मिसाल है। इस पर सरकार का खासा फोकस है। हाल ही में मुख्यमंत्री के समक्ष प्रादेशिक कॉआपरेटिव डेयरी फेडरेशन (पीसीडीएफ) का प्रस्तुतिकरण हुआ था। इसमें उन्होंने निर्देश दिया था कि दुग्ध संघों में हर स्तर पर जवाबदेही तय करते हुए कार्य के टारगेट तय किए जाएं। दुग्ध संग्रह क्षमता बढ़ाते हुए दूध की गुणवत्ता परीक्षण के कार्यों को बेहतर करने के लिए समिति से जुड़े कर्मियों का उचित प्रशिक्षण कराने, उन्हें दूध की गुणवत्ता जांचने वाले जरूरी उपकरण उपलब्ध कराने और समितियां एक-दूसरे से स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा करें, इसके लिए पशुपालकों से संवाद बढ़ाने का कार्य हो रहा है। सरकार के इन कदमों से डेयरी संघों की दुग्ध उत्पादकता में वृद्धि होगी और किसानों की आय भी बढ़ेगी। अधिकांश पशुपालक कम जोत वाले या भूमिहीन किसान हैं। इनके द्वारा पाले जाने वाले दुधारू पशु इनके लिए एटीएम सरीखे हैं। आने वाले समय में दुग्ध सहकारी समितियों और दुग्ध संघों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का भी मुख्यमंत्री का साफ निर्देश है।

हेड बने 'प्लेयर ऑफ द मैच'

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टेस्ट मैच में भारत को 10 विकेट से हराया, सीरीज 1-1 से बराबर

एजेंसी । एडिलेड

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को बॉर्डर गावस्कर सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच में 10 विकेट से हराकर श्रृंखला को 1-1 से बराबर कर दिया है। भारत ने दूसरी पारी में 175 रनों पर आउट होकर कंगारूओं को जीत के लिए केवल 19 रनों का टारगेट दिया था जिसको मेजबान टीम ने बगैर विकेट खोए हासिल कर लिया। भारत ने इस डे-नाइट टेस्ट मैच के दूसरे दिन अपनी पारी में 5 विकेट के नुकसान पर 128 रन बना लिए थे। तीसरे दिन भारत की शुरूआत खराब रही और 7 रन बनाकर खेल रहे रविचंद्रन अश्विन को कप्तान पैट कमिंस ने एलेक्स कैरी के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद भारत को अगला झटका हर्षित राणा के तौर पर लगा जिनको कमिंस ने ख्वाजा के हाथों कैच आउट कराया। हर्षित ने 12 गेंदों का सामना किया और वह अपना खाता भी नहीं खोल सके। इसके बाद नीतीश रेड्डी, जो दूसरे छोर पर कुछ अच्छे शॉट लगाकर खेल रहे थे, उनका विकेट भी गिर गया। पैट कमिंस ने नाथन मैकस्वीनी के हाथों कैच आउट कराकर उनकी 42 रनों की आक्रामक पारी का अंत किया। नए खिलाड़ी नीतीश रेड्डी ने अपनी पारी में 47 गेंद पर छह चौके और एक छक्का लगाया। इसके बाद आस्ट्रेलिया ने मोहम्मद सिराज को 7 रनों के स्कोर पर आउट कर भारत की पारी को 175 रनों पर समेट दिया। मोहम्मद सिराज ने आठ गेंदों का सामना किया और सात रन बनाए। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी में कप्तान कमिंस ने 14 ओवर में 57 रन देकर 5 विकेट लिए। स्कॉट बोलैंड ने 8.5 ओवर में 51 रन देकर 3 विकेट लिए और पहली पारी में 6 विकेट लेने वाले मिशेल स्टार्क को 14 ओवर में 60 रन देकर 2 विकेट हासिल हुए। इस तरह से भारत की दूसरी पारी 36.5 ओवर में 175 रनों पर आउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए मैच 19 रनों का लक्ष्य मिला था। इस टारगेट को कंगारूओं ने बिना किसी विकेट के केवल 3.2 ओवर में हासिल कर लिया। नाथन मैकस्वीनी ने 12 गेंदों पर नाबाद 10 और उस्मान ख्वाजा ने 8 गेंद पर 9 रनों का योगदान दिया।

ऑस्ट्रेलिया टॉप पर पहुंचा

एडिलेड टेस्ट के बाद डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में भारत तीसरे स्थान पर खिसका

ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड ओवल में खेले गए दूसरे टेस्ट में भारत को दस विकेट से हराकर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज को 1-1 से बराबर कर लिया है। इस जीत के साथ, ऑस्ट्रेलिया 2023-2025 आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की रैंकिंग में फिर से पहले स्थान पर पहुंच गया है। पैट कमिंस की कप्तानी वाली टीम का पॉइंट प्रतिशत अब 60.71 हो गया है, जिससे उन्होंने भारत और दक्षिण अफ्रीका को पीछे छोड़ दिया। मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल में यह उनकी नौवीं जीत है। दूसरी ओर, रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम को इस करारी हार के बाद तीसरे स्थान पर जाना पड़ा है। भारत का पॉइंट प्रतिशत 61.11 से गिरकर अब 57.29 हो गया है। भारत को अब ब्रिसबेन, मेलबर्न और सिडनी में बचे हुए तीन टेस्ट मैच जीतने होंगे, ताकि अगले साल लॉर्ड्स में होने वाले तीसरे लगातार टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचने का मौका मिल सके। दक्षिण अफ्रीका का पॉइंट प्रतिशत 59.26 है और वह श्रीलंका के खिलाफ चल रहे घरेलू टेस्ट में मजबूत स्थिति में है। अगर वे यह मैच जीतते हैं, तो रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंच सकते हैं।

एडिलेड में हुई तीखी बहस के बाद हेड और सिराज ने स्थिति साफ की

थोड़ी सी गलतफहमी, अब हम आगे बढ़ गए हैं

एडिलेड। ट्रैविस हेड और मोहम्मद सिराज ने शनिवार को दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन मैदान पर हुई तीखी बहस के बाद स्थिति साफ कर दी है। सिराज ने बाएं हाथ के बल्लेबाज को 140 रन पर आउट कर दिया था। 82वें ओवर की चौथी गेंद पर, सिराज ने एक शानदार इन-स्विंगिंग यॉर्कर से हेड को बोल्ड किया और उन्हें जोरदार विदाई दी तथा आक्रामक तरीके से स्टैंड की ओर वापस जाने का इशारा किया। इस पर हेड ने तेज गेंदबाज को जवाब दिया और फिर अपने घरेलू दर्शकों के खड़े होकर तालियां बजाने के बाद मैदान से बाहर चले गए। इसके बाद, जब भी सिराज डीप में फील्डिंग कर रहे थे या गेंदबाजी करने आए, तो एडिलेड के दर्शकों ने लगातार हूटिंग की, ताकि हेड के साथ उनके व्यवहार पर अपनी नाराजगी व्यक्त की जा सके। लेकिन, रविवार को टेस्ट की दूसरी पारी के दौरान जब सिराज बल्लेबाजी करने आए तो दोनों को दोस्ताना बातचीत करते हुए देखा गया, जिससे मामला सुलझ गया। हेड ने पोस्ट-मैच प्रेजेंटेशन में खुलासा किया, जैसा कि एबीसी न्यूज ने उद्धृत किया, इससे हम खुश हैं। वह बाहर आए और बस इतना कहा कि (यह) थोड़ी सी गलतफहमी थी... मुझे लगता है कि हम आगे बढ़ेंगे। हमने एक शानदार सप्ताह बिताया है, इसलिए इसे बर्बाद नहीं करने देंगे। यह ठीक था। उन्होंने कहा, 'तुमने कसम क्यों खाई?' मैंने कहा, 'देखो, मैंने पहले तो नहीं खाई... (लेकिन) मैंने निश्चित रूप से दूसरी बार कसम खाई'।

नाइट, डॉटिंग को 50 लाख रुपये का रिजर्व प्राइस मिला

डब्ल्यूपीएल : 120 खिलाड़ी नीलामी के लिए हैं तैयार

एजेंसी । मुंबई

इंग्लैंड की अनुभवी खिलाड़ी हीथर नाइट, दक्षिण अफ्रीका की लिजेल ली और वेस्टइंडीज की डिएंड्रा डॉटिन 50 लाख रुपये के रिजर्व प्राइस के साथ शीर्ष ब्रैकेट में होंगी, जबकि 2025 महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के लिए खिलाड़ियों की नीलामी में 91 भारतीय और 29 विदेशी क्रिकेटरों सहित 120 खिलाड़ी शामिल होंगे, जिनमें से 3 एसोसिएट नेशंस की हैं। भारतीय ऑलराउंडर स्नेह राणा, शुभा सतीश, पूनम यादव, इंग्लैंड की लॉरेन बेल, दक्षिण अफ्रीका की नादिन डी क्लार्क, इंग्लैंड की मैया बाउचियर और ऑस्ट्रेलिया की किम गर्थ उन 28 कैप्ड खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिनका रिजर्व मूल्य 30 लाख रुपये है। यह नीलामी 15 दिसंबर को बेंगलुरु में होगी। शनिवार को घोषित डब्ल्यूपीएल 2025 प्लेयर ऑक्शन लिस्ट के अनुसार, 19 स्लॉट के लिए 120 खिलाड़ी मैदान में होंगी, जिनमें से पांच स्लॉट विदेशी खिलाड़ियों के लिए आरक्षित हैं। इस सूची में नौ कैप्ड भारतीय खिलाड़ी और 21 कैप्ड विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं, यह जानकारी बीसीसीआई अध्यक्ष और डब्ल्यूपीएल समिति के चेयरपर्सन रोजर बिन्नी ने शनिवार को एक विज्ञप्ति में दी। इसके अलावा 82

अनकैप्ड भारतीय और आठ अनकैप्ड विदेशी खिलाड़ी भी नीलामी में शामिल होंगे। पांचों फ्रेंचाइजी के पास 2025 सीजन के लिए अपनी टीम बनाने के लिए 15 करोड़ रुपये का बजट है, जो पिछली नीलामी में 13.5 करोड़ रुपये से अधिक है। खिलाड़ी की नीलामी 15 दिसंबर को बेंगलुरु में होगी, पांच टीमों के टूर्नामेंट का तीसरा संस्करण फरवरी 2025 के पहले सप्ताह से शुरू होने की संभावना है। गुजरात जायंट्स, जो पहले दो सीजन में अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी, के पास 4.4 करोड़ रुपये के साथ सबसे बड़ा नीलामी पर्स है।

विश्व शतरंज चैम्पियनशिप 2024

गुकेश ने सफेद मोहरों के साथ डिंग को हराया, 6-5 की ली बढ़त

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय ग्रैंड मास्टर के डी गुकेश ने सिंगापुर में रविवार को चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ 2024 विश्व शतरंज चैंपियनशिप फाइनल में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। 11 वें दौर के बाद गुकेश ने 1 अंक की बढ़त ले ली है, उनके 6 अंक हो गये हैं, जबकि लिरेन के 5 अंक हैं। जो भी खिलाड़ी पहले साढ़े सात अंक बनाएगा वो चैंपियनशिप जीतेगा। सफेद मोहरों के साथ जीत दर्ज कर चैंपियनशिप फाइनल में पहली बार गुकेश ने बढ़त बना लिया। भारतीय ग्रैंड मास्टर को सबसे कम उम्र के शतरंज विश्व चैंपियन बनने के लिए शेष तीन राउंड ड्रा करने की जरूरत है। चैंपियन डिंग ने अपने 28वें चाल में गलती की और गुकेश की जीत पक्की हो गई। उन्होंने अपनी रानी को सी8 में खींच लिया और प्रभावी रूप से खेल को अपने प्रतिद्वंद्वी के नाम कर दिया। 11 वें राउंड की शुरुआत दोनों ने एक रेटी ओपनिंग सिस्टम खेलने के साथ शुरू किया। गुकेश ने विश्व शतरंज चैंपियनशिप के गेम 11 में अपने 11 वें कदम पर एक घंटा बिताया। एक समय गुकेश नो सिर्फ आठ चालों के बाद एक घंटे और सात मिनट के समय का लाभ उठाया था। इसका कारण यह है कि डिंग लिरेन ने सिर्फ पांच चालों पर अपना पहला घंटे इस्तेमाल किया।

गेंदबाजी योजनाओं पर विचार करने की जरूरत है : हरमनप्रीत

एजेंसी । ब्रिस्बेन

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 122 रनों से करारी हार झेलने और सीरीज गंवाने के बाद, कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि टीम को अपनी गेंदबाजी योजनाओं पर विचार करने की जरूरत है। एलन बॉर्डर फील्ड पर धूप खिली हुई थी, लेकिन भारत की गेंदबाजी योजनाएं पूरी तरह से बेकार साबित हुईं, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया ने 371/8 का विशाल स्कोर बनाया। यह महिला वनडे में भारत द्वारा दिया गया अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है, जो 338/7 के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ता है, जो ऑस्ट्रेलिया ने इस साल की शुरुआत में मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में बनाया था। साइमा ठाकोर के 3-62 को छोड़कर, यह भारत के लिए गेंद के साथ एक पूरी तरह से भूलने वाला दिन था।

स्टोक्स ने न्यूजीलैंड में ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जीत के लिए इंग्लैंड के 'प्रभावशाली क्रिकेट' को श्रेय दिया

एजेंसी । वेलिंगटन

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने रविवार को बेसिन रिजर्व में दूसरे टेस्ट में 323 रनों की शानदार जीत के साथ 2008 के बाद न्यूजीलैंड में पहली टेस्ट सीरीज जीत हासिल करने का श्रेय अपनी प्रभावशाली क्रिकेट शैली को दिया है। हैमिल्टन में अंतिम टेस्ट से पहले इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड पर 2-0 की अजेय बढ़त ले ली है। टॉम ब्लंडेल के शानदार शतक (102 गेंदों पर 115 रन) के बावजूद, इंग्लैंड के गेंदबाजों ने तीसरे दिन घरेलू टीम पर पूरी तरह से हावी होकर शुरुआत की, क्योंकि

ब्रायडन कार्स और क्रिस वोक्स ने उनके शीर्ष क्रम को तहस-नहस कर दिया, जिससे डेवोन कॉनवे, केन विलियमसन और रचिन रवींद्र एकल अंकों के स्कोर पर डगआउट लौट गए। ब्लंडेल और नाथन स्मिथ ने सातवें विकेट के लिए 96 रनों की साझेदारी की, लेकिन इंग्लैंड की गेंदबाजी बहुत मजबूत साबित हुई और कीवी टीम 259 रनों पर ढेर हो गई। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने शानदार 3-5 के साथ पारी की शुरुआत की, जिसमें क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स और शोएब बशीर ने दो-दो विकेट चटकाए, जिससे टीम ने जीत दर्ज की और सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल की। इंग्लैंड ने तीसरे दिन 378/5 के स्कोर पर खेलना शुरू किया और वहीं से शुरुआत की, जहां से उन्होंने छोड़ा था। जो रूट ने 106 रन पर आउट होने से पहले अपना 36वां टेस्ट शतक बनाया, जिसके बाद स्टोक्स ने पारी घोषित कर दी और घरेलू टीम के सामने 583 रनों का विशाल लक्ष्य रखा। इंग्लैंड के कप्तान ने भी धमाकेदार पारी खेली, जिसके चलते वे 49 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले पारी में जैकब बेथेल (96), बेन डकेट (92) और हैरी ब्रूक (55) ने शानदार अर्धशतक जमाकर इंग्लैंड को 427/6 पर पहुंचाया। स्टोक्स ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "हमने अब तक जितने दिन खेले हैं, उनमें हमने अधिक प्रभावशाली क्रिकेट खेला है।

वोल और पेरी के शतक, सदरलैंड के 4 विकेट की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 122 रनों से हराया

ब्रिस्बेन। युवा जॉर्जिया वोल और अनुभवी एलिस पेरी के शतकों और एनाबेल सदरलैंड के चार विकेट की बदौलत ऑस्ट्रेलिया महिला टीम ने रविवार को एलन बॉर्डर फील्ड में भारत को 122 रनों से हराकर 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। चमकीले मौसम में, अपना दूसरा वनडे खेल रही जॉर्जिया ने 101 रन बनाए - जो इस प्रारूप में उनका पहला शतक है, जबकि एलिस ने 105 रन बनाए - जो उनका तीसरा 50 ओवर का शतक है। फोबे लिचफील्ड (60) और बेथ मूनी (56) के अर्धशतकों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय गेंदबाजी लाइन-अप की कमजोरी के सामने 371/8 का विशाल स्कोर बनाया, जो महिला वनडे में उनका तीसरा सबसे बड़ा स्कोर है। 372 रनों का पीछा करना भारत के लिए हमेशा से ही चुनौतीपूर्ण रहा है।

व्यापार/लाइफ व साइंस

यमुना का पानी पेट में गया तो किडनी फेल, कैंसर

ब्यूरो । नई दिल्ली

केंद्रीय जल आयोग की स्टेटस ऑफ ट्रेस एंड टॉक्सिक मेटल्स इन इंडियन रिवर्स रिपोर्ट के अनुसार यमुना नदी का पानी न पीने न नहाने न सिंचाई लायक है। क्योंकि यमुना में क्रोमियम, निकिल, लेड, आयरन जैसी भारी धातुएं मानक से ज्यादा हैं। यह लोगों को हृदय, किडनी और कैंसर जैसी बीमारियों की ओर धकेल रही हैं। यह रिपोर्ट आयोग की वेबसाइट पर जारी की गई है। केंद्रीय जल आयोग ने आगरा में पोइया घाट के साथ दो जगह तथा मथुरा में एक स्थान पर यमुना नदी के पानी के सैंपल की जांच में इन भारी धातुओं को पाया है। पूरे देश में आगरा व मथुरा उन 187 शहरों में शामिल हैं, जहां नदियों में तीन भारी धातुएं पाई गई हैं। जल आयोग ने नदियों के पानी में आर्सेनिक, कैडमियम, क्रोमियम, कॉपर, आयरन, मरकरी, निकिल, लेड और जिंक धातुओं की जांच की थी, जिसमें आगरा और मथुरा में तीन तीन धातुएं पाई गई हैं, जिन्हें आयोग ने पानी की सबसे खराब गुणवत्ता वाली कैटेगरी में रखा है। यमुना नदी के पानी में भारी धातुओं के घुलकर जहरीला बनाने में इलेक्ट्रोप्लेटिंग इकाइयां, केमिकल फैक्ट्रियों का कचरा, वेल्डिंग, रिफाइनिंग, मेटलर्जी, लकड़ी, कोयला जलाना, फाउंड्री से निकला वेस्ट, पेस्टिसाइड, कचरा डंप करना, ऑटोमोबाइल, डिटर्जेंट, पानी के पाइप, फर्टिलाइजर का इस्तेमाल जिम्मेदार हैं।

इनसे ये नुकसान

त्वचा रोग, पेट के रोग, अल्सर, फेफड़ों की खराबी, इम्यून सिस्टम कमजोर करने, हृदय रोग, लेड कॉलिक, किडनी, लिवर फेल होने, फेफड़ों का कैंसर, जींस में बदलाव आदि की शिकायतें होने लगती हैं।

मथुरा में ये धातुएं ज्यादा

क्रोमियम	138.02
क्रोमियम	0.55
निकिल	56.04

आगरा में ये धातुएं ज्यादा

दिल्ली से लेकर मथुरा तक इसका पानी बीमारी का घर

धातु मात्रा	
निकिल	28.87
क्रोमियम	135.15
लेड	23.41

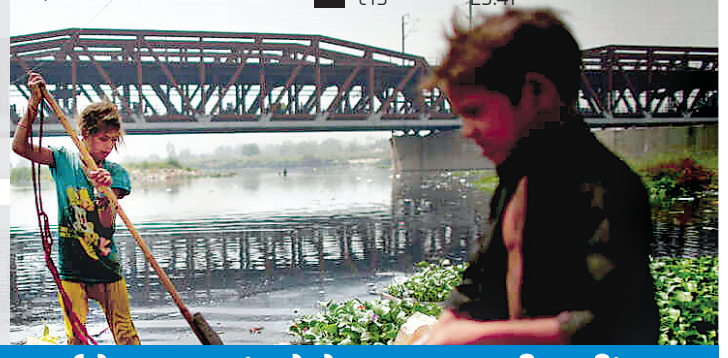

सिकंदरा वाटर वर्क्स के पास जांचने के उपकरण ही नहीं

आगरा में जीवनी मंडी और सिकंदरा वाटर वर्क्स हैं। इनमें से सिकंदरा वाटर वर्क्स पर 144 एमएलडी क्षमता का एमबीबीआर प्लांट है। यहां यमुना के पानी का शोधन कर आधे शहर को सप्लाई किया जाता है। भारी धातुओं को जांचने के उपकरण वाटर वर्क्स के पास नहीं है, वहीं जलकल विभाग के पास वाटर वर्क्स पर पानी शोधित करने की पुरानी तकनीक है जो भारी धातुओं को अलग नहीं कर सकती।जलकल विभाग पानी में गंदलापन, रंग, पीएच, टीडीएस, हार्डनेस, कॉलीफॉर्म, ई-कोलाई की ही जांच करता है। इन भारी धातुओं को जांचने के उपकरण है ही नहीं। जलकल महाप्रबंधक अरुणेंद्र राजपूत ने बताया कि यमुना के पानी में अगर भारी धातुएं हैं तो उन्हें जांचने की सुविधा नहीं है। लैब में सैंपल लिए जाते हैं। वाटर वर्क्स से सप्लाई होने वाले पानी में सीवर या गंदे पानी का कोई मिश्रण तो नहीं हुआ, इसे जोनल स्टेशनों पर जांचा जाता है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड जब फैक्ट्रियों के वेस्ट को यमुना में छोड़ने पर पूरी तरह से रोक का दावा करता है तो यमुना के पानी में भारी धातुएं इतनी मात्रा में कैसे मिल गईं। यह कागजों पर लगाई रोक की पोल खोलने वाली रिपोर्ट है, जिस पर गंभीरता से कार्रवाई की जरूरत है।

-डॉ. संजय कुलश्रेष्ठ, पर्यावरणविद

पहली बार लोन लेने वालों की बढ़ रही संख्या

नई दिल्ली। देश में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) की पहुंच बढ़ने से पहली बार लोन लेने वाले लोगों की संख्या में इजाफा हो रहा है। यह जानकारी एक रिसर्च पेपर में दी गई। आईआईएम और आईएसबी के प्रोफेसर्स द्वारा तैयार किए गए पेपर में कहा गया कि वर्ष 2016 में लांच हुए यूपीआई से देश के फाइनेंशियल सेक्टर में बड़ा बदलाव लाया है। पिछले साल अक्टूबर तक इससे 30 करोड़ से ज्यादा लोग और 5 करोड़ से ज्यादा मर्चेंट्स इससे जुड़े हुए थे। भारत में होने वाले कुल रिटेल डिजिटल लेनदेन में से 75 प्रतिशत यूपीआई के माध्यम से किए जा रहे हैं। स्टडी में आगे कहा गया कि इस छोटी अवधि में यूपीआई ने देश के फाइनेंशियल सिस्टम पर बड़ा असर डाला है और इसका इस्तेमाल रेहड़ी-पटरी वालों से लेकर बड़े शॉपिंग मॉल में किया जा रहा है। पेपर के अनुसार, यूपीआई के जरिए वंचित लोगों तक सेवाओं का विस्तार करने में मदद मिली है, जिसमें सबप्राइम और पहली बार औपचारिक लोन लेने वाले लोग भी शामिल है।

मुंबई में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा

अगले 2 से 3 वर्षों में देश में तेजी से घटेगी लॉजिस्टिक्स की लागत

- भारत की आर्थिक प्रतिस्पर्धात्मकता में होगा बड़ा सुधार
- देश 10 वर्षों में वैकल्पिक ईंधन में दुनिया का नेतृत्व करेगा

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के कहा कि सरकार का लक्ष्य अगले दो-तीन वर्षों में देश में लॉजिस्टिक्स लागत को एकल अंक तक लाना है, जो फिलहाल दोहरे अंक में है। भारत में मौजूदा समय में लॉजिस्टिक्स लागत 14 से 16 प्रतिशत के बीच है। यह अगले दो से तीन वर्षों में घटकर 9 प्रतिशत हो जाएगी। इससे भारत की आर्थिक प्रतिस्पर्धात्मकता में काफी सुधार होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा, सरकार ने लॉजिस्टिक्स सेक्टर की समास्याओं को दूर करने के लिए कई रणनीतिक नीतियां शुरू की हैं, जिसमें 'प्रधानमंत्री गति शक्ति-राष्ट्रीय मास्टर प्लान' (पीएमजीएस-एनएमपी) और 'राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति' (एनएलपी) शामिल हैं। मुंबई में हुए एक इवेंट में केंद्रीय मंत्री ने जोर देते हुए कहा कि हमें हाइड्रोजन को एक भविष्य के ईंधन के तौर पर देखने की आवश्यकता है। साथ ही, उन्होंने हाइड्रोजन और सीएनजी के उत्पादन के लिए बायोमास और बायोडाइजेस्टर टेक्नोलॉजी की क्षमता के बारे में लोगों को अवगत कराया।

एक नजर

किशोर को महत्वपूर्ण मंत्रालय मिलने से विकास की संभावनाएं बढ़ीः अरविंद

छतरपुर। छतरपुर के विधायक राधा कृष्ण किशोर को झारखंड सरकार के महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिमेवारी मिलने से छतरपुर के लोगों में विकास की आस जगी है। ये बातें सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद गुप्ता चुनमून ने कही। उन्होंने कहा कि छतरपुर के विधायक ने छठी बार विधानसभा का प्रतिनिधित्व कर अपनी नेतृत्व शक्ति और विद्वता का पुनः अहसास कराया है। उन्होंने कहा कि किशोर अनुभवी होने के साथ विधायी मामलों के कुशल जानकार हैं। सरकार में महत्वपूर्ण मंत्रालय मिलने से इलाके के लोगों का सपना पूरा होने की उम्मीदें बढ़ी है। उन्होंने कहा कि छतरपुर को जिला बना कर, रोजगार आधारित उद्योगों की स्थापना कर सुखनदिया, बटाने जैसी महत्वकांक्षी सिंचाई परियोनाओं को दुरुस्त कर किसानों के चेहरों पर मुस्कान लाई जा सकती है।

गरीबों को किसी भी कार्य के लिए ब्लॉक का चक्कर नहीं लगवाएं : विधायक

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। प्रखंड कार्यालय के सभागार में शनिवार को विधायक नरेश प्रसाद सिंह ने अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ बैठक की। वैसे तो यह बैठक परिचयात्मक था,लेकिन विधायक ने शालीन शब्दों में अधिकारियों कर्मचारियों को कई तरह की नसीहत दी। उन्होंने अधिकारियों कर्मचारियों को ईमानदारी से कार्य करने का शपथ भी दिलवाया। इसके अलावा कई निर्देश भी दिया। विधायक नरेश प्रसाद सिंह ने कहा कि पहले की तरह अब अटकाओ लटकाओ वाली कार्यप्रणाली नहीं चलेगी। गरीब गुरबों के कार्यों का यथाशीघ्र निष्पादन करें। गरीबों को बेवजह किसी भी कार्य के लिए ब्लॉक का चक्कर नहीं लगवाएं। भ्रष्टाचार पर लगाम लगाएं और ईमानदारी पूर्वक कार्य करें, वरना कार्रवाई के लिए तैयार रहें। मौके पर प्रमुख रंभा कुमारी, सीओ राकेश तिवारी, बीडीओ राजीव कुमार सिंह, सीआई विजय चौबे, राजस्व कर्मचारी अरविंद मिश्रा, राजद जिला महासचिव रमेश चौबे, नगर अध्यक्ष सिराजुद्दीन अंसारी, प्रखंड अध्यक्ष सतेंद्र यादव, किशोर कुमार, महेंद्र यादव, विकाश यादव, निर्मल सिंह, पंकज सिंह, एनामूल उर्फ गुड्डू, जुगुल खान, मुन्ना यादव,संजय उपाधया, डबलू चौबे, अमीन अंसारी सहित सभी प्रखंड व अंचलकर्मी मौजूद थे।

विधायक ने प्रखंड में विकास व कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की

नावाबाजार विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित विधायक नरेश प्रसाद सिंह शनिवार को नावाबाजार प्रखंड कार्यालय पहुंचे। वहां पदाधिकारी व कर्मियों के साथ औपचारिकता परिचय किया। साथ ही सरकार की विकास योजनाओं सहितक कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि किसी भी हाल में गरीब व्यक्तियों का शोषण व दोहन वह बर्दाश्त नहीं करेंगे। जाति, निवास, आय सहित कई प्रमाण पत्र, वृद्धावस्था, दिव्यांग ओर विधवा पेंशन, सर्वजन पेंशन, मंईयां सम्मान योजना, अबुआ आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित इस तरह की तमाम योजनाओं व कार्यक्रमों में रिश्वतखोरी वे किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। विधायक ने कहा कि झोंपड़ी वाले गरीबों को आवास नहीं मिला व दो मंजिला तीन मंजिला वालों को आवास मिल गया। वह कैसे मिला इसका जवाब चाहिए। कहा कि जमीन पर योजना जब तक दिखेगी नहीं उसमें भुगतान नहीं होनी चाहिए।

आम राहगीरों से प्रशासन बेखबर, निर्माणाधीन सड़क पर उड़ते धूल से लोग बेचैन

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। प्रखंड मुख्यालय स्थित स्थानीय हाइस्कूल के बायो डीजल पेट्रोल पंप मोड से बाजार क्षेत्र के मरघटिया पथ का जीर्णोद्धार कार्य एक पखवाड़े पूर्व शुरू किया गया। उक्त पथ बड़ा शिवालय, बभंडी, जाह पर, संडेया, बिलासपुर होते जपला मुख्य पथ में सरगाड़ा मोड़ को जोड़ना है। यह लोगों को आवागमन सुलभ कराने के लिए तीन माह पूर्व तत्कालीन विधायक कमलेश सिंह ने विधिवत शिलान्यास भी किया था, किन्तु सड़क निर्माण कार्य सभी मानक की उपेक्षा का संबंधित संवेदक पुरानी जर्जर पथ को उजाड़कर इसी पथ के विभिन्न स्थानों में बने बड़े बड़े गड्ढों में भराई किया है। पथ की समतलीकरण के बाद स्टोन चिप्स के डस्ट इस पथ पर बिछाकर छोड़ दिया गया है। इससे खासकर हाइस्कूल और इससे सटे मीडिल स्कूल के छात्र और छात्राओं को पठान पाठन कार्य के आवागमन में परेशानी ही नहीं हुई है बल्कि मुख्य पथ उड़ते बेतहाशा धूल भी स्कूल परिसर को धूमिल कर रहा है। आसपास के निजी घरों के लोग इस बढ़ते प्रदूषण से परेशान हैं। वर्तमान में आमलोगों को निजी काम से बाजार तक पैदल चलना मुश्किल हो गया है। अव्वल तो यह है कि अब तक एक बार भी प्रदूषण नियंत्रण को लेकर मुख्य पथ पर पानी का छिड़काव तक नहीं किया गया है। स्थिति यह है पैदल राहगीर भी आवागमन सुलभ नहीं कराने के प्रति स्थानीय प्रशासन की लापरवाही और अनदेखी को कोसते नजर आते हैं।

सर्प दंश से युवक घायल

भवनाथपुर। केतार के कोसड़ीहारा गांव में शिवम कुमार सांप काटने से घायल हो गाया। शिवम को इलाज के लिए भवनाथपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया है। परिजनों ने बताया कि वह रिश्तेदारी में अजय पासवान कौशड़ीहरा के घर गया था। तलाब में मछली पकड़ने के दौरान सांप ने पैर में काट लिया। पीड़ित ने बताया कि वह यूपी कानपुर से रिश्तेदार के घर आया था।

वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट ने जरूरतमंदों के बीच किया गर्म कपड़े का वितरण

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। रविवार को वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट के कपड़ा बैंक की टीम सुदूरवर्ती क्षेत्रों में पहुंची और जरूरतमंदों के बीच गर्म कपड़ों का वितरण किया। इस दौरान टीम ने चैनपुर के रामगढ़, नावाडीह, पिपराही सहित अन्य जगहों पर स्वेटर, जैकेट, शॉल, टोपी, मफलर और कंबल के अलावा जींस, शर्ट, पैंट, साड़ी, सूट जैसी वस्त्रों का भी वितरण किया। पलामू जिले में कड़ाके की ठंड का सामना लोग करने लगे हैं, और कई लोग ठंड से बचने के लिए नए कपड़े खरीदने में असक्षम हैं। ऐसे में ट्रस्ट के सदस्य जरूरतमंदों तक पहुंचकर उन्हें राहत प्रदान कर रहे हैं। ट्रस्ट की सचिव, शर्मिला वर्मा ने कहा, 'हमारे ट्रस्ट का उदेश्य केवल एक माध्यम बनकर जरूरतमंदों तक मदद पहुंचाना है, लेकिन पलामू के कई दानवीरों की बदौलत इस ठंड में वे लोग राहत पा रहे हैं।'वरिष्ठ कार्यकर्ता मन्नत सिंह बग्गा ने भी इस नेक कार्य में योगदान देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए अधिक से अधिक गर्म कपड़े कपड़ा बैंक को डोनेट करने की अपील की। इस नेक कार्य में शाहपुर की नेहा कुमारी का भी अहम योगदान रहा।

लक्ष्य पाने के लिये मोबाइल से दूरी बनाने की जरूरत हैः थाना प्रभारी

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। मां शिवकुमारी देवी सेवा संस्थान ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री मां बाल विकास विद्यालय की शाखा होलेया रोड,उपरीकला परिसर में शनिवार को कला व विज्ञान प्रदर्शनी सह पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन हुसैनाबाद महिला थाना प्रभारी पार्वती कुमारी व अभिभावकों ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती की तस्वीर के समक्ष दीप जलाकर किया। अतिथियों के सम्मान में बच्चों द्वारा स्वागत गान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना से की गयी। अध्यक्षता निदेशक सह प्राचार्य डॉ. जीतेन्द्र प्रसाद ने की। संचालन रविंद्र कुमार व शैलेश कुमार ने संयुक्त रूप से किया। बच्चों द्वारा स्थानीय सोहेया पहाड़ी, अनुमंडलीय अस्पताल, भीम चूल्हा, जपला स्टेशन,भीम बराज, समेत चंद्रयान, सोलर पैनल, वायु प्रदूषण, ज्वालामुखी, वाटर फॉल, स्वच्छता अभियान, इंडिया गेट,डाइजेस्टिव सिस्टम, ताजमहल, रिसाइकिल ऑफ बटरफ्लाई,कंकाल तंत्र, मानव नेत्र आदि समेत कई कलाकृतियों व मॉडल को अभिभावकों ने काफी सराहा। महिला थाना प्रभारी ने एक-एक कलाकृतियों का अवलोकन करते हुए संबंधित प्रश्न पूछे गए। उन्होंने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि सभी बच्चों की प्रस्तुति अच्छी रही। उन्होंने कई प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागियों को मेडल, प्रतीक, प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया. आप सबों में असीम शक्ति है। अपनी ऊर्जा को सही दिशा देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य निर्धारित कर मन लगाकर अध्ययन जरूरी है। आप सबो को मोबाइल से दूरी बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों को सही परवरिश देने की अपील की। साथ ही सही सोंच रखते हुए अंधविश्वास जैसे भ्रम से बचने की बात कही। साथ साथ अन्य लोगों को भी जागरूक करने का काम करें। उन्होंने कहा कि सकारात्मक जीवन शैली ही आगे बढ़ाने का काम करता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक धीरेंद्र प्रसाद, एसजे रहमान, रविन्द्र कुमार, जय नारायण सिंह,राहुल कुमार, अमृता कुमारी, सीमा अग्रवाल, संध्या सिंह, काजल सिंह,नीतू कुमारी, आरती सिंह,राहुल गुप्ता, रौशनी तारा, फिजां, विक्रम विशाल,ज्योति कुमारी, रूमी कुमारी सिंह, सानिया,अनिता देवी आदि सक्रिय रहे।

आईटीआई के पीछे नाली के गंदे पानी से सड़कों पर जल जमाव

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के नगर पंचायत के वार्ड नंबर तीन के पूर्व पार्षद राजेन्द्र पाल ने वार्ड दो व तीन में आईटीआई के पीछे जर्जर सड़क पर बने गढ्ढे को भरने व कीचड़ की सफाई कराने की मांग पलामू डीसी से की है। उन्होंने बताया कि नाली का पानी जमा होने से राहगीरों को पैदल चलना मुश्किल हो गया है। इस संबंध में ईओ को भी कई बार लिखित रूप में जानकारी दी गई है। इसके बावजूद इसका समाधान नहीं किया गया है। उनका कहना है कि शहरी क्षेत्र केवल नाम का ही रह गया हैं, इसकी स्थिति तो ग्रामीण क्षेत्र से भी बदतर हो गई हैं। उन्होंने बताया किइस क्षेत्रों में साल मे एक बार भी सफाई नहीं होती हैं। परंतु शहरवासियों को टैक्स के नाम पर दोहन व शोषण किया जा रहा है और सुविधाओं की स्थिति बिल्कुल नगण्य हैं।

प्रखंड के स्कूलों में मेगा आधार आईडी कैंप का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी। प्रखंड के सभी विद्यालयों में 9 और 10 दिसंबर को मेगा आधार आईडी बनाने का अभियान चलाया जाएगा। यह निर्देश बीपीएम नवीन प्रकाश ने दिया है। उन्होंने बताया कि प्रखंड के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए यू-डाइस प्लस पोर्टल के माध्यम से आधार आईडी बनाने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य शत-प्रतिशत बच्चों का आधार आईडी बनाना है। इसके तहत सभी विद्यालय प्रमुखों को निर्देश दिया गया है कि वह अपने-अपने स्कूलों में इस कार्य को सुचारू रूप से पूरा करें। पहले से चल रहे इस अभियान में छुटे हुए बच्चों का आधार आईडी को बनाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। उनहोंने स्पष्ट किया कि इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कोई प्रधानाध्यापक अपने विद्यालय में इस अभियान को समय पर पूरा नहीं करते हैं, तो उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए 9 और 10 दिसंबर को विशेष मेगा कैंप का आयोजन किया गया है, जहां सभी विद्यार्थियों को आधार आईडी से जोड़ा जाएगा। यह प्रक्रिया सुनिश्चित करेगी कि सभी बच्चों को सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ मिल सके। स्कूल प्रशासन और शिक्षकों को इस कार्य में पूर्ण सहयोग देने का निर्देश दिया गया है।

सड़क दुर्घटना में बिजली विभाग के सहायक अभियंता घायल

लातेहार। रांची-मेदिनीनगर राष्ट्रीय उच्च पथ-75 पर मनिका थाना क्षेत्र के नदबेलवा मोड़ के पास रविवार की दोपहर ट्रक और कार की आमने-सामने टक्कर में विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, मेदिनीनगर (ग्रामीण) के सहायक अभियंता दामोदर रंजन व कार में सवार अंगद कुमार घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मनिका थाना प्रभारी शशि कुमार व एसआई मनोज कुमार दुबे पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। दुर्घटना में कार के परखच्चे उड़ गये। उन्होंने पुलिस प्रशासन द्वारा घायल लोगों को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। वहां उनका प्राथमिक इलाज करने के बाद बेहतर इलाज के लिए लातेहार सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

एंटी क्राइम व सड़क सुरक्षा को लेकर चला वाहन चेकिंग अभियान

नवीन मेल संवाददाता

चिनियां। थाना प्रभारी अमित कुमार ने बीती देर रात 10 बजे एंटी क्राइम व सड़क सुरक्षा को लेकर वाहन चेकिंग अभियान चलाया। बताते चले कि यह वाहन चेकिंग अभियान गढ़वा पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पांडेय के निर्देश पर थाना मोड़ पर चलाया गया है। थाना प्रभारी अमित कुमार के नेतृत्व में एंटी क्राइम व सड़क सुरक्षा को लेकर दोपहिया, तीन पहिया व चार पहिया वाहनों को रोककर बारीकी से जांच की गई। दो पहिया वाहन चालकों के हेलमेट, जूते व लाइसेंस की जांच की गई। तीन पहिया व चार पहिया वाहनों को भी रोक कर उसके डिक्की वह अन्य सामानों की जांच की गई। जांच में किसी भी तरीके की कोई संदिग्ध वस्तु को नहीं मिला। बिना हेलमेट पहने दो पहिया वाहन चालकों कड़ी फटकार लगाते हुए अगली बार से सड़क पर हेलमेट लगाकर चलाने का निर्देश दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि सड़क सुरक्षा एंटी क्राइम व पब्लिक सुरक्षा को लेकर इस तरीके का वाहन चेकिंग अभियान आगे भी जारी रहेगा। वाहन चालकों को यातायात से संबंधित कई तरह का जानकारी भी थाना प्रभारी ने दी। मौके पर एएसआई राधेश्याम राम, बब्बन टुडू, कृष्णा साह, सहित पुलिस बल के जवान मौजूद थे।

बीडीओ ने मृतक के परिजनों को आर्थिक मदद की

डंडई। बीडीओ देवलाल करमाली अपने कर्मियों के साथ रविवार को मृतक अभय कुमार उर्फ राजा के घर पहुंचे। बीडीओ ने मृतक के परिजनों सभी सरकारी सहायता देने का अश्वासन दिया। साथ ही प्रक्रिया के तहत आवास योजना का लाभ देने की बात कही। भी देने की बात कही। बीडीओ ने 25 किलो का एक पैकेट चावल, दाल और आर्थिक सहयोग के रूप में 1100 रुपए की नकद राशि दिया। मौके पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राजेश मेहता, कोषाध्यक्ष अनिल प्रसाद गुड्डू, मिथुन कुशवाहा, रामजन्म मेहता, पंचायत सचिव नरेश ठाकुर, सुदर्शन राम, राजकुमार राम सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

पेज एक के शेष

केरल के पादरी...

उन्होंने कहा, जॉर्ज कार्डिनल कूवाकाड ने प्रभु यीशु मसीह के प्रबल अनुयायी के रूप में अपना जीवन मानवता की सेवा में समर्पित कर दिया है। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं। बता दें कि प्रसिद्ध सेंट पीटर्स बेसिलिका में आयोजित इस समारोह में दुनिया भर के पादरी और गणमान्य लोगों ने भाग लिया था और विभिन्न देशों के 21 नए कार्डिनलों को शामिल किया गया था। वहीं, केरल के चंगनास्सेरी आर्चडायोसिस से आने वाले कार्डिनल कूवाकड की नियुक्ति से भारतीय कार्डिनल्स की कुल संख्या छह हो गई है, जिससे वेटिकन में देश का प्रतिनिधित्व और मजबूत होगा। केरल से बड़ी संख्या में ईसाई समुदाय के लोग कूवाकड के कार्डिनल की पदोन्नति देखने के लिए वेटिकन सिटी पहुंचे हैं। वर्तमान में वेटिकन में रहने वाले कूवाकड पोप फ्रांसिस के अंतर्राष्ट्रीय यात्रा कार्यक्रम का आयोजन करते हैं। केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में 11 अगस्त 1973 को जन्मे कूवाकड 24 जुलाई को पादरी बने और बाद में प्रतिष्ठित पोंटिफिकल एक्लेसियास्टिकल अकादमी में राजनयिक सेवा के लिए प्रशिक्षण प्राप्त किया। साल 2006 में उन्होंने अल्जीरिया में अपोस्टोलिक नन्सिएचर में अपने राजनयिक करियर की शुरूआत की। उन्होंने अल्जीरिया, दक्षिण कोरिया, ईरान, कोस्टा रिका और वेनेजुएला में अपोस्टोलिक नन्सिएचर में सेवा की है। केरल की 3.2 करोड़ की आबादी में लगभग 18 प्रतिशत ईसाई हैं, जिनमें कैथोलिक प्रमुख समूह हैं, जो राज्य के 50 प्रतिशत ईसाइयों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

कमांडर सहित 2...

ग्रामीणों के आक्रोश की वजह से पुलिस अब तक घटनास्थल पर नहीं पहुंची है। चाईबासा रेंज के डीआईजी मनोज रतन चोथे ने स्वीकार किया है कि किसी वारदात को अंजाम देने आए पीएलएफआई के कमांडर को ग्रामीणों द्वारा मारे जाने की सूचना है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। नक्सलियों के आतंक से त्रस्त ग्रामीणों ने ऐलान कर दिया है कि हथियार दिखाकर खौफ फैलाने वालों को गांवों में घुसने नहीं दिया जाएगा। तीर-धनुष, भाला, कुल्हाड़ी सहित अन्य परंपरागत हथियारों से लैस करीब 50 गांवों के लोग पीएलएफआई संगठन के नक्सलियों की तलाश में जुटे हैं। तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस सतर्कता बरत रही है।

नक्सलियों के आतंक...

इसके बाद समूहों में लोग परंपरागत हथियारों के साथ नक्सलियों की तलाश में निकले। टोडेल-कोमाय जंगल में पीएलएफआई कमांडर मोटा टाइगर और उसके साथी बैठक कर रहे थे। ग्रामीणों ने घेराबंदी कर उनकी जबरदस्त पिटाई की। सूचना के अनुसार, मोटा टाइगर और उसके एक साथी ने दम तोड़ दिया है। कई अन्य नक्सलियों की पिटाई हुई है। घटना की सूचना मिलने पर सोनुवा, आनंदपुर, गोईलकेरा और गुदड़ी थाने की पुलिस जंगल के पास कैंप कर रही है।

जीएम से ग्रामीण क्षेत्र का जर्जर विद्युत, तार खंभों को बदलने की मांग

हैदरनगर। पलामू जिले के हैदरनगर प्रखंड के नौडीहा, पतरिया, गोल्हना, रतन बिगहा फीडर के ग्रामीण क्षेत्रों में जर्जर विद्युत तार खंभों का बदलने की मांग झारखंड के विभागीय महाप्रबंधक से की है। इस संबध में सामाजिक युवा कार्यकर्ता अंकू सिंह राणा से महाप्रबंधक को पत्र देकर बताया कि इस विद्युत मार्ग में 11000 वोल्ट का जर्जर तार व खंभों को नहीं बदलने से कभी भी बड़ी दुर्घटनाओं की आशंका से ग्रामीण भयभीत हैं। उन्होंने कहा है कि इन फीडर में पांच दशक पूर्व गाड़े गये लोहे के खंभे जंग खकर खाकर अधिकांश स्थानों में झुक भी गये हैं। दर्जनों स्थानों पर तार खेतों में झूल रहे हैं। जिससे किसानों को खेती करने में खतरे का सामना करना पड़ता है।

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार सम्मान समारोह में भाग लेंगे पंचायत के मुखिया

हुसैनाबाद। आगामी 11 दिसंबर को नई दिल्ली में पंचायती राज विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार सम्मान समारोह में हुसैनाबाद के पथरा ग्राम पंचायत के मुखिया नरेश पासवान को आमंत्रित किया गया है। इस आशय का पत्र मुखिया नरेश पासवान को झारखंड पंचायती राज विभाग द्वारा मिला है। मुखिया को मिले पत्र के साथ पलामू जिले के चियांकी के मुखिया बिंकों उरांव व समाजसेवी बसंत कुमार मेहता को भी मिला है। मुखिया नरेश पासवान ने बताया कि पलामू से दिल्ली के लिए वह रवाना हो गए हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें पंचायत में बेहतर कार्य के लिए पहले भी दिल्ली व जम्मू भेजा जा चुका है।

आध्यात्म

बराही धाम गुरुकुल शिक्षा केन्द्र का सुंदर राज स्वामी ने किया निरीक्षण, दिए निर्देश

शिक्षा की अंधी दौड़ में बच्चे अध्यात्म व संस्कार को भूलते जा रहे हैंः स्वामी

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद अनुमंडल के बराही धाम में श्री सुंदर राज स्वामी जी महाराज बराही धाम पहुंचने के बाद धाम परिसर स्थित देवी मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद शिवांश चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित गुरुकुल का निरीक्षण किया। साथ ही शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों से हालचाल पूछा। मौके पर सुंदर राज स्वामी जी महाराज ने कहा कि आधुनिक शिक्षा की अंधी दौड़ में बच्चे अध्यात्म और संस्कार को भूलते जा रहे है। इसका दुष्परिणाम हो रहा है कि समाज में कुरीतियां भी बढ़ती जा रही है। बच्चे

संस्कार से पिछड़ते जा रहें है। तत्कालीन हालात को देखते हुए और आने वाले भविष्य को देखते हुए शिवांश चैरिटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने संकल्प लिया था की आधुनिक शिक्षा के साथ साथ आध्यात्मिक की शिक्षा भी अत्यंत जरूरी है। इसलिए बराही धाम में गुरुकुल की स्थापना कर पिछले एक वर्षों से बच्चों को संस्कार के साथ - साथ आध्यात्मिक और आधुनिक शिक्षा दिया जा रहा है। जो इस क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि शिवांश चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा धार्मिक कार्यों के साथ शिक्षा,स्वास्थ्य और कई सामाजिक कार्य किए जा रहे है। मौके पर गुरुकुल के आचार्य शिव कुमार झा, विनय चौबे, अयोध्या सिंह टिकैत, टुनटुन सिंह के अलावा शिवांश चैरिटेबल ट्रस्ट के कई सदस्य मौजूद थे।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC
Dr. Vaibhav Kashyap
Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA
" Smiles & More"
छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट
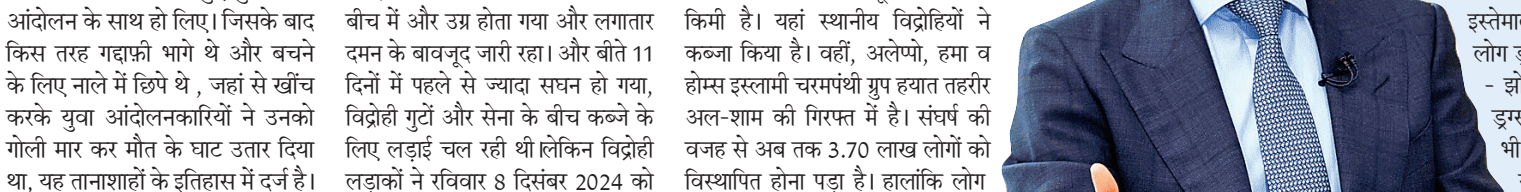
Facilities
❖ आरसीटी
❖ पायरिया का ईलाज
❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
❖ स्माईल डिजाइन
❖ इनविजिवल क्लिप
❖ दंत रोपण
❖ फिक्स दाँत लगाना
❖ अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज
CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

तानाशाह राष्ट्रपति बशर अल-असद देश छोड़ भागा

ब्यूरो । नई दिल्ली

चाहे सीरिया हो या और कहीं , तानाशाहों की सत्ता जब जाती है तो ऐसे ही जाती है। लंबे समय से चली आ रही तानाशाही या राज ऐसे ही जाता है।विशेषकर मुस्लिम देशों में तो कई तानाशाहों का अंत किस तरह से हुआ यह कर्नल गद्दाफी की मौत से जाना जा सकता है। छात्रों , युवाओं का आंदोलन बढ़ा तो गद्दाफी ने सेना के मार्फत आंदोलन कुचलना चाहा तो सेना में फूट हो गई।अलग हुई सेना ने अपने ही देश के छात्रों व युवाओं पर गोली चलाने से इनकार करते हुए युवाओं के आंदोलन का जिम्मेदार कर्नल गद्दाफी की तानाशाही को ठहराते हुए युवाओं के आंदोलन के साथ हो लिए। जिसके बाद किस तरह गद्दाफ़ी भागे थे और बचने के लिए नाले में छिपे थे , जहां से खींच करके युवा आंदोलनकारियों ने उनको गोली मार कर मौत के घाट उतार दिया था, यह तानाशाहों के इतिहास में दर्ज है। सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद भी देश छोड़कर नहीं भागे होते , तो उनका भी हश्र यही होता। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक सेना ने असद के देश छोड़ने की पुष्टि करते हुए कहा कि राष्ट्रपति की सत्ता खत्म हो चुकी है।

लगभग 50 वर्ष से सीरिया की सत्ता पर किसी न किसी तरह बशर अल-असद परिवार का कब्जा रहा है। पहले इनके पिता राष्ट्रपति , उसके बाद ये । इनके विरूद्ध 2011 में छात्रों के एक गुट ने आंदोलन दारा शहर से शुरू किया। दारा से 100 किमी दूर स्थित सीरिया की राजधानी दमिश्क शहर पर कब्जा करने में आंदोलनकारियों को 13 वर्ष लग गये। इस दौरान कई हज़ार छात्र व युवक मारे गये , बहुतों को ग़ायब कर दिया गया, बहुतों को मारकर लावारिस फेंक दिया गया, फिर भी आंदोलन नहीं दबा।

इससे ही छात्रों का आंदोलन बीच - बीच में और उग्र होता गया और लगातार दमन के बावजूद जारी रहा। और बीते 11 दिनों में पहले से ज्यादा सघन हो गया, विद्रोही गुटों और सेना के बीच कब्जे के लिए लड़ाई चल रही थी।लेकिन विद्रोही लड़ाकों ने रविवार 8 दिसंबर 2024 को राजधानी दमिश्क पर कब्जा कर ही लिया है। असद के देश छोड़ने के बाद सीरियाई प्रधानमंत्री ने विद्रोहियों को सत्ता सौंपने का प्रस्ताव दिया है। पीएम मोहम्मद गाजी अल जलाली ने एक वीडियो में कहा है कि वो देश में ही रहेंगे और जिसे भी सीरिया के लोग चुनेंगे, उसके साथ मिलकर काम करेंगे।सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक बीते एक हफ्ते में विद्रोहियों ने राजधानी दमिश्क के अलावा सीरिया के चार बड़े शहरों पर कब्जा कर लिया है। इनमें अलेप्पो, हमा, होम्स और दारा शामिल हैं। विद्रोही लड़ाके राजधानी दमिश्क में दारा शहर की तरफ से घुसे थे, जिस पर उन्होंने 6 दिसंबर को कब्जा किया था। दारा वही शहर है, जहां से 2011 में राष्ट्रपति बशर अल-असद के खिलाफ विद्रोह की शुरुआत हुई थी और पूरे देश में जंग छिड़ गई थी। दारा से राजधानी दमिश्क की दूरी करीब 100 किमी है। यहां स्थानीय विद्रोहियों ने कब्जा किया है। वहीं, अलेप्पो, हमा व होम्स इस्लामी चरमपंथी ग्रुप हयात तहरीर अल-शाम की गिरफ्त में है। संघर्ष की वजह से अब तक 3.70 लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। हालांकि लोग असद सरकार के गिरने की खुशी मना रहे हैं। लोगों के सेना के टैंकों पर चढ़कर खुशी जताते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

सीरिया में तानाशाही के विरुद्ध छात्रों, युवाओं के आंदोलन का परिणाम

बाग़ियों को दारा से 100 किमी दूर दमिश्क पर क ज़ा करने में लगे 13 साल

कैसे नशा के कैप्टागॉन कैप्सूल से मालामाल हुआ असद परिवार?

13 सालों से सीरिया में चल रहा गृहयुद्ध

कैप्टागॉन नामक कैप्सूल का इस्तेमाल पहले तो थकान मिटाने वाली दवा के तौर पर किया जाता था, पर जब से लोगों को पता चला कि इसका ज्यादा डोज लेने पर नशा भी होता है, तो बाजार में ग़रीबों, मज़दूरों में भी इसकी बढ़ती गई। अब तो सीरिया की सरकार गिर गई , और असद परिवार के 50 साल के शासन का भी अंत हो गया है। विद्रोहियों के आते ही राष्ट्रपति असद देश छोड़कर भाग गया। सीरिया में गृहयुद्ध 13 सालों से चल रहा है। जब-जब विद्रोह होता है, तो यहां की अर्थव्यवस्था पर चर्चा में एक कैप्सूल कैप्टागॉन की चर्चा ज़रूर होती है।जिसकी वजह से असद परिवार मालामाल हुआ है। कैप्टागॉन नाम की यह गोली एक ड्रग्स है। जिसका उपयोग अवसाद के इलाज के लिए किया जाता है। लेकिन बदहाली को बिसारने के लिए नशे के तौर पर सीरिया के लोग इसका इस्तेमाल करने लगे हैं। वैसे ही जैसे भारत में बहुत से लोग ड्रग्स लेते हैं। जिसमें बड़े शहरों के गरीब, झुग्गी - झोपड़ी वाले ज़्यादा है।ऐसे ही सीरिया में यह ड्रग्स खूब बिकती है और सीरिया की इकोनॉमी में भी अहम योगदान देती है। यह ड्रग्स सीरिया में एक्सपोर्ट होता है और इसके पीछे राष्ट्रपति बशर अल असद और उनके छोटे भाई का हाथ बताया जाता है। लेकिन सीरिया की सरकार ने इस तरह की सब खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है। न्यूलाइन इंस्टीट्यूट की शोध के अनुसार केवल 2021 में ही कैप्टागॉन के अवैध बाजार से 5.7 अरब डॉलर की कमाई हुई। इस गोली का इस्तेमाल केवल सीरिया में ही नहीं किया जाता है बल्कि अरब के देशों में भी इसका खूब इस्तेमाल होता है। जिन देशों में इसका सेवन किया जा रहा है, वहां लंबे समय से राजनीतिक व आर्थिक हालात बहुत अच्छे नहीं हैं, लोगों का जीना मुहाल है। जिन लोगों को लंबे समय तक काम करना पड़ता है उनमें से ज्यादे को वैसे ही लोगों के संगति में कैप्टागॉन लेने की आदत बन जाती है। इस गोली को खाकर लोग भूख , दर्द , गरीबी, बेरोजगारी , परिवार , बाल - बच्चों की दुर्दशा से निजात पा लेते हैं। यह अन्य ड्रग्स से सस्ती है इसलिए भी इसकी माँग व बिक्री ज्यादे है। अल-असद परिवार ने 1971 से सीरिया पर कंट्रोल किया है। जब हाफिज अल-असद ने बाथ पार्टी के तहत एक तानाशाही शासन की स्थापना की थी। 2000 में हाफिज के मरने के बाद उनके बेटे बशर ने उनकी जगह ली। बीते 13 सालों में सीरियाई गृह युद्ध कभी नहीं रुका। उतार-चढ़ाव के दौर से गुजरता रहा। 27 नवंबर को सीरिया की सरकार के विरूद्ध विद्रोहियों ने अचानक हमला शुरू किया और पहला वार अलेप्पो शहर पर किया गया। इसने असद की सेना को चौंका दिया। यह असद के पतन की उल्टी गिनती साबित हुई।जिसका परिणाम सामने है।

कौन हैं राष्ट्रपति असद, जिन्हें हटाने के लिए लंबे समय से जारी है विद्रोहियों का खूनी संघर्ष

बेरूत। सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल असद के देश छोड़ देने का दावा कई मीडिया रिपोर्ट्स में विद्रोही गुटों के हवाले से किया जा रहा है। विद्रोही गुटों का यह भी दावा है कि उन्होंने राजधानी दमिश्क पर कब्जा कर लिया है। आखिर राष्ट्रपति असद कौन हैं और विद्रोही गुट क्यों उनके खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। 59 वर्षीय बशर अल-असद ने 2000 में अपने पिता हाफिज अल-असद की मृत्यु के बाद सत्ता संभाली। उनके पिता 1971 से देश पर शासन कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुतबिक दमिश्क में जन्मे अल-असद ने राजधानी में मेडिकल स्कूल से स्नातक किया। वह नेत्र विज्ञान में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए लंदन में पढ़ाई कर रहे थे जब उन्हें अपने भाई की मृत्यु के बाद सीरिया वापस लौटना पड़ा। बड़े भाई बासेल अल-असद देश के नेता के रूप में अपने पिता की जगह लेने वाले थे, लेकिन एक कार दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई, जिससे बशर उत्तराधिकारी बन गए। 2011 उनके शासन काल के लिए सबसे अहम साल रहा जब लोकतंत्र की मांग को लेकर हजारों सीरियाई नागरिक सड़कों पर उतर आए, लेकिन उन्हें भारी सरकारी दमन का सामना करना पड़ा।

कौन है अबू मोहम्मद अल-जुलानी जिसने लंबे संघर्ष के बाद सीरिया में किया तख्तापलट

दमिश्क। इस्लामी विद्रोही ग्रुप हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) ने रविवार को सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल-असद के शासन के पतन और दमिश्क पर कब्जा करने के बाद 'एक नए युग की शुरूआत' की घोषणा की। अब सभी की निगाहें इसके नेता अबू मोहम्मद अल-जुलानी के अगले कदमों पर टिकी हैं। एचटीएस को पहले नुसरा फ्रंट के नाम से जाना जाता था और यह अल-कायदा से संबद्ध था। इसे संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य देशों ने आतंकवादी संगठन घोषित किया है। 'स्पेशल डिजाइंड ग्लोबल टेररिस्ट' अबू मोहम्मद अल-जुलानी के सिर पर 10 मिलियन डॉलर का इनाम है। वह कभी इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) के संस्थापक और नेता अबू बक्र अल-बगदादी के साथ काम कर चुका है। अहमद हुसैन अल-शरा के रूप में जन्मे जुलानी को मोहम्मद अल-जवलानी और अबू मुहम्मद अल-गोलानी के नाम से भी जाना जाता है। उसने इराक में अल-कायदा के लिए काम किया और अमेरिका की जेल में पांच साल भी बिताए। जुलानी ने अल-कायदा और उसके नेता अयमान अल-जवाहिरी के प्रति निष्ठा की शपथ ली।

असद शासन के 'पतन' के बीच इजरायल ने गोलान बफर जोन में की सेना की तैनाती

तेल अवीव। इजरायल ने गोलान हाइट्स में इजराइल-सीरिया सीमा पर बफर जोन के भीतर नई जगहों पर अपनी सेना तैनात की है। यहूदी राष्ट्र ने यह कदम सीरिया में असद शासन के पतन के बाद उठाया है। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने इस कदम की पुष्टि की है। यह 1974 में एग्रीमेंट ऑन डिसइंगेजमेंट पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद से इस तरह की पहली तैनाती है। इजरायल डिफेंस फोर्सेज एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सीरिया में हाल की घटनाओं के बाद स्थिति के आकलन के अनुसार, आईडीएफ ने बफर जोन में और अपनी रक्षा के लिए आवश्यक कई अन्य जगहों पर सेना तैनात की है, ताकि गोलान हाइट्स के लोगों और इजरायल के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। पोस्ट में लिखा गया है कि यह कदम एक नए आकलन और 'बफर जोन में बंदूकधारियों के घुसने की संभावना' को देखते हुए उठाया गया है। सुरक्षा बलों ने कहा, हम इस बात पर जोर देते हैं कि आईडीएफ सीरिया में हो रही घटनाओं में हस्तक्षेप नहीं करता है। यह तैनाती सीरिया में महत्वपूर्ण उथल-पुथल के के बीच हुई है।

जॉर्ज सोरोस के सोसाइटी के पूर्व प्रमुख ने यूनुस से की मुलाकात

एजेंसी । ढाका

ओपन सोसाइटी फाउंडेशन के पूर्व अध्यक्ष मार्क मैलोच-ब्राउन ने रविवार को ढाका में बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस से मुलाकात की। ओपन सोसाइटी फाउंडेशन को हंगरी में जन्मे अरबपति अमेरिकी निवेशक जॉर्ज सोरोस ने स्थापित किया था। यूनुस के कार्यालय ने एक्स पर बैठक की एक तस्वीर के साथ पोस्ट किया, लॉर्ड मार्क मैलोच-ब्राउन ने बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार से मुलाकात की। नब्बे वर्षीय सोरोस ने पिछले कुछ वर्षों में, भारत सहित अन्य देशों में राष्ट्रवादी सरकारों को सत्ता से हटाने के अपने इरादे की खुलेआम घोषणा की है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोरोस को भारत की छवि और लोकतांत्रिक ढांचे को नुकसान पहुंचाने के लिए बार-बार प्रयास करने के लिए 'बूढ़ा, अमीर, जिद्दी और खतरनाक' व्यक्ति बताया था। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जॉन बोल्टन ने उन्हें एक 'वामपंथी' व्यक्ति बताया, जिसके पास बहुत सारा पैसा है। उन्होंने कहा कि इस विवादास्पद व्यवसायी के विचारों को कई प्रमुख मुद्दों पर वाशिंगटन के रुख के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। दिलचस्प बात यह है कि ब्राउन-यूनुस की बैठक विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री और बांग्लादेशी समकक्ष जशीम उद्दीन की सोमवार को होने वाली मुलाकात से पहले हुई है। पिछले कुछ महीनों में दोनों देशों के बीच संबंधों में भारी गिरावट आई है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का तीन दिवसीय रूस दौरा आज से

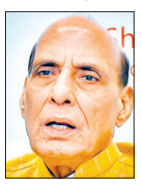

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 8-10 दिसंबर तक तीन दिवसीय रूस की यात्रा पर आज मॉस्को रवाना होंगे। इस दौरान 10 दिसंबर को मॉस्को में राजनाथ सिंह और रूस के रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव भारत-रूस अंतर-सरकारी सैन्य एवं सैन्य तकनीकी सहयोग आयोग (आईआरआईजीसी-एमएंडएमटीसी) की 21वीं बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे। बैठक में भारत-रूस के बीच रक्षा क्षेत्र में सहयोग और औद्योगिक साझेदारी सहित विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की जाएगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 9 दिसंबर को कलिनिनग्राद स्थित यंत्रा शिपयार्ड में भारतीय नौसेना की नई बहु-भूमिका वाली स्टील्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट आईएनएस तुशील को कमीशन करेंगे। इस ऐतिहासिक मौके पर नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी भी उनके साथ रहेंगे।

विकसित भारत सपना नहीं, हमारा लक्ष्य है : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

एजेंसी । नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि विकसित भारत अब सपना नहीं अपितु लक्ष्य है। हमें गीता का वो ज्ञान ध्यान रखना पड़ेगा। जो एकाग्रता अर्जुन ने दिखाई, अर्जुन की नजर मछली पर नहीं थी, अपने लक्ष्य पर थी। हमें वही नजर, दृष्टि और दृढ़ता रखनी है, ताकि भारत निश्चित रूप से 2047 या इससे पूर्व विकसित राष्ट्र का दर्जा प्राप्त करे। 'अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव- 2024' में उपराष्ट्रपति ने कहा, "साथी और सारथी की भूमिका कितनी निर्णायक होती है, यह भारत ने पिछले दस वर्षों में देखा है। अकल्पनीय आर्थिक प्रगति, अविश्वसनीय संस्थागत ढांचे का निर्माण और वैश्विक स्तर पर जो सम्मान और दर्जा अकल्पनीय था, वह आज भारत को प्राप्त हो रहा है। भारत की आवाज आज पूरी बुलंदी पर है। हम न केवल एक महाशक्ति हैं, बल्कि हमने एक ऐसा रास्ता भी चुना है, 2047 तक विकसित भारत का रास्ता।" उपराष्ट्रपति ने गीता के उपदेशों से प्रेरणा लेकर शासन और समाज के लिए पंचामृत मॉडल की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा, "गीता में दिखाए गए पांच मौलिक आदर्श, जिन्हें मैं शासन का पंचामृत कह रहा हूं, हर नागरिक अपना सकता है। इसके लिए केवल एक दृढ़ संकल्प की आवश्यकता है। पहला है सार्थक संवाद। श्रीकृष्ण और अर्जुन का संवाद हमें सिखाता है कि मतभेद विवाद नहीं बनना चाहिए। मतभेद होंगे, क्योंकि लोग अलग-अलग तरीके से सोचते हैं। हमारे संविधान सभा ने भी मतभेदों का सामना किया, लेकिन उन्होंने वाद-विवाद और विचार-विमर्श के माध्यम से उन्हें हल किया। दूसरा है व्यक्तिगत शुचिता। जो लोग प्रशासनिक, राजनीतिक या आर्थिक क्षेत्रों में किसी भी जिम्मेदारी वाले पद पर हैं, उनका आचरण आदर्श होना चाहिए। उनका आचरण जनता को प्रेरित करने वाला होना चाहिए। तीसरा है निस्वार्थ यज्ञ भाव। भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं, 'यज्ञार्थात्कर्मणो', कार्य को व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि बड़े हित के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसी भावना के साथ, मैं सभी से अपील करता हूं 2047 तक विकसित भारत का निर्माण एक महान यज्ञ है। इस यज्ञ में सभी को अपनी शक्ति के अनुसार आहुति देनी चाहिए। चौथा है करुणा। करुणा हमारी 5000 साल पुरानी संस्कृति का निचोड़ है। कोविड संकट के दौरान, भारत ने अपनी करुणामयी संस्कृति का प्रदर्शन करते हुए 100 से अधिक देशों को वैक्सीन उपलब्ध कराई, जब हम खुद भी चुनौती का सामना कर रहे थे।

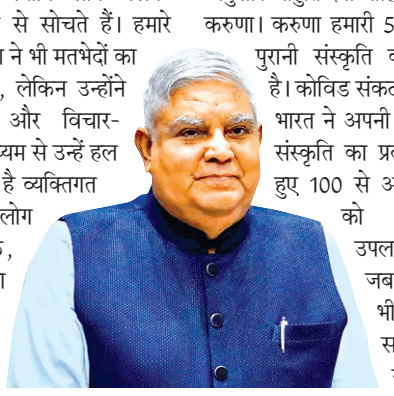

अमित शाह ने जोधपुर में सरदार पटेल की पहली मूर्ति का किया अनावरण

जोधपुर। गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को देश के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जोधपुर में पहली मूर्ति का अनावरण किया। सर्किट हाउस के बाहर आयोजित विशेष समारोह में उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल का जोधपुर से गहरा नाता रहा है। अगर वो नहीं होते तो आज शायद जोधपुर पाकिस्तान का हिस्सा होता। यह भी सच है कि अगर सरदार पटेल नहीं होते तो देश की रियासतों का एकीकरण भी संभव नहीं था। उन्होंने ही गुजरात सहित राजस्थान की जोधपुर जैसी रियासतों का भारत में विलय कराया था। साथ ही जोधपुर के एयरवेज को रणनीति रूप से विकसित कराया और यहां के महाराज को विलय के लिए राजी कराया।

सीबीआई ने छत्तीसगढ़ पीएससी की पूर्व परीक्षा नियंत्रक को किया गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ पीएससी में गड़बड़ी की जांच कर रही सीबीआई ने रविवार को पूछताछ के बाद तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक रहीं आरती वासनिक को गिरफ्तार कर लिया है। सीबीआई दो दिनों से आरती वासनिक से पूछताछ कर रही थी। सीबीआई ने दो दिन पहले आरती वासनिक के राजनंदगांव स्थित आवास पर छापे मारे थे, जिसमें कुछ अहम सबूत मिले हैं। इसी आधार पर सीबीआई ने आरती वासनिक को रविवार को गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने अपनी जांच में पीएससी के तत्कालीन चेयरमैन आईएएस टामन सोनवानी और व्यवसायी श्रवण गोयल को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है जो अभी न्यायिक हिरासत में जेल में है।

बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर नोएडा में उमड़ा जनसैलाब

एजेंसी । नोएडा

बांग्लादेश में हिंदुओं के विरुद्ध अत्याचार, अनाचार और संत चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी के विरोध में रविवार को नोएडा सेक्टर 33ए के पार्क में हिन्दू समाज का सैलाब उमड़ पड़ा। आक्रोशित सभा मे वक्ताओं ने कहा कि बंग्लादेश में सुनियोजित तरीके से हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। सनातन धर्म रक्षा समिति की अगुवाई में अयोजित आक्रोशित सभा मे सनातन हिंदू समाज से हजारों की संख्या मे पूरे जिले से गांव- देहात, सोसाइटी और शहर से सनातन समाज के लोग बड़ी भारी संख्या में एकत्रित हुए। इस अवसर पर बिग्रेडियर संजय अग्रवाल ने बताया कि बांग्लादेश में हिंदुओं के प्रतीकों को नष्ट किया जा रहा है। बांग्लादेश को इस्लामीकरण की तरफ सुनियोजित तरीके से धकेला जा रहा है। बिग्रेडियर अग्रवाल ने कहा कि हमारे शास्त्र बताते हैं कि अपने धर्म की रक्षा के लिए शस्त्र उठाना उचित ही नहीं धर्म संगत भी है, हम तभी सुरक्षित हैं जब हमारा धर्म सुरक्षित होगा। नोएडा इस्कॉन मंदिर के प्रवक्ता बुद्धिमत्ता दास ने कहा हम यह आंदोलन बांग्लादेश में इस्कॉन संस्था के लिए नहीं अपितु पूरे जीव मर्म की सुरक्षा के लिए कर रहे हैं। अगर भारत चाह ले तो बांग्लादेश की कोई हैसियत नहीं है कि वह हिंदुओं के ऊपर अत्याचार कर सके। कृपाशंकर ने कहा कि आज भारत खड़ा हो चुका है, अब ये जनआक्रोश खाली नहीं जाएगा। उन्होंने आह्वान किया कि जनजागरण के लिए लोगों को प्रेरित किया जाये। बाबा बालक नाथ शक्ति पीठके धीरज राणा ने कहा कि बांग्लादेशी हिंदुओं के साथ जो अत्याचार हो रहा है, उसके लिए हम सबको एकजुट होना पड़ेगा। हिंदू संगठनों ने इस गंभीर मुद्दे को भारत सरकार के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय पटल पर रखने की बात कही। वक्ताओं ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि विश्व के मानवाधिकार संगठन बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर हो रहे अत्याचार के खिलाफ चुप्पी कैसे साध सकते हैं। आक्रोश सभा में फलाहारी बाबा अजय वीरजी, योगी धनंजय, धनराज गिरी, आचार्य प्रेमानंद ब्रह्मचारीजी महंत स्वामी संतोष गिरी, बालाजी धाम पीठेश्वर मुकेशनंद महाराज, महंत बनवारी गिरी सेक्टर 128, बाबा शीतल गिरी, अनुराग महाराज हनुमान धाम पीठाधीश्वर बरौला, आचार्य उपेन्द्र तिवारी के साथ साथ कई हिंदू संगठनों के प्रमुख और समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आक्रोशित सभा में व्यक्त किया आक्रोश

हरियाणा के शाहाबाद में रात को सोते वक्त जज के रीडर समेत परिवार के चार लोगों की हत्या

एजेंसी। कैथल

जिले के शाहाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत यारा गांव में रहने वाले कुरुक्षेत्र के जज के यहां रीडर, उनकी पत्नी, बेटा और बहू की घर में घुसे अज्ञात हमलावरों ने शनिवार रात हत्या कर दी, जबकि 13 वर्षीय पौत्र गंभीर रूप से घायल है। सभी के गले को तेज धारदार हथियार से काटा गया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। शाहाबाद के यारा गांव में रहने वाले नैब सिंह कुरुक्षेत्र के जज के यहां रीडर थे और पत्नी, बेटा-बहू और पौत्र के साथ रहते थे। बीती रात उनके घर में घुसे अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने नैब सिंह, उनकी पत्नी इमरित कौर, शाहाबाद कोर्ट में कार्यरत बेटा दुष्यंत, बहू अमृत कौर और 13 वर्षीय पौत्र केशव पर वार कर दिया और रक्तरंजित हालत में छोड़ कर फरार हो गए।

रोजना की तरह रविवार सुबह जब नैब सिंह के घर से कोई हलचल और बाहर ना निकलने पर पड़ोसियों ने गेट खटखटाया। कोई आहट ना मिलने पर इलाकाई लोग इकठ्ठा हुए और गेट तोड़कर अंदर गए, जहां नैब सिंह और उसकी पत्नी लहुलूहान अवस्था में मृत पड़े थे। जबकि पहली मंजिल में बेटा दुष्यंत और बहू अमृत कौर के साथ पौत्र केशव भी रक्तरंजित हालत में था। घटना देख लोगों ने पुलिस को सूचना दी।